15वीं वार्षिक रिपोर्ट
FIFTEENTH ANNUAL REPORT

2010-2011

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विंग–ए, विश्वकर्मा भवन
शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
WING - A, VISHWAKARMA BHAWAN,
SHAHEED JEET SINGH MARG,
NEW DELHI - 110016

एक यादगार वर्ष

वर्ष 2010 - 11 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमि पार्कों (एस टी ई पी)/ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ वित्तीय सहायता हेतु 15 करारों को सम्पन्न किया और रू. 111.97 करोड़ के कुल परियोजना परिव्यय में से रू. 40.20 करोड़ की प्रतिबद्धता की। टी डी बी की सहायता में स्वास्थ्य देख रेख, इंजीनियरिंग, कृषि, ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह परियोजनाएं 7 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में फैली हैं।

चालू नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए रू. 64.19 करोड़ की राशि का संवितरण किया गया है। इस राशि में ऋण के रूप में 51.64 करोड़ रू., औद्योगिक संगठन और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों को अनुदान के रूप में 8.63 करोड़ रू. तथा निवेश के लिए उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) हेतु 3.92 करोड़ रू. शामिल हैं।

वेन्चर कैपिटल फण्ड में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मेा व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मेा और नवोन्मेाी उत्पाद/ सेवाएं रखने वाले एस एम ई के लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टी डी बी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रूप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट/ निजी इक्विटी फंड्स को आत्मविश्वास बढाया है।

अब तक टी डी बी ने 6 (छः) वी सी एफ नामतः ए पी आई डी सी, यू टी आई-ए आई एफ, यू टी आई - आई टी वी यू एस, वैंचर रेस्ट, जी वी एफ एल और आर सी वी एफ में भागीदारी की है और 175.00 करोड़ रू. के निवेश की प्रतिबद्धता की है तथा इसमें से दो वी सी एफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरू हो गया है।

इस वर्ष, टी डी बी को यू टी आई-एसेंट इंडिया फंड (ए आई एफ) की यूनिटों के मोचन से 6.49 करोड़ रू. तथा लाभ वितरण से 0.26 करोड़ रू. प्राप्त हुए हैं इससे लाभ कुल मिलाकर 6.75 करोड़ रू. हो गया है। यूनिटों के मोचन से प्राप्त 0.98 करोड़ रू. की राशि और राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आर वी सी एफ) से लाभ वितरण से 0.26 करोड़ रू. की राशि से कुल राशि योग 1.24 करोड़ रू. हो गया।

The Year That Was

During the year 2010-11, Technology Development Board (TDB) concluded 15 agreements for financial assistance with various industrial concerns and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) / Technology Business Incubators (TBIs) and committed ₹ 40.20 crore out of total project outlay of ₹ 111.97 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc. The projects are spread over 7 States/Union Territories.

An amount of ₹ 64.19 crore has been disbursed towards on-going, new projects and schemes. This included ₹ 51.64 crore as loan, ₹ 8.63 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators and ₹ 3.92 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy.

So far TDB has participated in 6 (six) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL and RCVF and committed investment of ₹ 175.00 crore and out of which the return on investment in two VCFs has already started.

This year, TDB has received ₹ 6.49 crores towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund (AIF) and ₹ 0.26 crores towards profit distribution from the fund aggregating to ₹ 6.75 crores. An amount of ₹ 0.98 crores received towards redemption of units and ₹ 0.26 crores towards profit distribution from Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF) aggregating to ₹ 1.24 crores.

इन्क्यूबेटर्स में शुरूआतकर्त्ताओं के लिए सीड सपोर्ट स्कीम

वर्ष 2005 में, टी डी बी ने डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटरों (एस टी ई पी - टी बी आई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू करके संवृद्धि - उन्मुखी अग्रसक्रिय पहल अपनाई है और वर्ष 2009 - 10 तक टी डी बी की 1500 लाख रू. की प्रतिबद्धता सहित 15 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को सहायता प्रदान की है।

इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने वर्तमान वर्ष 2010 - 11 के दौरान भी इस स्कीम को विस्तारित किया है और अन्य 09 एस टी ई पी एस/ टी बी आई एस की पहचान की गई है और अनुदान के रूप में उनमें से प्रत्येक को 100 लाख रू. का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आरंभिक स्तर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा एक इन्क्यूबेशन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 'सेंटर फार द डवेलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी' (सी डी टी आई), स्पेन के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार अपना तकनीकी सहयोग जारी रखा। वर्ष 2010 - 11 के दौरान, इंजीनियरी के क्षेत्र में सी डी टी आई, स्पेन और टी डी बी के बीच भारत स्पेन नवोन्मेषी कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अन्तर्गत दो और द्विपक्षीय परियोजनाओं नामतः 'एस के आई डी एस' और 'सेइक्लिंबर इंडिया' को अनुमोदित किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई, 2010 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री अरूण मैरा, सदस्य, योजना आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी व्याख्यान दिया गया।

पुरस्कारों की श्रेणी में, श्री पृथ्वीराज चव्हाण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ने अल्ट्रा - लो सल्फर डीजल (सर्वो - एल आई) के लिए प्रीमियम ग्रेड डीजल (सर्वो - डी एम एफ ए) तथा चिकनाहट एडिटिव्स के लिए बहु कार्यात्मक एडिटिव्स के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यिकरण हेतु मैसर्स इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, आर एण्ड डी

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

In 2005, Technology Development Board (TDB) took a growth-oriented proactive initiative by starting the Seed Support System for providing financial assistance for Start-ups in Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 15 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of ₹ 1500 lakhs till 2009-10.

This scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields.

TDB has extended this scheme during the current year 2010-11 also and another 9 (nine) STEPs/ TBIs have been identified and sanctioned ₹ 100 lakhs each as grant. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

MoUs with Foreign Institutions

TDB continued its technical collaboration with "Centre for the Development of Industrial Technology" (CDTI), Spain as per the MoU signed with it earlier. During 2010-11, two more bilateral projects namely 'SKIDS' and 'SAECLIMBER INDIA' have been approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB in the field of engineering.

Technology Day

Technology day was celebrated on 11th May, 2010 in New Delhi and the Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest on this occasion. The technology Day Lecture was delivered by Shri Arun Maira, Member, Planning Commission.

In the awards category, the Chief Guest in the presence of Shri Prithviraj Chavan, Minister of State, Science and Technology and Earth Sciences presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Indian Oil Corporation Limited, R&D Centre, Faridabad, Haryana for the indigenous development & commercialization

सेंटर, फरीदाबाद, हरियाण को 10 लाख रू. और एक ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

उन्होंने कैंसर थैरेपी में रेडिएशन उपचार हेतु इनबिल्ट सुरक्षा विशेषताओं के साथ भाभा ट्रोन - II - कोबाल्ट टेलीथैरिपी को विकसित एवं वाणिज्यीकृत्त करने के लिए एस एस आई यूनिट, मैसस पेनाका मेडिकल टेक्नोलोजीज़ प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर को 2 लाख रू. और एक ट्राफी भी प्रदान की।

पारस्परिक अन्तरक्रिया पद्धति

प्रदर्शनियां/ संगोष्ठियां

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों और आर एण्ड डी संस्थानों के बीच जागरूकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग के साथ विचार - विमर्शी बैठकें/ प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यकलापों को संचालित किया गया।

वर्ष के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने बंगलौर, चेन्नई, हैदराबाद, नैनीताल, नई दिल्ली, मुम्बई, पुणे और शिमला में प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरूकता पैदा की है। टी डी बी ने वाणिज्य मंत्रालय के अधीन इंस्ताबुल (टर्की) में एक विदेशी प्रदर्शनी में भी भाग लिया।

चेन्नई में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 98 वां सत्र

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने चेन्नई में 3 - 7 जनवरी, 2011 के दौरान 98 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आई एस सी) ' भारत का गौरव' आई एस सी प्रदर्शनी - 2011 में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा 'भारतीय विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता' के मुख्य विषय के साथ आई एस सी का उद्घाटन किया गया।

विज्ञान कांग्रेस एक ही मंच पर अपने अनुभवों को आपस में बताने वाले विश्व भर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, प्रोफेसरों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की गवाह रही। टी डी बी ने अपने कार्यकलापों के बारे में जानकारियां दी और टी डी बी की स्कीमों के बारे में आगन्तुक को अवगत कराया। विज्ञान कांग्रेस में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वर्ष 2010 - 11 में नए उत्पाद और सेवाएं

वर्ष के दौरान, टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यिकरण हेतु निम्नलिखित

of Multifunctional Additives for Premium Grade Diesel (SERVO-DMFA) & Lubricity Additives for Ultra-Low Sulphur Diesel (SERVO-LI).

He also presented ₹ 2 lakh and a trophy to the SSI unit, M/s Panacea Medical Technologies Private Limited, Bangalore for developing and commercializing BHABHATRON-II – Cobalt Teletherapy Unit with inbuilt safety features for radiation treatment in Cancer Therapy.

Interactive Mode

Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations.

During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in exhibitions at Bangalore, Chennai, Hyderabad, Nainital, New Delhi, Mumbai, Pune & Shimla. TDB also participated in an exhibition abroad under the Ministry of Commerce at Istanbul (Turkey).

98th session of Indian Science Congress at Chennai

TDB participated in the 98th Indian Science Congress (ISC) 'Pride of India' ISC Expo- 2011 during January 3-7, 2011 at Chennai. The ISC with the focal theme "Quality Education and Excellence in Scientific Research in Indian Universities" was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India.

The Science Congress witnessed the presence of eminent scientists, Nobel laureates, policy makers, administrators, professors and students from across the nation sharing their experiences and views over a common platform. TDB displayed information about its activities and the visitors were appraised about the schemes of TDB. A large number of national and international delegates participated in the Science Congress.

New Products and Services in 2010-11

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support

परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए नए करारों पर हस्ताक्षर किए:-

- मैसर्स कोरल टेलिकॉम लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा उद्यमों तथा रक्षा क्षेत्र की नई पीढ़ी की नेटवर्क आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आई आर आई एस एन जी एक्स स्विच का वाणिज्यिकरण।

- मैसर्स सांख्य लैब प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर द्वारा यूनिवर्सल डिजीटल टी. वी. डिमोड्यूलेशन चिप प्रूथवी

- मैसर्स श्योर वेव्स मीडिया टेक, प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर (पूर्व में मैसर्स इंडसएज इन्नोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर के रूप में जानी जाने वाली) द्वारा श्योरवेव्स मीडिया कंवर्जेंस सोल्यूशन का वाणिज्यिकरण

- मैसर्स सिल्वन इंनोवेशन लैब्स प्रा. लि. बंगलौर द्वारा वायरलेस आई पी विडियो निगरानी कैमरा प्रणाली पर वास्तविक समय विडियो ऐनेलेटिक्स

- मैसर्स बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा स्व चालित बैक - एच ओ ई लोडर

- मैसर्स हाइड्रोलिना बायोटेक प्रा. लि. चेन्नई द्वारा टमाटर से लाइकोपीन निकालने के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिकरण

उपरोक्त के अतिरिक्त, सीड सहायता स्कीम के अन्तर्गत प्रत्येक को 1.00 करोड़ रू. की अनुदान सहायता के साथ निम्नलिखित 9 नए एस टी ई पी/ टी बी आई एस को भी सहायता प्रदान की गई।

1. मणिपाल विश्वविद्यालय - टी बी आई, मणिपाल कर्नाटक

2. एन डी बी आई, एन आई डी, अहमदाबाद

3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी), कालीकट

4. टेक्नोपार्क - टी बी आई, केरल

5. आई के पी नोलेज पार्क, सिकन्दराबाद

the following projects for development and commercialization of innovative technologies:-

- Commercialization of IRIS NGX Switch to meet New Generation Network (NGN) Requirements for Enterprise as well as Defence by M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P.

- Universal Digital TV demodulation chip, pruthvi by M/s Saankhya Labs Private Limited, Bangalore

- Commercialization of SureWaves Media Convergence Solutions" by

- M/s Surewaves Media Tech. Pvt. Ltd. Bangalore (previously known as M/s IndusEdge Innovations Private Limited, Bangalor

- Real time video analytics over wireless IP video surveillance camera systems by M/s Silvan Innovation Labs Pvt. Ltd., Bangalore

- Self-propelled Back-HOE Loader by M/s Bull Machines Private Limited, Coimbatore

- Development and commercialization of Technology for Extraction of Lycopene from Tomato by M/s Hydrolina Biotech Pvt. Ltd., Chennai

Besides above, the following 9 new STEP/TBIs are also supported with grant assistance of ₹ 1.00 crore each under Seed Support Scheme.

1. Manipal University-TBI, Manipal, Karnataka

2. NDBI, NID, Ahmedabad

3. National Institute of Technology (NIT), Calicut

4. Technopark-TBI, Kerala

5. IKP Knowledge Park, Secunderabad

6. एफ आई टी टी, आई आई टी, दिल्ली, नई दिल्ली

7. विलग्रो इन्नोवेशंस फाउंडेशन, चेन्नई

8. एस आई डी बी आई, आई आई टी कानपुर, कानपुर

9. जे एस एस ए टी ई - एस टी ई पी, नोएडा

वर्ष 2010 - 11 में जारी उत्पाद/ पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टी डी बी से सहायता के साथ जारी उत्पादों/ पूरी की गई परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :-

- मैसर्स न्यूरोसिनेप्टिक कम्यूनिकेशंस प्रा. लि. बंगलौर द्वारा सम्पूर्ण भारत में आठ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आर ई एम ई डी आई टेलीमेडिसन सोल्यूशन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख सुपुर्दगी प्रणाली

- मैसर्स ओरोरा इंटीग्रेटिड सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर द्वारा सैनिक निगरानी (एस के वाई 1 एम के 1) और राष्ट्र की सुरक्षा (शहरी निगरानी प्रणाली) के लिए छोटे यू ए वी का विकास और वाणिज्यिकरण

- मैसर्स विजय लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा नई पीढ़ी की स्वचालित कोन वाइंडिंग मशीन का स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यिक उत्पादन

- मैसर्स मिला सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्रा. लि. हैदराबाद द्वारा मिला माइग्रेशन जीवन - चक्र प्रबंधक (एम एल एम) स्यूट का विकास एवं वाणिज्यिकरण

- मैसर्स कोरल टेलिकॉम लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा उद्यम तथा रक्षा हेतु नई पीढ़ी की नेटवर्क (एन जी एन) आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आई आर आई जी एन जी एक्स स्विच का विकास एवं वाणिज्यिकरण

- मैसर्स एम आई सी इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा टी वी/ इलेक्ट्रोनिक डिस्पले प्रणाली का विकास एवं वाणिज्यिकरण

6. FITT, IIT Delhi, New Delhi

7. Villgro Innovations Foundation, Chennai

8. SIDBI, IIT Kanpur, Kanpur

9. JSSATE-STEP, Noida

Product Released/Projects completed in 2010-11

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Primary Healthcare Delivery Technology through ReMeDi Telemedicine Solution to Rural Areas of 8 Districts across India by M/s Neurosynaptic Communications Pvt. Ltd., Bangalore

- Development and commercialization of small UAVs for military surveillance (SKY1 MK1) and homeland security (Urban surveillance system) by M/s Aurora Integrated System Pvt. Ltd., Bangalore

- Indigenous development and commercial production of a new generation automatic cone winding machine by M/s Veejay Lakshmi Engineering Works Limited, Coimbatore

- Development and commercialization of Mila Migration Life-Cycle Management (MLM) Suite by M/s Mila Software Services Pvt. Ltd., Hyderabad

- Development and Commercialization of IRIS NGX Switch to meet New Generation Network (NGN) Requirements for enterprise as well as Defence by M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P.

- Development and commercialization of TV/Electronic display system by M/s MIC Electronics Limited, Hyderabad

- मैसर्स इंस्टा पावर लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा रिवोल्विंग एल ई डी एविएशन ऑब्स्ट्रक्शन लाइट एवं एल ई डी रेलवे सिगनलिंग प्रणालियों का विकास एवं वाणिज्यिकरण

- मैसर्स स्केनरी टेक्नोलोजीज प्रा. लिमिटेड मैसूर द्वारा उच्च फ्रिकुवेंसी एक्स - रे जेनेरेटर और पाइटल साइन मानीटर प्रौद्योगिकी का वाणिज्यिकरण

- मैसर्स वैरिक्स टेक्नोलोजीज प्रा. लि. चेन्नई (पूर्व में मैसर्स नेट - 02 टेक्नोलोजीज प्रा. लि. के रूप में जानी जाने वाली) द्वारा एन ई टी - 02 अटेस्ट स्विच टेस्टर

ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष, टी डी बी द्वारा सहायित दस (10) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टी डी बी के सन्तोप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

वर्ष 2010 - 11 में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान, टी डी बी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 59 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 706.14 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत और टी डी बी की 310.47 लाख रूपये की सहायता शामिल है। इसमें से टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए 31 आवेदनों को उचित पाया गया। वेन्चर कैपिटल फंड ने भी टी डी बी के फंड में शामिल होने के लिए टी डी बी को संपर्क किया।

- Development and commercialization of Revolving LED Aviation Obstruction Lights & LED Railway Signaling Systems by M/s Insta Power Limited, New Delhi

- Commercialization of High Frequency X-Ray Generator and Vital Sign Monitor Technology by M/s Skanray Technologies Pvt. Ltd., Mysore

- Net-O2 ATTEST Switch Tester by M/s Veryx Technologies Pvt. Ltd., Chennai (formerly known as M/s Net-O2 Technologies Pvt. Ltd.).

Settlement of Repayment of Loan

This year, Ten (10) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

Applications received in 2010-11

During the year, TDB received total 59 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of ₹ 706.14 lakhs and TDB's assistance of ₹ 310.47 lakhs. Out of that, 31 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Several Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान हैं। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान तथा विकास अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996 - 97 से 2010 - 11 की अवधि के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 2854.02 करोड़ रूपये एकत्र किए गए। इसमे से, टी डी बी को 15 वर्षों की अवधि में 506.42 करोड़ रूपये की संचित राशि उपलब्ध कराई गई। यह आर एंड डी उपकर से एकत्रित राशि का 17.74 प्रतिशत है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाईयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना हैं।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में उपलब्ध है तथा आपवादिक मामलों में यह अनुदान भी हो सकता है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण करेंसी के दौरान टी डी बी के तहत उत्पादों की ब्रिकी पर रायल्टी भी देय है। विकल्प के रूप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत के अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टी डी बी को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वां भर प्राप्त होते रहते हैं। परियोजनाएं कार्यान्वित करने के लिए स्वीकार किया जाता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित प्रपत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टी डी बी से निःशुल्क या टी डी बी वेबसाईट (www.tdb.gov.in) से प्राप्त की जा सकती है।

टी डी बी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, यह इनक्यूबेटर्स को सीड सपोर्ट स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करता है और इसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार - विमर्श भी किया है।

An Overview

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the period of 1996-97 to 2010-11, a total amount of ₹ 2854.02 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of ₹ 506.42 crore over the period of 15 years. This works out to be 17.74 % of the R&D cess collections.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

31 मार्च 2011 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 3524.12 करोड़ रूपये की कुल परियोजना लागत युक्त 248 करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें से टी डी बी की वचनबद्धता 1092.22 करोड़ रूपये की है जिसके विरूद्ध टी डी बी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड में से और आंतरिक प्राप्तियों में से 954.64 करोड़ रूपये का संवितरण किया है।

टी डी बी ने अन्य निवेशकों से कुल 1203 करोड़ रू. निधियों तक पहुंच बनाते हुए 175.00 करोड़ रू. की प्रतिबद्धता/ भागीदारी के साथ अब तक 6 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता प्रदान की है। टी डी बी ने सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत चौबीस इंक्यूबेटर्स को 1 - 1 करोड़ की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

वित्तीय सहायता का तरीका

टी डी बी द्वारा 31 मार्च, 2011 तक दी गई वित्तीय सहायता के तरीकों को निम्नलिखित तालिका में दिखाया गया है।

(करोड़ रू. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत*	टीडीबी द्वारा वितरण
लोन	781.50	698.31
इक्विटी	25.71	**24.36
ग्रांट	110.01	89.58
वेन्चर फंड	175.00	142.39
कुल	1092.22	954.64

* 31 मार्च, 2011 तक टी डी बी द्वारा वास्तविक रूप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, परिसमापन और निरसन के कारण पश्चातवर्ती वर्षों में परिवर्तित हो सकती है।

** इसमें मार्च, 2004 में एन आई सी ओ को संवितरित 18.46 करोड़ (वर्ष 1999 - 2000 में 12.46 करोड़ रूपये और वर्ष 2001 - 02 में 06 करोड़ रू.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य वरीयता शेयरों में परिवर्तन शामिल है।

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

As on 31st March 2011, TDB has signed a total of 248 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of ₹ 3524.12 crore involving TDB's commitment of ₹ 1092.22 crore against which TDB has disbursed ₹ 954.64 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

TDB has so far supported 6 Venture Capital funds with a commitment / participation of ₹ 175.00 crores leveraging total funds aggregating to ₹ 1203.00 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of ₹ 1.00 crore each to the twenty four Incubators under the Seed Support Scheme.

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2011.

(₹ in crore)

Instruments	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loans	781.50	698.31
Equity	25.71	**24.36
Grant	101.01	89.58
Venture Funds	175.00	142.39
Total	**1092.22**	**954.64**

* *The actual sanctioned amount by TDB as on 31st March 2011 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.*

** Includes conversion of loan of ₹ 18.46 crore (₹ 12.46 crore in 1999-2000 and ₹ 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टी डी बी द्वारा 1997 - 98 से इसके गठन से 31 मार्च, 2011 तक क्षेत्रवार स्वीकृत की गई परियोजनाओं को दिखाया गया है।

क्षेत्रवार कवरेज 1997 - 2011

(करोड़ रू. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1.	हेल्थ एवं मेडिकल	63	885.08	277.03
2.	इंजिनियरिंग	50	466.56	161.40
3.	इलेक्टोनिक्स	2	35.51	9.75
3.	केमिकल्स	19	154.44	50.98
4.	कृषि	19	125.18	40.52
5.	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
6.	दूरसंचार	11	90.04	33.85
7.	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
8.	सड़क यातायात	10	527.04	81.20
9.	हवाई यातायात	2	142.10	67.80
10.	सूचना प्रौद्योगिकी	32	274.98	112.01
11.	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	6	658.00	175.00
	(ख) एसटीईपी–टीबीआई	24	24.00	24.00
	(ग) सीआईआई	1	0.83	0.50
	कुल	**248**	**3524.12**	**1092.22**

* (टी डी बी द्वारा बिना राशि जारी वाले 12 रद्द किए गए करारों को शामिल न करना)

अन्य क्षेत्रों की तुलना में हेल्थकेयर और इंजीनियरिंग सेक्टरों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टी डी बी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रूप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2011, since inception in 1997-98.

Sector-wise Coverage 1997-2011

(₹ in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	Sanctioned by TDB
1.	Health & Medical	63	885.08	277.03
2.	Engineering	50	466.56	161.4
3.	Electronics	2	35.51	9.75
4.	Chemical	19	154.44	50.98
5.	Agriculture	19	125.18	40.52
6.	Energy & Waste Utilization	8	132.36	55.98
7.	Tele-communications	11	90.04	33.85
8.	Defence and Civil Aviation	1	8	2.20
9.	Road Transport	10	527.04	81.20
10.	Air Transport	2	142.1	67.80
11.	Information Technology	32	274.98	112.01
12.	Others			
	a) Venture Funds	6	658.00	175.00
	b) STEP-TBI	24	24.00	24.00
	c) CII	1	0.83	0.50
	Total	**233**	**3512.12**	**1052.02**

* *(Excludes 12 agreements cancelled by TDB without any release.)*

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

वर्ष 1997-2011 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों पर राज्यवार वितरण

वर्ष 1997 - 2011 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) राज्यवार वितरण (करोड़ रू. में)

सं0	राज्य, केन्द्र शासित	करारों	इन्टर प्राइजेज की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई ऋणअनुदान/ इक्विटी
1.	आन्ध्र प्रदेश	63	49	909.42	298.23
2.	चंडीगढ़	4	4	42.75	16.50
3.	दिल्ली	15	14	142.98	54.51
4.	गुजरात	11	10	119.04	37.79
5.	हरियाणा	5	4	36.15	14.00
6.	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7.	कर्नाटक	27	25	393.37	158.39
8.	केरल	2	2	10.91	5.15
9.	मध्य प्रदेश	6	5	154.23	41.50
10.	महाराष्ट्र	30	27	517.44	89.35
11.	मणिपुर	1	1	7.94	2.70
12.	पाण्डीचेरी	1	1	5.83	1.90
13.	पंजाब	5	5	52.20	14.46
14.	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
15.	तमिलनाडु	31	31	250.83	73.66
16.	उत्तर प्रदेश	6	5	50.86	33.42
17.	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
18.	दूसरे–सहित				
	वेन्चर फंड	6	6	658.00	175.00
	एसटीईपी–टीबीआई	24	24	24.00	24.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.50
	कुल योग	**248**	**222**	**3524.12**	**1092.22**

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदारी बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य सहित इंजीनियरिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होती है।

State-wise Distribution of Agreements 1997-2011

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2011 is given below:

(₹ in crore)

No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total Cost	Loan/Grant /Equity Sanctioned by TDB
1.	Andhra Pradesh	63	49	909.42	298.23
2.	Chandigarh	4	4	42.75	16.5
3.	Delhi	15	14	142.98	54.51
4.	Gujarat	11	10	119.04	37.79
5.	Haryana	5	4	36.15	14
6.	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.9
7.	Karnataka	27	25	393.37	158.39
8.	Kerala	2	2	10.91	5.15
9.	Madhya Pradesh	6	5	154.23	41.5
10.	Manipur	1	1	7.94	2.7
11.	Maharashtra	30	27	517.44	89.35
12.	Pondicherry	1	1	5.83	1.9
13.	Punjab	5	5	52.20	14.46
14.	Rajasthan	1	1	35.77	3
15.	Tamil Nadu	31	31	250.83	73.66
16.	Uttar Pradesh	6	5	50.86	33.42
17.	West Bengal	8	6	105.33	46.26
18	Others- Including				
	Venture Funds	6	6	658.00	175.00
	STEP-TBIs	24	24	24.00	24.00
	CII	1	1	0.83	0.50
	Grand Total	**248**	**222**	**3524.12**	**1092.22**

Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टी डी बी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं को विस्तृत किया जा सके और मूल सहायता प्रणाली फंड के माध्यम से इनक्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टी डी बी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ा है।

वेंचर कैपिटल फंड में भागीदार रूपये

31 मार्च, 2011 तक, अन्य निवेशकों से 1203 करोड़ रू. की कुल जमा निधियों के साथ 175 करोड़ रू. की कुल प्रतिबद्धता/ भागीदारी सहित टी डी बी ने मुख्य रूप से यू टी आई, ए पी आई डी सी, वेन्चरेस्ट, जी वी एफ एल और आर सी वी एफ समूहों जैसे प्रतिठित और बेहतर अनुभव रखने वाली उद्यम पूंजी निधि कम्पनियों के साथ 6 उद्यम निधियो में भगीदारी की है। नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने के अपने उद्देश्य के साथ इस निधि का उद्देश्य आई टी/ आई टी ई एस, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को सहायता प्रदान करने पर लक्षित है।

एस टी ई पी/ टी बी आईस के लिए सीड सहायता

टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू की है। टी डी बी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मेा और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरूआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टी डी बी ने एक संवृद्धि - उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरूआत कर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टी डी बी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेट र्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007 - 08 में दूसरे चरण में 100 लाख रू. प्रत्येक सहित पांच इन्क्यूबेटर्स और इसके पश्चात वर्ष 2009 - 10 में तीसरे चरण में 100 लाख रू. प्रत्येक के लिए देते हुए अन्य पांच इन्क्यूबेटरों को सहायता प्रदान की है। इसके पश्चात मौजूदा वित्तीय वर्ष 2010 - 11 में चौथे चरण में 100 - 100 लाख रू. प्रत्येक के साथ नौ इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की।

अतः टी डी बी ने अब तक 24 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और एस टी ई पी एस

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

Participation in Venture Capital Funds

As on 31st March, 2011, TDB has participated in 6 Venture Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies mainly UTI-ITVUS, UTI-AIF, APIDC, Ventureast, GVFL and RCVF group with a total commitment/participation of ₹ 175.00 crore leveraging total funds aggregating to ₹ 1203.00 crore from other investors. These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another five incubators for ₹ 100 lakh each in the second round in 2007-08, five incubators for ₹ 100 lakh each in the third round in the year 2009-10 followed by nine incubators for ₹ 100 lakh each in the fourth round in the current financial year 2010-11.

Thus, TDB has so far supported 24 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies

को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज़ कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/ हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्त पोति करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मेा के द्वारा एस एम ई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टी डी बी ने चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामतः एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डवलपमेट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू. के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसरों का सृजन करके मूल्य वर्धन किया है।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2010 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह - 2010 मनाया गया और मुख्य अतिथि के रूप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए पी जे अब्दुल कलाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री अरूण मैरा, सदस्य योजना आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया गया।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार - 2010

(i) अल्ट्रा - लो सल्फर डीजल (सर्वो - एल आई) के लिए प्रीमियम ग्रेड डीजल (सर्वो - डी एम एफ ए) और लुब्रीसिटी एडिटिव्स हेतु बहु कार्यात्मक एडेटिव्स के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यिकरण के लिए मैसर्स इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, आर एण्ड डी सेंटर, फरीदाबाद हरियाणा ने 10.00 लाख रू. और एक ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया

for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

MoUs with Foreign Institutions

TDB has signed MoUs with select foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2010 celebrated on 11th May 2010 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Shri Arun Maira, Member, Planning Commission.

National Award- 2010 for successful commercialization of Indigenous Technology

(i) **M/s Indian Oil Corporation Limited, R&D Centre, Faridabad, Haryana** for the indigenous development & commercialization of Multifunctional Additives for Premium Grade Diesel (SERVO-DMFA) & Lubricity Additives for Ultra-Low Sulphur Diesel (SERVO-LI) received a cash Award of ₹ 10.00 Lakh and a Trophy.

11 मई, 2010 को मैसर्स इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड आर एण्ड डी सेंटर, हरियाणा को राष्ट्रीय पुरस्कार 2010 की ट्राफी प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे अब्दुल कलाम

स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद हेतु सफल वाणिज्यिकरण के लिए एस एस आई यूनिट पुरस्कार - 2010

(i) कैंसर चिकित्सा में रेडिएशन उपचार हेतु अंतनिमित सुरक्षा विशेषता के साथ भाभा ट्रोन - II - कोबाल्ट टेलीथेरेपी यूनिट के विकास और वाणिज्यिकरण हेतु मैसर्स पेनाका मेडिकल टेक्नोलोजीज प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर ने 2.00 लाख रू. और एक ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

11 मई, 2010 को मैसर्स पेनाका मेडिकल टेक्नोलोजीज प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर को एस एस आई यूनिट 2010 हेतु ट्रॉफी प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the National Award 2010 to M/s Indian Oil Corporation Ltd., R&D Centre, Haryana on 11th May 2010.

Awards for SSI Unit – 2010 for successful commercialization of indigenous technology based product to:

(i) **M/s Panacea Medical Technologies Private Limited, Bangalore** for developing and commercializing BHABHATRON-II – Cobalt Teletherapy Unit with inbuilt safety features for radiation treatment in Cancer Therapy received a

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2010 to M/s Panacea Medical Technologies Pvt. Ltd., Banglaore on 11th May 2010.

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों को देखते हुए बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के पुरस्कार समारोह को स्थगित कर दिया था। अतः वर्ष 2009 के लिए निम्नलिखित पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार एवं एस एस आई यूनिट पुरस्कार - 2009 प्रदान किया गया।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009

(i) आई आई सी टी, हैदराबाद द्वारा विकसित एन्जाइमेटिक डिगमिंग प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता राइस ब्रान ऑयल बनाने के लिए मैसर्स ए. पी. आर्गेनिक प्रा. लिमिटेड जिला संगरूर धुरी (पंजाब)। कम्पनी ने अपने प्रौद्योगिकी प्रदाता अर्थात् आई आई सी टी के साथ 10.00 लाख रू. प्रत्येक और एक ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

11 मई, 2010 को मैसर्स ए. पी. आर्गेनिक प्रा. लि. पंजाब को राष्ट्रीय पुरस्कार 2009 के लिए ट्रॉफी प्रदान करते हुए भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद के सफल वाणिज्यिकरण हेतु एस एस आई यूनिट पुरस्कार - 2009

(i) सी एम ओ एस डिजीटल कैमरा और रेपिड सी ए डी के साथ रेपिड I: एक उच्च रेजोल्यूशन नॉन कॉंटेक्ट दृष्टि जांच प्रणाली के विकास एवं वाणिज्यिकरण हेतु मैसर्स कस्टमाइज्ड टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. बंगलौर ने 2.00 लाख रू. नकद और एक ट्रॉफी का पुरस्कार प्राप्त किया

cash Award of ₹ 2.00 lakh and a Trophy.

In view of guidelines from the Election Commission, the Board had postponed the Award Ceremony for the year 2009-10. Thus, also presented the National Award & awards for SSI Unit -2009 to the following award winners for the year 2009.

National Award- 2009 for successful commercialization of Indigenous Technology

(i) **M/s A.P. Organic Pvt. Ltd.,** District Sangrur, Dhuri, (Punjab) for producing High Quality Rice Bran Oil by employing enzymatic degumming process developed by IICT, Hyderabad. The company along with their technology provider i.e. IICT received a cash Award of ₹ 10.00 lakh each and a Trophy.

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, presenting the trophy for the National Award 2009 to M/s A.P. Organics Pvt. Ltd., Punjab on 11th May 2010

Awards for SSI Unit – 2009 for successful commercialization of indigenous technology based product to:

(i) **M/s Customised Technologies (P) Ltd., Bangalore** for Developing & Commercializing Rapid I: a High Resolution Non-Contact Vision Inspection System with CMOS Digital Camera and Rapid CAD, received a cash Award of ₹ 2.00 lakh and a trophy.

11 मई, 2010 को मैसर्स कस्टमाइज्ड टेक्नोलोजीज (प्रा.) लिमिटेड को एस एस आई यूनिट 2009 हेतु ट्रॉफी प्रदान करते हुए डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(ii) एथीरॉली टाइनी 16 ए' नाम से केवल 2 लाख रू. में 16 चैनल आर्किटेक्चर में कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर का अभिकल्पन एवं विकास करने के लिए मैसर्स सुरभि बायोमेडिकल इंस्ट्रूमैंट (भारत) प्रा. लि. ने 2.00 लाख रू. नकद और एक ट्रॉफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

बोर्ड के सदस्य

श्री हरकेश मित्तल, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी), डी एस टी ने 18.11.2010 से सचिव, टी डी बी (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला और अतः बोर्ड के सदस्य सचिव बन गए।

आभार

बोर्ड विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को टी डी बी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः

Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2009 to M/s Customised Technologies (P) Ltd., Bangalore on 11th May 2010

(ii) **M/s Surabi Biomedical Instrumentation (India) Pvt. Ltd.,** Coimbatore (Tamilnadu) for Designing & Developing Color Doppler Ultrasound Scanner in 16 Channel architecture, just in ₹ 2 lakh with the Brand name "Ethiroli Tiny 16a" received a cash Award of ₹ 2.00 lakh and a trophy. ed Technologies (P) Ltd., Bangalore for Developing & Commercializing Rapid I: a High Resolution Non-Contact Vision Inspection System with CMOS Digital Camera and Rapid CAD, received a cash Award of ₹ 2.00 lakh and a trophy.

Board Members

Shri Harkesh Mittal, Scientist 'G' & Head, National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB), DST has taken over as Secretary, TDB (additional charge) w.e.f. 18.11.2010 and thus, became the Member Secretary of the Board.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

Place: New Delhi
Date:

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2011)

1.	डॉ. टी रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. समीर ब्रह्मचारी सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
3.	श्री वी.के. सारस्वत सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
4.	श्रीमती सुषमा नाथ सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5.	श्री आर. पी. सिंह सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग	पदेन सदस्य
6.	श्री भी. के. सिन्हा सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
7.	श्री सुबोध भार्गव अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
8.	डा. वेणु श्रीनिवासन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स टी वी एस मोटर कम्पनी लिमिटेड	सदस्य
9.	श्री रवि पंडित अध्यक्ष, मैसर्स के पी आई टी क्यूमिंस इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड	सदस्य
10.	डॉ. साइरस एस. पूनावाला अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	सदस्य
11.	श्री हरकेश मित्तल सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य

Composition Of The Technology Development Board

(31st March 2011)

1.	Dr. T. Ramasami Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	Dr. Samir Brahmachari Secretary, Department of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	Shri V.K. Saraswat Secretary, Department of Defence Research & Development	ex-officio Member
4.	Smt. Sushama Nath Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
5.	Shri R.P. Singh Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
6.	Sh. B.K. Sinha Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
7.	Shri Subodh Bhargava Chairman, Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)	Member
8	Dr. Venu Srinivasan Chairman & Managing Director, M/s TVS Motor Company Ltd.	Member
9.	Sh. Ravi Pandit Chairman, M/s KPIT Cummins Infosystems Ltd.	Member
10.	Dr. Cyrus S. Poonawalla Chairman & Managing Director, M/s Serum Institute of India Ltd.	Member
11.	Shri Harkesh Mittal Secretary, Technology Development Board	ex-officio Member (Member Secretary)

Photographs of the Board Members

बोर्ड सदस्यों की फोटोग्राफ

(as on 31st March 2011)

Dr. T. Ramasami, Chairperson
डॉ. टी. रामासामी, अध्यक्ष

Dr. Samir Brahmachari
डॉ. समीर ब्रह्मचारी

Dr. V.K. Saraswat
श्री वी. के. सारस्वत

Smt. Sushma Nath
श्रीमती सुषमा नाथ

Shri R. P. Singh
श्री आर. पी. सिंह

Shri B. K. Sinha
श्री बी. के. सिन्हा

Shri Subodh Bhargava
श्री सुबोध भार्गव

Dr. Venu Srinivasan
डॉ. वेनु श्रीनिवासन

Shri Ravi Pandit
श्री रवि पंण्डित

Dr. Cyrus S. Poonawalla
डॉ सायरस एस. पूनावाला

Shri Harkesh Mittal
श्री हरकेश मित्तल

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया।

टी डी बी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोा को शासित करता है, कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी बी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष से प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दोनों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती हैं। वर्ष 1996 - 97 से 2010 - 11 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा 2854.02 करोड़ रूपए का आर एण्ड डी उपकर एकत्रित किया गया। इसमें से, टी डी बी ने 15 वर्ष के भीतर 506 करोड़ रु. की संचयी प्राप्त की। यह कुल एकत्रित आर एण्ड डी उपकर के 17.74% के बराबर आंकी गई है।

टी डी बी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी बी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का सरल ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण के अनुमोदन होने के दौरान टी डी बी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्री होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टी डी बी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टी डी बी किश्तों में ऋण धनराशि मुहैया कराता है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार - सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

सामान्यतः ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के पश्चात आरंभ होता है और

Introduction

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the period of 1996-97 to 2010-11, a total amount of ₹ 2854.02 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of ₹ 506.42 crore over the period of 15 years. This works out to be 17.74 % of the R&D cess collections.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The

अधिस्थगन काल एक वर्ष से अधिक नहीं होता। तत्पश्चात ऋण धनराशि नौ अर्ध वार्षिक किश्तों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किस्त के पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी बी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और/ अथवा ऋणों के रूप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी बी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टी डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप में टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।

टी डी बी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और/ अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है। इक्विटी अंशदान टी डी बी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य पर टी डी बी को अपने शेयर प्रमाण पत्र जारी करन होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों को अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रूप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों की यह वचनबद्धता होनी चाहिए कि वह अपने शेयरों को टी डी बी को ऐसी कंपनियों के निदेश मंडल में अपने निदेशकों को नामित निदेशक के रूप में रखने का अधिकार हैं टी डी बी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षो के पश्चात कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि, शेयरों को वापस लेने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास रहेगा।

टी डी बी, औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2010 - 11 के दौरान बोर्ड ने तीन बैठकों अर्थात् 10 मई, 2010 के (45 वीं), 28 सितम्बर, 2010 को (46 वीं) और 22 मार्च, 2011 को (47 वीं) बैठक को सम्पन्न किया ।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2010 को मनाए गए प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 2010 की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने की।

loan amount is generally recoverable in nine, half yearly installments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2010-11, the Board held 3 meetings i.e. on 10th May, 2010 (45th), 28th September, 2010 (46th) and 22nd March, 2011 (47th).

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2010 celebrated on 11th May 2010 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest.

वैज्ञानिक समुदाय को सम्बोधित करते हुए, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि प्रौद्योगिकी दिवस 2010 के मौके पर आपको संबोधित करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह दिवस हमें महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्म निर्भरता हासिल करने, नवोन्मेा को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों के लिए प्रौद्योगिकी के प्रवाह को सम्पोति करने के हमारे अथक प्रयासों की याद दिलाता है ताकि हमारा देश और विश्व ऐसा भविय पाए जो समृद्धि खुशहाली और शान्ति दायक हो। मैं, आयोजकों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर संबोधन का अवसर दिया। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं। सबसे पहले मैं, वर्ष 2009 और 2010 के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को बधाई देना चाहूंगा जिन्हें उनकी प्रौद्योगिकियों के सफल वाणिज्यिकरण हेतु पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

डी एस टी के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने स्वास्थ्य, उड्डयन, रसायन, पवन ऊर्जा क्षेत्र, दूरसंचार तथा आई टी जैसे बहु क्षेत्रों में एक औद्योगिक भागीदार के माध्यम से प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से वाणिज्यिकरण करने में बहुत महत्वपूर्ण भमिका निभाई है।

मैं, वर्ष 2009 के एक पुरस्कार विजेता मैसर्स ए पी ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड के बारे में पढ़ रहा था जिन्होंने तेल के पोषक तत्वों को हानि पहुंचाएं बिना इन्जाइमेटिक डिगमिंग प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता राइस ब्रैन ऑयल का उत्पादन करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत्त किया है। मुझे वर्ष 2010 के एक और पुरस्कार विजेता इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, आर एण्ड डी सेंटर, फरीदाबाद के बारे में पता चला है जिन्होंने अल्ट्रा - लो सल्फर डीजल (सर्वो - एल आई) के लिए प्रीमियम ग्रेड डीजल (सर्वो - डी एम एफ ए) और लुब्रीसिटी एडिटिव्स हेतु बहु कार्यात्मक एडिटिव्स का स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यिकरण किया है जो उत्कृट डेटेरजेंसी/ डिसपर्सेंसी विशेषताओं के साथ एक प्रीमियम ग्रेड डीजल के लिए एक उच्च कार्य निपादक एडिटिव है। इससे बेहतर ईंधन किफायत, उत्कृट एंटी - कोरोज़न और वाटर रेपेलेंट विशेषताएं प्राप्त होंगी जिससे इंजन की लंबी उम्र, निम्न रख रखाव एवं निम्न उत्सर्जन प्राप्त होगा। नागरिकों के जीवन में मूल्य वर्धन हेतु उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के उनके मिशन में, मैं सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देता हूं।

श्री अरूण मैरा, सदस्य, योजना आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया गया।

Addressing the Scientific community, Dr. A.P.J. Abdul Kalam said that I am delighted to address all of you, on the Technology Day 2010. This day reminds us, towards our constant strive to achieve self reliance in critical technologies, to encourage innovations and to nurture technology flow to all the sectors of the economy, so that our nation and the world a future which is prosperous, happy and peaceful. I thank the organizers for giving me this opportunity to address on this Technology Day 2010. My greetings to all of you. First, I would like to congratulate the winners of 2009 and 2010 National Awards who are being awarded today for successfully commercializing their technologies.

The Technology Development Board of DST has played a very important role in promoting technology and leading to commercialization through an industrial partner in multiple areas such as health, aviation, chemical, wind energy sector, telecommunication and IT.

I was studying about one of the awardees of 2009, M/s AP Organic Private Limited who has successfully commercialized Indigenous Technology to produce High Quality Rice Bran Oil by employing enzymatic degumming process without compromising on the nutritional content of the oil. I also learnt about one of the 2010 awardees, Indian Oil Corporation Limited, R&D Center, Faridabad for the indigenous development & commercialization of Multifunctional Additives for Premium Grade Diesel (SERVO-DMFA) & Lubricity Additives for Ultra-Low Sulphur Diesel (SERVO-LI), which is a high performance additive for Premium Grade Diesel with excellent detergency/dispersancy characteristics. This would lead to improved fuel economy, excellent anti-corrosion & water repellant properties thereby providing longer engine life, low maintenance & lower emissions. My best wishes to all the winners in their mission of using technology as a tool to bring value addition to lives of the citizen.

The Technology Day Lecture was delivered by Shri Arun Maira, Member, Planning Commission.

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठन के लिए 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' को शुरू किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैः (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं/ प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रू. का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु उद्योग ईकाई (एस. एस. आई. यूनिट) के लिए एक ट्राफी और 2 लाख के नकद पुरस्कार को शुरू किया था। प्रथम एस एस आई पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया।

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/ provider of such technology. Each component carries a cash award of ₹ 10 lakh and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of ₹ 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

वर्ष 2010-11 में परियोजनाएं और उत्पाद

वर्ष 2010 - 11 में स्वीकृति

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी ने 40.20 करोड़ रूपये की प्रतिबद्धता और 111.97 करोड़ रू. के कुल परियोजना परिव्यय के साथ सीड सहायता हेतु प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के साथ 9 करारों सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 15 करारों पर हस्ताक्षर किए हैं।

वर्ष 2010 - 11 में संवितरण

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी ने चालू और नई परियोजनाओं के लिए 64.18 करोड़ रू. संवितरित किए है। इसमें औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण के रूप में 51.63 करोड़ रू., औद्योगिक इकाई एवं प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के लिए अनुदान के रूप में 3.91 करोड़ रू. तथा निवेश हेतु उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के लिए 8.63 करोड़ रू. शामिल है।

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओ को सहायता दी है कि सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टी डी बी द्वारा 2010 - 11 के दौरान संपन्न करारों के क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है:-

Projects And Products In 2010-11

Sanctions in 2010-11

During the year 2010-11, TDB signed 15 agreements with various industrial concerns including 9 agreements with Technology Business Incubators for Seed Support with a commitment of ₹ 40.20 crore out of total project outlay of ₹ 111.97 crore.

Disbursements in 2010-11

During the year 2010-11, TDB disbursed ₹ 64.18 crore towards on-going and new projects. This included ₹ 51.63 crore as loan to industrial concerns, ₹ 3.91 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators and ₹ 8.63 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2010-11.

क्षेत्रवार कवरेज

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	सैक्टर	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की बचनबद्धता
1.	स्वास्थ्य और चिकित्सा	1	33.00	8.00
2.	इंजीनियरिंग	1	13.21	4.95
3.	सूचना प्रौद्योगिकी	1	11.00	4.00
4.	दूर संचार	1	10.25	4.50
5.	इलेक्टोनिक्स	2	35.51	9.75
6.	अन्य एजेंसियां			
	क) एस टी ई पी/टी बी आई	9	9.00	9.00
	कुल	**15**	**111.97**	**40.20**

करारों का राज्य - वार वितरण

2010 - 11 के दौरान टी डी बी द्वारा सहायता का विस्तार सात राज्यों में हुआ।

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 15 करारों का राज्यवार वितरण को दर्शाने वाली सारणी

Sector-wise Coverage

(₹ in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	TDB's Commitment
1.	Health & Medical	1	33.00	8.00
2.	Engineering	1	13.21	4.95
3.	Information Technology	1	11.00	4.00
4.	Telecommunication	1	10.25	4.50
5.	Electronics	2	35.51	9.75
6.	Other Agencies			
	a) STEP/TBIs	9	9.00	9.00
	Total	**15**	**111.97**	**40.20**

State-wise Distribution of Agreements

During 2010-11, the assistance by TDB is spread over seven states/ union territories.

The table below indicates State-wise distribution of the 15 agreements signed by TDB during 2010-11.

अनुबंधों का राज्य - वार वितरण

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की बचनबद्धता
1.	कर्नाटक	3	46.51	13.75
2.	तमिलनाडू	2	46.21	12.95
3.	उत्तर प्रदेश	1	10.25	4.5
4.	अन्य – एस टी ई पी – टी बी आई सहित	9	9.00	9.00
	कुल	**15**	**111.97**	**40.20**

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता

टी डी बी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित की गई है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यतया सम्बंधित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2010 - 11 में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए करारों को निम्नलिखित सामरणी में दर्शाया गया है:

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता

(करोड़ रू. में)

प्रौद्योगिक प्रदानकर्त्ता	संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट	15	111.97	40.20
कुल		**111.97**	**40.20**

State-wise Distribution of Agreements

(₹ in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Agreements	Total Cost	TDB's Commitment
1	Karnataka	3	46.51	13.75
2	Tamil Nadu	2	46.21	12.95
3	Uttar Pradesh	1	10.25	4.5
4	Others-Including STEP-TBI	9	9.00	9.00
	Total	**15**	**111.97**	**40.20**

Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2010-11 are indicated in the following table:

Technology Providers

(₹ in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D units	15	111.97	40.20
Total		**111.97**	**40.20**

वर्ष 2010 - 11 में सम्पन्न करार

वर्ष 2010 - 11 के दौरान, टी डी बी ने सीड सहायता के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी)/ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ 9 करारों समेत विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ 15 करारों पर हस्ताक्षर किए, जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए है:-

1. मैसर्स श्योरवेव्स मीडिया टेक प्रा. लि. बंगलौर (पूर्व में मैसर्स इंसडऐज इन्नोवेशन प्रा. लि.)

मैसर्स श्योरवेव्स मीडिया टेक प्रा. लि. बंगलौर (पूर्व में मैसर्स इंडस टेक इन्नोवेशन प्रा. लि.) को कम्पनी द्वारा आन्तरिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित' श्योरवेव्स मीडिया कन्वेर्जेंस सोल्यूशन का वाणिज्यिकरण' पर अपनी परियोजना के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई।

इस परियोजना का लक्ष्य विभिन्न स्त्रोतों से विाय वस्तु/ पाठय वस्तु/ विज्ञापन सामग्री के समेकन हेतु मीडिया ग्रिड का विकास करना और लक्षित श्रोताओं/ ग्राहकों के लिए' आउट ऑफ होम' (ओ ओ एच) डिसप्ले स्क्रनों, मोबाइल फोन स्क्रीनों, लोकल टी. वी., डेस्क टॉप स्क्रीन आदि जैसे विभिन्न डिजीटल मीडिया में इसकी डिलीवरी करना है। अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली विपणन सहायक कम्पनी के माध्यम से इस समाधान को 'श्योरवेव्स' समूह ब्रांड नाम के अन्तर्गत प्रदान किया जा रहा है।

मैसर्स श्योर वेव्स मीडिया टेक प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र कुमार खरे के साथ ऋण करार का आदान - प्रदान करते हुए

Agreements concluded in 2010-11

During the year 2010-11, TDB signed 15 agreements with various industrial concerns including 9 agreements with Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) / Technology Business Incubators (TBIs) for Seed Support; the details are given below:-

1. M/s SureWaves MediaTech Private Limited, Bangalore (Formerly M/s IndusEdge Innovation Pvt. Ltd)

M/s SureWaves MediaTech Private Limited, Bangalore (Formerly M/s IndusEdge Innovation Pvt. Ltd) has been provided Loan Assistance by TDB for its project on "Commercialization of SureWaves Media Convergence Solutions" based on technology developed in- house by the Company.

The project aims at development of Media Grid for aggregation of content/ text/advertisement material from diverse source and its delivery across different digital media such as "Out of Home" (OOH) display screens, mobile phone screens, local TVs, desk top screen etc. for targeted audience/ customers. The solutions are being offered under the group brand name "Surewaves" through its wholly owned marketing subsidiary.

Exchanging the Loan Agreement with Rajendra Kumar Khare, Managing Director, M/s SureWaves MediaTech Private Limited, Bangalore

बोर्ड ने 22 जुलाई, 2010 को हस्ताक्षरित एक करार के अन्तर्गत 2110.90 लाख रू. की कुल लागत में से 490 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। इस परियोजना के 31 दिसम्बर, 2011 तक सम्पन्न होने की आशा है।

2. मैसर्स कोरल टेलीकॉम लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश

टी डी बी द्वारा मैसर्स कोरल टेलीकॉम लिमिटेड, नोएड, उत्तर प्रदेश को' आई आर आई एस एन जी एक्स स्विच के विकास एवं वाणिज्यिकरण' हेतु ऋण सहायता प्रदान की गई जो उद्यमों तथा रक्षा क्षेत्र की नई पीढ़ी की नेटवर्क आवश्यकताओं (एन जी एन) को पूरा करेगा। इस कम्पनी को वर्ष 1996 में टेक्नोक्रेट पेशवरों द्वारा प्रोन्नत किया गया और यह सफलतापूर्वक संचालन कर रही है और यह ग्राहक परिसर बहु सेवा टेलीकॉम स्विचिंग प्रणाली के क्षेत्र में तथा वायर्ड एवं वायरलैस क्षेत्र के लिए एक्सेस उत्पादों से संबंधित उत्पाद प्रदान करती है।

यह परियोजना पारम्परिक टाइम डिविजन मल्टीप्लैक्स (टी डी एम) तथा सेशन इनिशिएटिड प्रोटोकॉल (एस आई पी) दोनों परिवेश को निबार्ध रूप से सहयोग करने के लिए इसके कोर पर इंटरनेट प्रोटोकॉल (आई पी) के साथ एक नई पीढ़ी के स्विचिंग प्लेटफार्म - आई आर आई एस एन जी एस के विकास और वाणिज्यिकरण का लक्ष्य रखती है। यह मौजूदा (टाइम डिविजन मल्टीप्लैक्सिंग) टी डी एम/ एनालॉग कनेक्टिविटी से लागत प्रभावी निर्बाध माइग्रेशन पाथ प्रदान करने वाले वर्तमान लीगेसी हार्डवेयर पर अगली पीढ़ी के नेटवकर्स (एन जी एन) प्रदान करता है। यह परियोजना प्रोटोटाइपों के सुदृढ़ीकरण, विनिर्माण तथा विभिन्न रक्षा नेटवर्कों के लिए इनको तैनात करने पर विचार करती है। यह आई पी और टी डी एम वर्ल्ड के बीच अन्तराल को मारती है और दोनों वर्ल्ड के लाभ प्रदान करती है तथा ग्राहकों के पास सेवाओं तथा यूजर इंटरफेस को बाधित किए बिना चरणवार तरीके में 100 % आई पी टेलीफोनी में स्थानान्तरण का विकल्प होगा।

मैसर्स कोरल टेलिकॉम लिमिटेड, नोएडा, उ.प्र. के प्रबंध निदेशक राजेश तुली के साथ ऋण करार का आदान–प्रदान करते हुए

Board sanctioned a loan assistance of ₹ 490 lakh out of the total project cost of ₹ 2110.90 lakh under an agreement signed on 22nd July, 2010. The project is due for completion on 31st December 2011.

2. 2. M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P.

M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P., has been provided loan assistance by TDB for "Development and Commercialization of IRIS NGX Switch that will meet New Generation Network (NGN) Requirements for Enterprise as well as Defence". The company promoted in 1996 by technocrat professionals and operating successfully offers product, in the domain of customer premises multi services telecom switching system and access products for wired & wireless domain.

The project aims to develop and commercialize IRIS NGX – A new generation switching platform with Internet Protocol (IP) at its core to seamlessly support both the traditional Time Division Multiplexed (TDM) as well as Session Initiated Protocol (SIP) environments. It provides Next Generation Networks (NGN) compliance on existing legacy hardware providing a cost effective seamless migration path from the current (Time Division Multiplexing) TDM/Analog connectivity. The project envisages ruggedisation, manufacture of prototypes & deployment of the same as required for various Defense networks. It will bridge the gap between IP & TDM world providing the advantages of both the worlds and the customer shall have the choice of migration to 100% IP telephony in a phased manner without disruption of services and the user interface.

Exchange of Agreement with Shri Rajesh Tuli, Managing Director, M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P.

टी डी बी ने 23 जुलाई, 2010 को हस्ताक्षरित करार के अधीन 1025.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 450.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। इस परियोजना के 31 मार्च, 2011 तक सम्पन्न होने की आशा है।

3. मैसर्स सांख्य टेक्नोलोजीज़ प्रा. लि. बंगलौर

मैसर्स सांख्य टेक्नोलोजीज़ प्रा. लि. बंगलौर ने' यूनिवर्सल डिजिटल टी वी डिमोड्यूलेशन चिप, प्रूथवी' परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ऋण सहायता हेतु टी डी बी से सम्पर्क किया।

यह कम्पनी यूनिवर्सल सेमीकंडक्टर चिप 'प्रूथवी' और इससे जुड़े सॉफ्टवेयर के विकास एवं वाणिज्यिकरण पर परियोजना का कार्यान्वयन कर रही है। इस परियोजना में एक अनूठे विन्यास पर बना चिप हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर शामिल है जो सिगंल आई सी द्वारा चलाए जाने वाले मल्टीपल टी वी स्टैण्डर्ड को संभव बनाता है। यह उत्पाद डिजीटल टी वी, सेट टॉप बाक्स और पी सी - टी वी रिसीवरों में उपयोग के लिए है।

इस परियोजना की लागत 1440 लाख रू. है। टी डी बी ने 8 दिसम्बर, 2010 को हस्ताक्षरित एक करार के अधीन 485 लाख रू. की ऋण सहायता अनुमोदित की है। इस परियोजना के 31 अगस्त, 2011 तक सम्पन्न होने की आशा है।

इन्क्यूबेटर सेंटर - पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों को मुख्य सहायता

बोर्ड ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति विकास बोर्ड 'एन एस टी ई बी डी' द्वारा प्रचालित प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर/ एस टी ई पी में स्टार्ट - अप्स के लिए मुख्य सहायता योजना में टी डी बी की भागीदारी को मंजूरी दी थी।

एस टी ई पी/ टी बी आई व्यक्तियों के बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम करने के लिए उनके विचारों का विकास करके प्रौद्योगिकी उद्यम वृत्ति को बढ़ावा देने और इसका विकास करने के लिए एक सुविधा है। तथापि एस टी ई पी/ टी बी आई टैक्नो - उद्यमियों द्वारा योग्य विचारों प्रौद्योगिकियों को आरंभिक अवस्थाओं में सर्वाधिक आवश्यक वित्तीय सहायता देने के लिए सुसज्जित नहीं है। इसका समाधान करने के लिए टी डी बी ने युवा उद्यमियो को उनकी नवोन्मेा प्रौद्योगिकी विचारों को फलीभूत करने के लिए आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु सीड सपोर्ट स्कीम शुरू की है। टी डी बी ने पिछले वर्षों में इन्क्यूटरों में स्टार्टअप हेतु सीड सपोर्ट स्कीम में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकास उन्मुख पहल की है। टी डी बी ने 15 प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटरों (टी बी आई) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्क (एस टी ई पी) को सहायता दी, जिसमें दो चरणों में टी डी बी की वचनबद्धता 1500 लाख रूपये है।

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 450.00 lakh out of the total project cost of ₹ 1025.00 lakh under an agreement signed on 23rd July, 2010. The project is due for completion by 31st March 2011.

3. M/s. Saankhya Technologies Private Ltd., Bangalore

M/s Saankhya Labs Private Limited, Bangalore, approached TDB for loan assistance for implementation of the project 'Universal Digital TV Demodulation Chip, Pruthvi'.

The company is implementing the project on development and commercialization of a universal semiconductor chip 'Pruthvi' and its associated software. The product consists of a chip hardware and software built on unique architecture, which allows multiple TV standards to be supported by a single IC. The product is for use in digital TVs, Set-top-boxes and PC-TV receivers.

The project cost is ₹ 1440 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 485 lakh under an agreement signed on 8th December 2010. The project is due for completion by 31st August 2011.

Incubator Centres - Seed Support to Five Technology Business Incubators

The Board had approved TDB's participation in the Seed Support Scheme for start-ups in Technology Business Incubators/ STEPs administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of Department of Science &Technology.

The STEPs/TBIs are a facility to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals by incubating their ideas to enable them to reach the market. However, STEPs /TBIs are not equipped with the most needed early stage financial assistance to deserving ideas / technologies by techno-entrepreneurs. In order to address this, TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years. TDB supported 15 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 1500 lakh in two phases.

बोर्ड ने 28.09.2010 को हुई अपनी 46 वीं बैठक में डी एस टी के एन एस टी ई बी डी द्वारा सहायता प्राप्त एस टी ई पी/ टी बी आई की सूची में से 10 और एस टी ई पी/ टी बी आई को सहायता देने का निर्णय लिया। निम्नलिखित इन्क्यूबेट्स को स्कीम के चौथे चरण में सीड स्पोर्ट दी गई है।

4. मणिपाल विश्वविद्यालय - टी बी आई मणिपाल, कर्नाटक

मणिपाल विश्वविद्यालय - टी बी आई मणिपाल, कर्नाटक ने अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011 को टी डी बी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए।

5. नेशनल डिजाइन बिजनेस इन्क्यूबेटर, नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद

नेशनल डिजाइन बिजनेस इन्क्यूबेटर, नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

6. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

7. टेक्नोपार्क - टेक्नोलोजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, केरल

टेक्नोपार्क - टेक्नोलोजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, केरल ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

8. आई के पी नॉलेज पार्क, सिकन्द्राबाद

आई के पी नॉलेज पार्क, सिकन्द्राबाद ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

9. फाउंडेशन फॉर इन्नोवेशन एण्ड टेक्नोलोजी ट्रांसफर (एफ आई टी), आई आई टी दिल्ली

फाउंडेशन फॉर इन्नोवेशन एण्ड टेक्नोलोजी ट्रांसफर (एफ आई टी आई), आई आई टी दिल्ली ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

The Board in its 46th meeting held on 28.09.2010 decided to support 10 more STEPs/ TBIs from the list of STEPs/ TBIs supported by NSTEBD of DST. The following incubates have been provided seed support in the fourth round of the scheme.

4. Manipal University – TBI, Manipal, Karnataka

Manipal University – TBI, Manipal, Karnataka, signed an agreement with TDB on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant.

5. National Design Business Incubator, National Institute of Design, Ahmadabad

National Design Business Incubator, National Institute of Design, Ahmadabad, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

6. National Institute of Technology, Calicut

National Institute of Technology, Calicut, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

7. Technopark –Technology Business Incubator, Kerala

Technopark –Technology Business Incubator, Kerala, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

8. IKP Knowledge Park, Secunderabad

IKP Knowledge Park, Secunderabad , signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

9. Foundation for Innovation and Technology Transfer (FITT), IIT Delhi

Foundation for Innovation and Technology Transfer (FITT), IIT Delhi, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh

10. विल्ग्रो इन्नोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई

विल्ग्रो इन्नोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

11. सिडबी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर

सिडबी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

12. जे एस एस ए टी ई - एस टी ई पी, नोएडा

जे एस एस ए टी ई - एस टी ई पी, नोएडा ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रू. की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 28 जनवरी, 2011, को करार पर हस्ताक्षर किए।

13. मैसर्स हाइड्रोलिना बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई

टी डी बी द्वारा मैसर्स हाइड्रोलिना बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई को कम्पनी द्वारा आन्तरिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित' टमाटर से लाइकोपेन के निर्काण हेतु प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिकरण' पर इसकी परियोजना के लिए ऋण सहायता को अनुमोदित किया गया।

कम्पनी का यह दावा है कि टमाटर से लाइकोपेन निर्काण को प्रौद्योगिकी को आन्तरिक रूप से विकसित किया गया है। बेहतर निर्काण क्षमता और लाइकोपेन क्रिस्टलों को उत्पादन करने में समर्थ यह प्रौद्योगिकी मौजूदा प्रौद्योगिकियों से कई मायनों में बेहतर है और यह विकसित हुई अनूठी प्रौद्योगिकी है।

श्री एल पी. रवि चन्दर, प्रबंध निदेशक, मैसर्स हाइड्रोलिना बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई के साथ ऋण करार का आदान - प्रदान

10. Villgro Innovations Foundation, Chennai

Villgro Innovations Foundation, Chennai, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

11. SIDBI, Indian Institute of Technology, Kanpur

SIDBI, Indian Institute of Technology, Kanpur, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

12. JSSATE-STEP, Noida

JSSATE-STEP, Noida, signed an agreement on 28th January, 2011 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

13. M/s. Hydrolina Biotech Private Limited, Chennai

M/s. Hydrolina Biotech Private Limited, Chennai has been sanctioned Loan Assistance by TDB for its project on "Development & commercialization of technology for 'Extraction of Lycopene from Tomato" based on technology developed in-house by the company.

The company claims that the technology for extraction of Lycopene from tomatoes has been developed in-house. The technology has several advantages over existing technologies having better extraction efficiency and enabling production of Lycopene crystals which is unique to the technology developed.

Exchanging the Loan Agreement with Shri L. P. Ravichandar, Managing Director, M/s Hydrolina Biotech Private Limited, Chennai

बोर्ड ने 31 जनवरी, 2011 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 3300.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 800.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। इस परियोजना को टी डी बी के साथ करार पर हस्ताक्षर की तारीख से 24 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

14. मैसर्स सिलवन इन्नोवेशन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

मैसर्स सिलवन इन्नोवेशन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर ने 1100.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 450.00 लाख रू. की ऋण सहायता मांगते हुए 'वायरलैस आई पी विडियो निगरानी कैमरा प्रणाली पर वास्तविक समय विडियो ऐनेलेटिक्स' पर परियोजना प्रस्ताव के साथ दिनांक 9 अगस्त, 2010 के अपने पत्र के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) से सम्पर्क किया था। इस प्रस्तावित परियोजना की समय अवधि 21 महीने है।

कम्पनी ने विडियो निगरानी और विश्लेषणों के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है जो वायरलेस आई पी का उपयोग करती है। विकसित की गई प्रौद्योगिकी भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल है जहां विद्युत का चला जाना एक बड़ी समस्या है। साथ ही, स्वामित्व एवं संचालन लागते भी जहां तक संभव हो कम होनी चाहिए।

सिलवन इन्नोवेशन लैब्स का यह वायरलैस निगरानी उत्पाद एम्बेडेड एज इलेक्ट्रोनिक्स के साथ डिजीटल कैमरा से मिलकर बनी एक डिजिटल प्रणाली है जो द्वितीयक अलर्ट और घट ना पश्चात विश्लेषण के लिए रिमोट सर्वर हेतु विडियो की पारम्परिक स्ट्रिमिंग के अतिरिक्त वास्तविक समय सुरक्षा अलर्ट भी प्रदान करता है।

डॉ. एम गिरिधर कृष्णा, निदेशक, मैसर्स सिलवन इन्नोवेशन लैब्स प्रा. लिमिटेड, बंगलौर के साथ ऋण करार का आदान - प्रदान

Board sanctioned a loan assistance of ₹ 800.00 lakh out of the total project cost of ₹ 3300.00 lakh under an agreement signed on 31st January, 2011. The Project will be completed in 24 months from date of signing the agreement with TDB.

14. M/s Silvan Innovation Labs Private Limited, Bangalore

M/s Silvan Innovation Labs Private Limited, Bangalore, had approached Technology Development Board (TDB) vide their letter dated 9th August, 2010 with a project proposal on "Real-time Video Analytics over Wireless IP Video Surveillance Camera System" seeking a loan assistance of ₹ 450.00 lakh against the total project cost of ₹ 1100.00 lakh. Duration of the proposed project is 21 months.

The Company has developed technology for Video Surveillance and analytics, which uses wireless IP. The technology developed suits Indian conditions, where power loss is a big issue. Also ownership and operating costs should also be least possible.

The wireless surveillance product from Silvan Innovation Labs is an all digital system comprising digital cameras with embedded edge electronics that provide real-time security alerts in addition to the traditional streaming of the video to a remote server for secondary alerts and post event analysis.

Exchanging the Loan Agreement with Dr. M. Giridhar Krishna, Director, M/s Silvan Innovation Labs Pvt. Ltd., Bangalore

इस परियोजना की लागत 1100.00 लाख रू. है। टी डी बी ने 1 मार्च, 2011 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 400.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। इस परियोजना के 31 दिसम्बर, 2011 तक सम्पन्न होने की आशा है।

15. मैसर्स बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर

मैसर्स बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर ने 1992.36 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 495.00 लाख रू. की ऋण सहायता हेतु 'सेल्फ प्रोपेल्ड बैंक हो लोडर' के अभिकल्पन, विकास और विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण हेतु परियोजना प्रस्ताव के साथ दिनांक 12 अप्रैल, 2010 के अपने पत्र माध्यम से टी डी बी को सम्पर्क किया। प्रस्ताव तैयार करने के समय प्रस्तावित परियोजना की अवधि दिसम्बर, 2010 तक 9 महीने है।

मैसर्स बुल मशीन ट्रेक्टर आधारित लोडर - एक्सकेवेटेड एवं अन्य अटेचमेंट्स की अग्रणी विनिर्माता है। यह विभिन्न अर्थ मूविंग निर्माण कार्यों तथा कृषि उद्देश्यों के लिए अटेंचमेंट्स का अभिकल्पन और विनिर्माण करते हैं। इस कम्पनी को निम्न लागत भारत विशिष्ट समाधन प्रदान करने की विशेषज्ञता प्राप्त है। अपनी विपणन कार्यनीति के साथ चलने के लिए कम्पनी भारतीय ट्रेक्टरों (सभी मॉडलों) के लिए अटैचमेंट के रूप में 'नेनो' बैक हो लोडर लाने का प्रस्ताव रखती है। नवोन्मेषी हाइड्रोलिक्स सर्किटों के द्वारा लागत में कटौती की स्थिति प्राप्त की गई इन सर्किटों को कम घटकों तथा सब असेम्बलियों की आवश्यक होती है लेकिन ये वैसा ही कार्य निपादन करते हैं। कम्पनी ने यह नवोन्मेा आन्तरिक प्रयासों के माध्यम से हासिल किया है।

श्री वी प्रातिभन, निदेशक, मैसर्स बुल मशीन प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बटूर के साथ ऋण करार का आदान - प्रदान

The project cost is ₹ 1100.00 lakhs. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 400.00 lakhs under an agreement signed on 1st March, 2011. The project is due for completion by 31st December, 2011.

15. M/s Bull Machines Private Limited, Coimbatore

M/s Bull Machines Private Limited, Coimbatore had approached TDB vide their letter dated 12th April, 2010 with a project proposal for commercialization of technology to design, develop and manufacture of "Self Propelled Back Hoe Loader'" through for a loan assistance of ₹ 495.00 lakhs out of a project cost of Rs. 1992.36 lakhs. Duration of the project proposed is 9 months till December 2010 at the time of making proposal.

M/s Bull Machines are one of the leading manufacturers of tractor based loader – excavated & other attachments. They design and manufacture attachments for various earth moving construction and agriculture purposes. The company specialized in providing low cost India specific solutions. In time with its marketing strategy, the company proposes to introduce 'Nano' back HOE loader as an attachment to Indian tractors (all models). The cost reduction is achieved by innovative hydraulics circuits; which requires less component & sub-assemblies, but giving almost the same performance. The company

Exchanging the Loan Agreement with Shri V. Parthiban, Director, M/s Bull Machines Private Limited, Coimbatore

सकल हाइड्रोलिक पावर सोर्स ड्राइव सिस्टम (परम्परागत रूप से दो के स्थान पर) को पेश करना इस प्रस्तावित मशीन की अनूठी खासियत है जिससे इन सिस्टम की सम्पूर्ण लागत में कमी आई है कम्पनी के दावे के अनुसार यह भारत में मौजूद बैंक हो लोडर मॉडलों की तुलन में 40% कम लागत वाला है।

इस परियोजना की लागत 1492.00 लाख रू. है। टी डी बी ने 11 मार्च, 2011 को सम्पन्न करार के अन्तर्गत 495.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। इस परियोजना के 31 मार्च, 2011 तक सम्पन्न होने की आशा है।

वर्ष 2010 - 11 के दौरान जारी किए गए उत्पाद/ सम्पन्न परियोजनाएं

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी से वित्तीय सहायता के साथ जारी किए गए उत्पादों/ सम्पन्न की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख सुपुर्दगी प्रौद्योगिकी

मैसर्स न्यूरोसिनोप्टिक कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर ने 'ग्रामीण अनुप्रयोगों पर बल के साथ आर ई एम ई डी आई टेलीमेडिसन समाधान के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख सुपुर्दगी प्रौद्योगिकी का विकास एवं वाणिज्यिकरण' परियोजना के लिए टी डी बी सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस कम्पनी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के टी ई एन ई टी समूह के साथ सहयोग में आर ई एम ई डी आई नामक टेलिमेडिसन समाधान को स्वदेशी रूप से विकसित किया है तथा ऐसे चिकित्सा उपकरणों को विकसित किया है जो एक डाक्टर द्वारा दूरस्थ रूप से रोगी के

टैलीमेडिसन सोल्यूशनः न्यूरोसिनेप्टिक

has achieved the innovations through in-house efforts. The uniqueness of the proposed machine is that the introduction of a single hydraulic power source drive system(instead of two conventionally) that has bought down the overall cost of the system (Almost 40% less price as claimed by the company in comparison to prevailing backhoe loader models in India).

The project cost is ₹ 1492.00 lakhs. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 495.00 lakhs under an agreement signed on 11th March, 2011. The project is due for completion by 31st March, 2011.

Products Released / Projects Completed During 2010-11

The brief profile of products released / projects completed during the year 2010-11 with the financial assistance from TDB is indicated below.

Primary Healthcare Delivery Technology

M/s Neurosynaptic Communications Private Limited, Bangalore has submitted an application for TDB assistance for the project "Development and Commercialisation of Primary Healthcare Delivery Technology through ReM0.15eDi Telemedicine Solution with a focus to Rural Applications"

The company has indigenously developed a Telemedicine Solution called ReMeDi, in collaboration with the TeNeT group of Indian Institute of Technology, Madras and has developed medical equipments that can record physical and clinical (medical) parameter for the diagnosis of a patient

TELEMEDICINE SOLUTION: NEUROSYNAPTIC

निदान हेतु शरीरिक एवं नैदानिक (आयुर्विज्ञान) मानकों को दर्ज कर सकते हैं। आर ई एम ई डी आई और रक्त चाप तथा डॉक्टर द्वारा दूरस्थ रूप से आधारभूत निदान प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रोनिक स्टेथोस्कोप का उपयोग करके दर्ज किए गए मरीज की छाती की आवात के वास्तविक - समय मापन को सुविधा जनक बनाता है।

टी डी बी ने 20.08.2007 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 427.26 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 128.69 लाख की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। यह परियोजना 30 जून, 2010 को सम्पन्न हुई। उत्पाद को प्रौद्योगिकी दिवस 2011 के अवसर पर शुरू/ विमोचित किया जाएगा।

छोटे मानव रहित वायुयान (यू ए वी)

मैसर्स ओरोरा इंटिग्रेटिड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने इन - लीज़ विकास क आधार पर सैन्य निगरानी के लिए (स्काई - 1, एम के - 1) और मातृभूमि सुरक्षा (शहरी निगरानी प्रणाली - शहरी दृश्य एवं एयरशिप के लिए) छोटे मानवरहित वायुयान (यू ए वी) का विकास एवं वाणिज्यिकरण पर अपनी परियोजना के लिए टी डी बी से ऋण सहायता का अनुरोध किया। इस कंपनी का संवर्धन आई आई टी कानपुर के तकनीकीविद समूह द्वारा किया जाता है।

इस कम्पनी ने परियोजना कार्यान्वयन अवधि के दौरान शहरी दृश्य यू ए वी के 5 प्रोटोटाइपों, एयरशिप यू ए वी के 2 प्रोटोटाइपों तथा स्काई - I एम के - I के 5 प्रोटोटाइपों का विकास किया और वाणिज्यिक उत्पादन के लिए उत्पादन प्रक्रिया का मानकीकरण किया। कम्पनी पहले वर्ष में (2010 - 11) 20 की संख्या में शहरी दृश्य, 4 एयरशिप और 30 स्काई - 1 एम के - 1 का निर्माण करने का प्रस्ताव रखा है। कम्पनी को अपने ग्राहकों अर्थात् यातायात पुलिस से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

मानवरहित हवाई यानः अरोरा इंटीग्रेटिड

टी डी बी ने 24 अगस्त, 2009 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 962.77 लाख रू. की कुल लागत मे से 445 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। यह परियोजना 31 अक्तूबर, 2010 को सम्पन्न हुई। उत्पाद को प्रौद्योगिकी दिवस 2011 के अवसर पर शुरू/ विमोचित किया जाएगा।

remotely by a doctor. ReMeDi Solution facilitates the real-time measurement of patient's ECG, Temperature, Oxygen Saturation, and Blood Pressure, as well as real-time transmission of chest sounds of the patient, captured using the Electronic Stethoscope to offer the basic diagnosis remotely by a do ctor.

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 128.69 out of the total project cost of ₹ 427.26 lakh under the agreement signed on 20.08.2007. The project completed on 30th June, 2010. The product will be launched /released on the occasion of Technology Day 2011.

Small Unmanned Ariel Vehicles (UAVs)

M/s Aurora Integrated Systems Private Limited, Bangalore approached TDB for loan assistance for the project on 'Development and commercialization of small Unmanned Ariel Vehicles (UAVs) for military surveillance (Sky-I Mk-I) and homeland security (Urban Surveillance System - Urban View and Airship)' based on in-lease development. The company is promoted by group of technocrats from IIT, Kanpur.

The company developed 5 prototypes of Urban View UAV, 2 prototypes of Airship UAV and 5 prototypes of Sky-I Mk-I and standardize the production process for commercial production during the project implementation period. The company proposes to produce 20 Nos. of Urban View, 4 Nos. of Airship and 30 Nos. of Sky-I Mk-1 in the first year (2010-11). The company has received positive response from its customers i.e. traffic police.

UNMANNED AERIAL VEHICLE: AURORA INTEGRATED

TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 445 lakh under an agreement signed on 24th August 2009 out of the total project cost is ₹ 962.77 lakh.. The project was completed on 31st October, 2010. The product will be launched /released on Technology Day 2011.

नई पीढ़ी की स्वचालित कोन वाइंडिंग (ए सी डब्ल्यू) मशीन

मैसर्स विजय लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, कोयम्बतूर ने 'नई पीढ़ी की स्वचालित कोन वाइंडिंग (ए सी डब्ल्यू) मशीन के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यिकरण' पर परियोजना हेतु ऋण सहायता के लिए टी डी बी से आग्रह किया। स्पिनिंग मिलों में एक अंतिम प्रक्रिया के रूप में बोबिंस से कोन पर धागें को लपेटने के लिए कपड़ा मिलों में ए सी डब्ल्यू मशीनों का उपयोग किया जाता है। कपास और अन्य मानव निर्मित रेशों से बने धागे का निर्माण करने वाली समस्त टेक्सटाइल स्पिनिंग मिलें इस मशीन का उपयोग करती हैं। इस परियोजना की अवधि 27 महीने है।

यह कम्पनी कार्यकुशलता को बेहतर बनाने के लिए नई विशेषताओं को जोड़कर इसके मौजूदा डिजाइन में नवोन्मेा लाकर नई पीढ़ी की ए सी डब्ल्यू मशीन (नया मॉडल) का विकास एवं वाणिज्यिकरण करने का प्रस्ताव रखती है। कम्पनी के आन्तरिक आर एण्ड डी इकाई द्वारा विकासात्मक कार्य किया जाता है जिसे डी एस आई आर द्वारा मान्यता मिली है। कम्पनी ने ए सी डब्ल्यू के विकास के लिए आई आई टी दिल्ली से तकनीकी सहायता भी प्राप्त की है।

स्वचालित कोन वांइडिंग मशीनः विजय लक्ष्मी इंजीनियरिंग

टी डी बी ने 22 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 1800 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 830 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। इस कम्पनी ने जनवरी, 2007 में परियोजना पर कार्य शुरू किया था। यह परियोजना 31 दिसम्बर, 2010 को सम्पन्न हुई। उत्पाद को प्रौद्योगिकी दिवस 2011 के अवसर पर विमोचित/ जारी किया जाएगा।

प्रवासन समाधान और समाधान सुपुर्दगी प्रदान करने के लिए सॉफ्टवेयर

मैसर्स मिला सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को वर्तमान प्रवासन परियोजना, उद्यमों में उसी प्रवासन परियोजना और समकक्ष परियोजना के लिए मौजूदा प्रवासनों जैसे विभिन्न तरह के मामलों हेतु प्रवासन समाधान एवं समाधन सुपुर्दगी प्रदान करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास और वाणिज्यिकरण हेतु, टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई है और यह विक्रेता भागीदार के लिए प्रवासन - जीवन चक्र प्रबंधन एवं प्रबंधित सेवाएं प्रदान करेगा।

कम्पनी द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी सहायता प्रवासन सेवाएं और स्थान विशिष्ट

New Generation Automatic Cone Winding (ACW) machine

M/s Veejay Lakshmi Engineering Works Limited, Coimbatore approached TDB for loan assistance for the project on 'Indigenous development and commercialization of a new generation Automatic Cone Winding (ACW) machine'. ACW machine is used in textile mills for winding of yarn from bobbins to cones, a final process in the spinning mills. All textiles spinning mills producing yarn made out of cotton and all man made fibers use this machine. The duration of the project is 27 months.

The company proposes to develop and commercialize new generation (new model) ACW machine by bring in innovation in its existing design by way of adding new features to improve the efficiency. The developmental work is done by the in-house R&D unit of the company, which is recognized by DSIR. The company has also taken technical support from IIT, Delhi for development of ACW

AUTOMATIC CONE WINDING MACHINE: VEEJAY LAKSHMI ENGG.

TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 830 lakh out of project cost of ₹ 1800 lakh under an agreement signed on 22nd August 2008. The company started the work on the project in January 2007. The project completed on 31st December, 2010. The product will be launched /released on Technology Day 2011.

Software for providing Migration solution and solution delivery

M/s Mila Software Services Private Limited, Hyderabad, has been provided loan assistance by TDB for development and commercialization of a software for providing Migration solution and solution delivery for variety of cases like; a current migration project, ongoing migrations for the same migration project and peer projects across the enterprise and would provide migration-life-cycle management and Managed services for a vendor partner.

प्रवासन के लिए पुनउपयोग योग्य आर्थिक समाधान प्रदान करने में समर्थ बनेगा। यह सॉफ्टवेयर प्लेटफार्म सांस्थितिकीय गणित के उपयोग के साथ संवर्धित इलेक्ट्रोनिक्स डिजाइन ऑटोमेशन (ई डी ए) उद्योग से सिद्ध ऑटोमेशन तकनीकों का उपयोग करता है और यह साइट - विशिष्ट अनुप्रयोग विशेषज्ञों पर निर्भरता को घटाते हुए सभी विक्रेता अनुप्रयोगों पर एक समान रूप से लागू सतत पद्धति प्रदान करता है। मिला प्रौद्योगिकी प्रत्येक सॉफ्टवेयर के लिए कार्यरत बहु समाधान विशेषज्ञों को हटा सकता है। मिला इंजन के अन्दर मल्टीपल अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उत्पादों के लिए प्रकाशित नियमों को विलयित किया जा सकता है जिससे सम्पूर्ण प्रवासन परियोजनाओं के लिए एकीकृत्त, निर्णय - निर्देशित प्रक्रियाएं एवं उपकरण प्राप्त होते हैं। कम्पनी द्वारा विकसित प्रवासन सूट वैकल्पिक इंटरनेट आधारित ऑटोमेशन तकनीकों के साथ मौजूदा पुराने तथा कम प्रभाव विक्रय एवं विक्रय पूर्व मैनुअल प्रयासों का विकल्प प्रदान करता है। इससे लागत में कमी और लाभ में बढ़ोतरी की भी आशा है।

टी डी बी ने 7 जुलाई, 2008 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 1046.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 493 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। यह परियोजना 31 जनवरी, 2011 को सम्पन्न हुई।

इंटरनेट प्रोटोकॉल सहित नई पीढ़ी के स्वीचिंग प्लेटफार्म

टी डी बी द्वारा मैसर्स कोरल टेलीकॉम लिमिटेड, नोएड, उत्तर प्रदेश को 'आई आर आई एस एन जी एक्स स्विच के विकास एवं वाणिज्यिकरण' हेतु ऋण सहायता प्रदान की गई जो उद्यमों तथा रक्षा क्षेत्र की नई पीढ़ी की नेटवर्क आवश्यकताओं (एन जी एन) को पूरा करेगा। इस कम्पनी को टेक्नोक्रेट पेशवरों द्वारा वर्ष 1996 में प्रोन्नत किया गया और यह सफलतापूर्वक संचालन कर रही है और यह ग्राहक परिसर बहु सेवा टेलीकॉम स्विचिंग प्रणाली के क्षेत्र में तथा वायर्ड एवं वायरलैस क्षेत्र के लिए एक्सेस उत्पादों से संबंधित उत्पाद प्रदान करती है।

यह परियोजना पारम्परिक टाइम डिविजन मल्टीप्लैक्स (टी डी एम) तथा सेशन इनिशिएटिड प्रोटोकॉल (एस आई पी) दोनों परिवेश को निबार्ध रूप से सहयोग करने के लिए इसके कोर पर इंटरनेट प्रोटोकॉल (आई पी) के साथ एक नई पीढ़ी के स्विचिंग प्लेटफार्म - आई आर आई एस एन जी एस के विकास और वाणिज्यिकरण का लक्ष्य रखती है। यह मौजूदा (टाइम डिविजन मल्टीप्लैक्सिंग) टी डी एम/ एनालॉग कनेक्टिविटी से लागत प्रभावी निर्बाध माइग्रेशन पाथ प्रदान करने वाले वर्तमान लीगेसी हार्डवेयर पर अगली पीढ़ी के नेटवकर्स (एन जी एन) प्रदान करता है। यह परियोजना प्रोटोटाइपों के सुदृढ़ीकरण, विनिर्माण तथा विभिन्न रक्षा नेटवर्कों के लिए इनको तैनात करने पर विचार करती है। यह आई पी और टी डी एम वर्ल्ड के बीच अन्तराल को पाटती है और दोनों वर्ल्ड के लाभ प्रदान करती है तथा ग्राहकों के पास सेवाओं तथा यूजर इंटरफेस को बाधित किए बिना चरणवार तरीके में 100% आई पी टेलीफोनी में स्थानान्तरण का विकल्प होगा। बोर्ड ने 23 जुलाई, 2010 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 1025.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 450.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को सम्पन्न हुई।

The software developed by the company would provide technology-assisted migration services and would be able to supply a reusable economic solution delivery for site specific migrations. The software platform uses proven automation techniques from electronics design automation (EDA) industry, enhanced with the use of topological mathematics and would provide a consistent methodology uniformly applicable to all vendor applications reducing the dependency on site-specific application experts. The Mila technology can eliminate for multiple solution experts assigned to each project. Published rules for multiple upstream and downstream products can be merged within the Mila engine, resulting in integrated, decision-guided processes and tools for complete migration projects. The migration suite developed by the company would be able to replace the existing old and less efficient sales and pre-sales manual efforts with alternate internet based automation techniques. The same is expected to cut costs and improve margins.

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 493.00 lakh out of the total project cost of ₹ 1046.00 lakh under an agreement signed on 7th July 2008. The project completed on 31st January, 2011.

New generation switching platform with Internet Protocol

M/s Coral Telecom Limited, Noida U.P., has been provided loan assistance by TDB for "Development and Commercialization of IRIS NGX Switch that will meet New Generation Network (NGN) Requirements for Enterprise as well as Defence". The company promoted in 1996 by technocrat professionals and operating successfully offers product, in the domain of customer premises multi services telecom switching system and access products for wired & wireless domain.

The project aims to develop and commercialize IRIS NGX – A new generation switching platform with Internet Protocol (IP) at its core to seamlessly support both the traditional Time Division Multiplexed (TDM) as well as Session Initiated Protocol (SIP) environments. It provides Next Generation Networks (NGN) compliance on existing legacy hardware providing a cost effective seamless migration path from the current (Time Division Multiplexing) TDM/Analog connectivity. The project envisages ruggedisation, manufacture of prototypes & deployment of the same as required for various Defense networks. It will bridge the gap between IP & TDM world providing the advantages of both the worlds and the customer shall have the choice of migration to 100% IP telephony in a phased manner without disruption of services and the user interface. Board sanctioned a loan assistance of ₹ 450.00 lakh out of the total project cost of ₹ 1025.00 lakh under an agreement signed on 23rd July 2010. The project was completed on 31st March 2011.

एल ई डी आधारित लाईटिंग उत्पाद

पंजीकृत कार्यालय ए - 4 इलैक्ट्रोनिक्स काम्प्लैक्स, कुशेगुडा, हैदराबाद के साथ मैसर्स एम आई सी इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि. के रूप में भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन 17.05.1988 को मूल रूप से निगमित मैसर्स एम आई सी इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड हैदराबाद (एम आई सी) को 29.07.1997 में मैसर्स एम आई सी इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड में परिवर्तित किया गया। यह कम्पनी एल ई डी विडियो, ग्राफिक्स और टैक्स्ट डिसप्ले; एल ई डी लाइटिंग सोल्यूशन; एम्बेडेड, सिस्टम और टेलिकॉम सॉफ्टवेयर; और संचार एवं इलेक्ट्रोनिक उत्पाद जैसे उत्पादों तथा सेवाओं के व्यवसाय में लगी है।

कम्पनी ने ग्रिड आधारित और नॉन - ग्रिड आधारित अनुप्रयोगों के लिए इल्यूमिनेशन उत्पाद के रूप में एल ई डी लाइट्स के विकास एवं वाणिज्यिकरण को प्रस्तावित किया है। उत्पादों के अभिकल्पन और विकास को नवोन्मेषी होने का दावा कर रहें है। आयातित उत्पादों की तुलना में इसका नवोन्मेष ड्राइव सर्किट, लयूमेन प्रभावशीलता, एंटी ग्लेयर विशेषता, तापीय प्रबंधन, भार इटतमीकरण, स्टैण्ड बाई पावर के निम्मीकरण तथा उत्पादों की लागत प्रभाविता पर निर्भर करता है। ऑफ ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए उत्पाद सौर पैनल का भी उपयोग कर रहें हैं। कम्पनी द्वारा वाणिज्यिकरण के लिए प्रस्तावित उत्पादों के प्रकार अपने में विशेष है।

इन उत्पादों को (i) विद्युत ऊर्जा की कम खपत (ii) ल्यूमीनेरीज की बेहतर लॉंगेविटी (iii) घटी हुई रखरखाव और प्रचालन लागत (iv) एक समान इल्यूमीनेशन तथा (v) घटी हुई रेडिएटेड हीट और नुकसान दायक/ जहरीले तत्वों का कोई उत्सर्जन न होना जैसी विशेताओं वाला माना जाता है।

एल ई डी डिसप्ले सिस्टम - एम आई सी इलेक्ट्रोनिक्स

इस परियोजना की लागत 6000 लाख रू. है। टी डी बी ने 31 मार्च, 2010 को हस्ताक्षरित करार के अन्तर्गत 1500 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया है। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को सम्पन्न हुई।

LED Based Lighting Products

M/s MIC Electronics Limited, Hyderabad (MIC), originally incorporated on 17.05.1988 under the Indian Companies Act 1956 as M/s MIC Electronics Private Limited, with registered office at A-4, Electronics Complex, Kushaiguda, Hyderabad, was converted to M/s MIC Electronics Limited on 29.07.1997. The company is involved in the business of products and services like LED Video, Graphics and Text Displays; LED Lighting Solutions; Embedded, System and Telecom software; and Communication and Electronic Products.

The company has proposed development and commercialization of LED lights, as an illumination product, for grid based and non-grid based applications. The design and development of the products are claimed to be innovative. The innovation lies in the reliability of the drive circuits, the lumen efficiency, anti-glare features, thermal management, weight optimization, minimization of stand-by power and cost effectiveness of the products, vis-à-vis imported products. The products for off-grid applications shall also use solar panels. The type/ range of products proposed for commercialization by the company are unique.

The products are characterized by i) Reduced consumption of electrical energy, ii) Improved longevity of the luminaries, iii) Reduced maintenance and operating costs, iv) Uniform illumination and v) Reduced radiated heat and no harmful/ toxic emissions

LED DISPLAY SYSTEM: MIC ELECTRONICS

The project cost is ₹ 6000 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 1500 lakh under an agreement signed on 31st March 2010. The project completed on 31st March, 2011

रिवॉल्विंग एल ई डी एविएशन आब्स्ट्रक्शन लाइट और एल ई डी रेलवे सिगनलिंग सिस्टम

मैसर्स इंस्टा पावर लिमिटेड, नई दिल्ली 31 जुलाई, 1986 को कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन आई टी पी टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पंजीकृत हुई। वर्ष 1998 में अपने उद्देश्य खण्ड को संशोधित करते हुए अपने कार्य संचालन क्षेत्र को बदला और अपना नाम बदलकर इंस्टा पावर रख लिया।

कम्पनी ने निर्देशात्मक एवं केन्द्रित पहलुओं के संबंध में बढ़े हुए परिणाम हासिल करने के लिए सेकेन्ड्री आप्टिक्स पर आधारित पेरेंटीकृत प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए वाणिज्यिक उत्पादन के लिए दो एल ई डी आधारित उत्पादों मीडियम इंटेंसिटी रिवॉल्विंग एविएशन ऑब्स्ट्रक्शन लाइट और रेलवे सिगनलिंग सिस्टम को अभिकल्पित और विकसित किया। अन्तरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आई एल ए ओ) के मानको के अनुसार 45 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर एविएशन लाइट लगाया जाना आवश्यक है।

एल ई डी रेलवे सिगनलिंग सिस्टमः इंस्टापावर

टी डी बी ने 11 जनवरी, 2008 के करार के अन्तर्गत 475.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 200.00 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को सम्पन्न हुई।

हाई फ्रिकुवेंसी एक्स - रे जनरेटर और वाइटल साइन मानीटर प्रौद्योगिकी

मैसर्स सकैनरे टेक्नोलोजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, मैसूर को 'हाई फ्रिकुवेंसी एक्स - रे जनरेटर और वाइटल साइन मॉनीटर प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण 'के लिए सुविधा स्थापित करने हेतु टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई।

इस परियोजना में स्वदेशी रूप से विकसित हाई फ्रिकुवेंसी (एफ एफ) एक्स - रे जनरेटर और अत्याधुनिक ई सी जी प्रापण प्रौद्योगिकी का औद्योगिकीकरण शामिल है। कम्पनी ने अत्याधुनिक सेमीकंडक्टरों का उपयोग करके इस प्रौद्योगिकी को विकसित किया है जिससे एच एफ जनरेटरो की 60% लागत कटौती हो सकेगी। यह कम्पनी समाज के बड़े वर्ग के लिए स्वास्थ्य देखरेख को किफायती बनाने के उद्देश्य के साथ स्वास्थ्य देखरेख के लिए अन्य उत्पादों (ई सी जी, वाइटल साइन मॉनीटर डिफाइब्रीलेटर्स और अल्ट्रासाउड) पर कार्य कर रही है। स्कैनरे दो प्लेट

Revolving LED Aviation Obstruction Lights & LED Railway Signaling Systems

M/s Insta Power Limited, New Delhi was registered on 31st July, 1986 in the name of ITP Telecoms Private Limited under the Companies Act 1956. In the year 1998, the company changed its area of operation modifying its object clause, and changed its name to Instapower Ltd.

The company has designed and developed two LED based Products Medium Intensity Revolving Aviation Obstruction light and Railway signaling systems for commercial production using patented technology based on secondary optics to obtain enhanced results in terms of the directional and focusing aspects. The Aviation lights are required to be installed at heights of over 45 meters as per the specifications of International Civil Aviation Organization (ICAO).

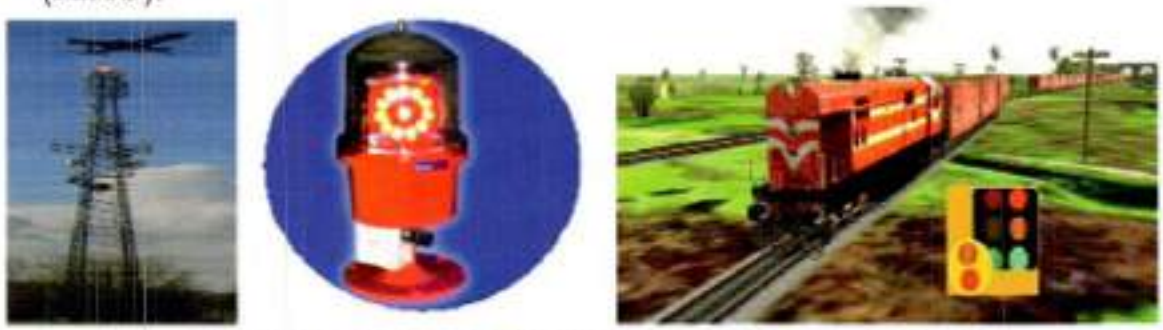

LED RAILWAY SIGNALING SYSTEM: INSTAPOWER

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 200.00 lakh out of the total project cost of ₹ 475.00 lakh under the agreement dated 11th January, 2008. The project completed on 31st March, 2011.

High Frequency X-Ray Generator and Vital Sign Monitor Technology

M/s Skanray Technologies Private Limited, Mysore has been provided loan assistance by TDB for setting up a facility for "Commercialization of High Frequency X-Ray Generator and Vital Sign Monitor Technology".

The project involves industrialization of high frequency (HF) X-ray generator and state of the art ECG acquisition technology developed indigenously. The company has developed this technology using sate of the art semiconductors which will enable 60 % cost reduction of HF Generators. The company is also working on other products (ECG, Vital sign monitor, defibrillators and Ultrasound) for healthcare with the aim of making health care affordable for the masses of the Society. Skanray is planning to develop the full range

फार्मो से 700 वाट्स से 50 के डब्ल्यू की एक्स - रे जनरेटर की पूर्ण श्रृंखला विकसित करने की योजना बना रहा है। स्कैनरे ने एक नवोन्मेषी एक्स - रे शीलडिंग प्रौद्योगिकी को विकसित किया है जो शील्ड के लिए अत्यधिक लीड़ का उपयोग किए बिना रेडिएशन को अत्यंत निम्न स्तर तक घटा देती है। कम्पनी द्वारा विकसित उच्च फिकुवेंसी जनरेटर काफी स्थिर एक्स - रे तैयार करने में सक्षम है जिसे रोगी की खुराक को कम करने के लिए स्पट रूप से नियंत्रित और संपादित किया जा सकता है। भारत में हाई फ्रिकुवेंसी एक्स रे अधिकांशतः आयातित होते है जो काफी मंहगे होते है तथा प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख के लिए किफायती नहीं होते।

Dental X-ray Unit

Industrial X-ray, security/Inspection food industries, etc.

Mobile X-ray Unit

Micro Portable X-ray Monoblock

बोर्ड ने 10 नवम्बर, 2009 को हस्ताक्षरित करार के अंतर्गत 1303.91 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 470 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को सम्पन्न हुई।

सॉफ्टवेयर प्रोटोकॉल परीक्षण समाधान

मैसर्स वेरिक्स टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड चेन्नई (पूर्व में मैसर्स नेट - ओ 2 टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के नाम से जाना जाने वाला) कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत 11 जून, 2002 को निगमित हुई। यह कम्पनी संचार उपकरण विनिर्माताओं और सेवा प्रदाताओं के लिए प्रोटोकाल हेस्टिंग सोल्यूशन प्रदान करने में संलग्न है।

यह कम्पनी फास्ट एथर्नेट और गीगाबिट एथर्नेट स्विचिज़ में लेयर 2 और लेयर 3 (एल 2/ एल 3) संचार प्रोटोकॉलों के गहन कार्यात्मक सत्यापन हेतु विशिटताओं से भरपूर ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर टेस्टिंग सोल्यूशन एन ई टी - 02 अटेस्ट स्विच टेस्टेड के विकास करने की प्रक्रिया में है। एन ई टी - 02 अटेस्ट स्विच टेस्टर हार्डवेयर पर आधारित प्रोपराइटरी टेस्टिंग प्रौद्योगिकी में व्यापक निवेश के एक विकल्प के रूप में उद्यमों के लिए एक लागत प्रभावी समाधान प्रदान करने हेतु आन्तरिक रूप से विकसित किया जा रहा, एक नवोन्मेषी एवं अनूठा उत्पाद है। यह विभिन्न प्रकार के परिनियोजनों के चलाने के लिए तैयार परीक्षण मामलों के लगे हुए डाटा बेस के माध्यम से कार्यात्मक परीक्षण और कार्यनिपादन सत्यापन करने के लिए अदभुत क्षमता प्रदान करता है। यह स्विच टेस्टर ओपन सोर्स लाइनेक्स पर आधारित है और इसे उद्यम की आने वाली/ बढ़ती हुई परीक्षण आवश्यकताओं के अनुसार निरन्तर विस्तारित होने वाले ऑफ - द - शेल्फ हार्डवेयर और साफ्टवेयर के लिए उपयोग किया जा सकता है।

टी डी बी ने दिनांक 4.01.2008 के ऋण करार के अन्तर्गत 322.26 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 92 लाख रू. की ऋण सहायता का अनुमोदित किया है। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को सम्पन्न हुई।

of X-ray generators from 700 Watts to 50kW from two platforms. Skanray has developed an innovative x-ray shielding technology which reduces the radiation to extremely low level without use of excessive lead to shield. High frequency generators developed by the company are capable of generating very stable X-rays which can be precisely controlled and pulsed for reducing patient dose.High frequency X-ray generators are mostly imported in India which are very expensive and are not affordable for primary health care. Board sanctioned a loan assistance of ₹ 470.00 lakh out of project cost of

Dental X-ray Unit

Industrial X-ray, security/Inspection food industries, etc.

Mobile X-ray Unit

Micro Portable X-ray Monoblock

₹ 1303.91 lakh under an agreement signed on 10th November, 2009. The project completed on 31st March, 2011.

Software Protocol Testing Solutions

M/s Veryx Technology Private Limited, Channai (previously known as M/s Net-O2 Technologies Private Limited, Chennai) incorporated on 11th June, 2002, under the Companies Act 1956. The company is engaged in providing Protocol Testing Solutions for Communication Equipment manufacturers and Service Providers.

The company is in the process to develop Net-O2 ATTEST Switch Tested, a feature rich automated software testing solution for comprehensive functional verification of Layer 2 and Layer 3 (L2/L3) communication protocols in Fast Ethernet and Gigabit Ethernet switches. Net-O2 Attest Switch Tester is an innovative and unique product being developed in house to provide a cost effective solution to the enterprises as an alternative to large investment in proprietary testing technology based on hardware. It provides the unique capability to perform functional testing and performance verifications through built in data base of ready-to-run test cases for a variety of deployments. The Switch Tester is based on open source Linux software and optimized to off-the-shelf hardware and software that can be continuously expanded according to the upcoming/ increasing testing needs of the enterprise.

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 92.00 lakhs out of the total project cost of ₹ 322.26 lakhs under the loan agreement dated 4.01.2008. The project completed on 31st March, 2011.

परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना

टी डी बी से ऋण की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टी डी बी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश' पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टी डी बी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी/ प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टी डी बी की वेबसाइट www.tdb.gov.in से प्राप्त कर सकता है।

वर्ष 2010 - 11 में प्राप्त आवेदन

टी डी बी ने वर्ष 2010 - 11 के दौरान औद्योगिक संस्थानों से और वेंचर कैपिटल फंड से 59 आवेदन प्राप्त किए गए।

राज्य - वार प्राप्त आवेदन

वर्ष 2010 - 11 के दौरान प्राप्त किए गए 59 आवेदनों राज्यवार वितरण निम्निलिखित हैं :-

(करोड़ रू. में)

सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा दी गई सहायता
1.	आन्ध्र प्रदेश	13	321.49	134.63
2.	दिल्ली	3	55.61	28.30
3.	गुजरात	3	32.34	13.67
4.	हरियाणा	2	30.58	15.38
5.	झारखण्ड	2	1.35	1.04
6.	कर्नाटक	6	62.95	24.00
7.	केरल	4	27.95	15.45
8.	महाराष्ट्र	6	120.28	48.14
9.	उड़ीसा	1	1.00	1.00
10.	पंजाब	1	1.00	1.00

Processing of Project Proposals

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur / promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2010-11

TDB received 59 applications during 2010-11 from industrial concerns.

Application Received State-wise

The state-wise distribution of 59 applications received during 2010-11 is as under:

(₹ in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Applications	Total Cost	TDB's Commitment
1	Andhra Pradesh	13	321.49	134.63
2	Delhi	3	55.61	28.30
3	Gujarat	3	32.34	13.67
4	Haryana	2	30.58	15.38
5	Jharkhand	2	1.35	1.04
6	Karnataka	6	62.95	24.00
7	Kerala	4	27.95	15.45
8	Maharashtra	6	120.28	48.14
9	Orissa	1	1.00	1.00
10	Punjab	1	1.00	1.00
11	Rajasthan	4	4.27	2.73

11.	राजस्थान	4	4.27	2.73
12.	तमिलनाडू	8	37.64	16.53
13.	उत्तर प्रदेश	3	3.00	3.00
14.	उत्तराखंड	1	1.00	1.00
15.	पश्चिम बंगाल			4.60
	कुल	59	706.14	310.47

क्षेत्र - वार प्राप्त आवेदन

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने के लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्रवार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है।

2010 - 11 में प्राप्त क्षेत्रवार आवेदन

(करोड़ रू. में)

		आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से प्राप्त सहायता
1.	कृषि	3	40.19	11.88
2.	रसायन	6	181.22	73.92
3.	ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता	3	30.46	7.91
4.	इंजीनियरिंग	8	121.82	55.78
5.	स्वास्थय और भेषज	10	213.99	100.38
6.	सूचना प्रौद्योगिकी	9	89.46	38.60
7.	वैयक्तिक	1	0.00	0.00
8.	एस टी ई पी – टी बी आई	18	18.00	18.00
9.	दूरसंचार	1	11.00	4.00
	कुल	59	706.14	310.47

12	Tamil Nadu	8	37.64	16.53
13	Uttar Pradesh	3	3.00	3.00
14	Uttrakhand	1	1.00	1.00
15	West Bengal	2	5.68	4.60
	Total	**59**	**706.14**	**310.47**

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below:-

Applications Received Sector-wise in 2010-11

(₹ in crore)

S. No.	Sectors	Number of Applications	Estimated Cost	Assistance Sought from TDB
1	Agriculture	3	40.19	11.88
2	Chemical	6	181.22	73.92
3	Energy & Waste Utilization	3	30.46	7.91
4	Engineering	8	121.82	55.78
5	Health & Pharma	10	213.99	100.38
6	Information Technology	9	89.46	38.60
7	Individual	1	0.00	0.00
8	STEP-TBI	18	18.00	18.00
9	Telecommunication	1	11.00	4.00
	Total	**59**	**706.14**	**310.47**

आवेदनों का वितरण

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी के प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से आवेदन प्राप्त हुए आवेदनों को नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है।

2010 - 11 में आवेदनों का वितरण

(करोड़ रू. में)

श्रेणी	आवदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	28	523.25	216.57
पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	8	153.06	70.45
वैयक्तिक	1	0.01	0.01
अन्य	22	29.82	23.44
कुल	**59**	**706.14**	**310.47**

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को आवेदनों की पूर्णता परियोजना का उद्देश्य और प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ - साथ अतिरिक्त जानकारी/ विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शमिल होता है। यदि आवेदन, टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तदनुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

परियोजना मूल्यांकन

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए परियोजना की प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year 2010-11, as may be seen from the table given below.

Profile of Applicants 2010-11

(₹ in crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Companies	28	523.25	216.57
Public Limited Companies	8	153.06	70.45
Individual	1	0.01	0.01
Others	22	29.82	23.44
Total	**59**	**706.14**	**310.47**

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

A list of scientists, who assisted in the initial screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in

पी ई सी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टी डी बी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी और वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैंकों के हो सकते है। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्किटिंग, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक और वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल हैः-

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा और नवीनात्मक होना।
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता।
- वृहत रूप से लागू करने के लिए और वाणिज्यिकरण से लाभप्रद संभावना।
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता।
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानो की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता।
- प्रस्तावित लागत की औचित्यपूर्णता और वित्त पोषण पैटर्न
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकार्ड

गोपनीयता और पारदर्शिता

टी डी बी की यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टी डी बी को उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा

view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed brief on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project & the company.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from
- commercialization
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its
- internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly

और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पी ई सी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने में आवेदकों की आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात पी ई सी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियां और सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पी ई सी की टिप्पणियों और सुझावों को आवेदकों को मौखिक रूप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव की पी ई सी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तब आवेदन को टी डी बी द्वारा समाप्त कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित किया जाता है।

वर्ष 2010 - 11 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) की नौ (9) बैठकें आयोजित की गई।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पी ई सी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना को बोर्ड की उप समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा आगे और विचार किया जाता है। बोर्ड की मार्गदर्शिका के अनुसार प्रस्ताव को बोर्ड में भेजे जाने से पहले सम्पत्ति प्रबंधकों की सहायता से कुछेक विशिष्ट प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया गया।

मॉनीटरिंग एवं समीक्षा

टी डी बी ने जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों के आधार पर लाभअर्जको को किस्तों से सहायता देने को अनुमोदन किया। दूसरी एवं अगली किस्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना मॉनीटरिंग समिति की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना के मूल्यांकन के समय परियोजना मॉनीटरिंग समिति में वैज्ञानिक/ तकनीकी विशेषज्ञ शामिल किए जाते है। जो कि पी ई सी के सदस्य होते है।

टी डी बी ने वर्ष 2010 - 11 के दौरान परियोजना मॉनीटरिंग समिति, परियोजना मूल्यांकन एवं मॉनीटरिंग समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से अठ्ठाईस (28) बैठकें आयोजित की।

पी ई सी और पी एम सी को सहयोग देने वाले विशेषज्ञों की सूची

वर्ष 2010 - 11 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, मॉनीटरिंग और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से 111 विशेषज्ञों ने टी डी बी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के साथ लगाया गया है। टी डी बी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2010-11, nine (9) meetings of the Project Evaluation Committee (PEC) were held to evaluate the project proposals.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a Sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on certain specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in installments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of installments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted twenty six (28) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2010-11.

List of Experts who assisted the PEC and PMC

One Hundred & Eleven (111) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2010-11. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

आवेदकों के सारांश की स्थिति

वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च, 2011 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है।

वर्ष 2010 - 11 में प्राप्त आवेदनों के सारांश की स्थिति

(करोड़ रू. में)

स्थिति	संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	**59**	**706.14**	**310.47**
31.03.2011 को बंद	28	241.41	109.92
2010–11 में हस्ताक्षरित करार	11	33.21	17.95
पी ई सी को भेजे गए अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	11	153.89	57.49
विचार/प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	9	275.63	125.11

* वर्ष 2010 - 11 के दौरान, चालू वित्तीय वर्ष 2010 - 11 में प्राप्त आवेदनों और वर्ष 2009 - 10 में प्राप्त 4 आवेदनों सहित 15 करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2010-11 and the status of applications as on 31st March 2011 are indicated in the table given below:

Summary Status of Applications Received in 2010-11

(₹ in crore)

Status	Number	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Application Received	**59**	**706.14**	**310.47**
Closed as on 31.03.2011	28	241.41	109.92
Agreements signed in 2010-11*	11	33.21	17.95
Referred to PEC or Processed after PEC	11	153.89	57.49
Application under Consideration/under Initial Screening	9	275.63	125.11

During the year 2010-11, 15 agreements were signed including 11 from applications received in the current financial year 2010-11 and 4 from 2009-10.

सकारात्मक - सक्रिया भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाइयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा प्रो - एक्टिव भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी डी बी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। प्रो - एक्टिव भूमिका के तौर पर टी डी बी ने नवीनता और नवीन उत्पाद/ सेवाओं वाले एस एम ई के माध्यम से शुरूआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर केपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टी डी बी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टी डी बी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरूआत के लिए सीड सहायता प्रणाली (सीड सपोर्ट सिस्टम) में भागीदारी का निर्माण करके टी डी बी ने विकासोन्मुख पहल की है। टी डी बी ने युवा उद्यमियों द्वारा लाये जाने वाले नवीन प्रौद्योगिकी वेन्चर विचारों को फलदायी बनाने के लिए उन्हें प्रथम चरण वित्तीय सहायता देने के लिए सीड सपोर्ट फंड बनाया है। टी डी बी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने, सहयोग देने और विकास को सहयोग देने के लिए कई विदेशी संस्थानों नामतः एजेन्सी नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रिर्सज (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेंटर फॉर द डवलेपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलोजी (सी डी टी आई), स्पेन और कामनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए है।

टी डी बी ने दायित्व के निवर्हन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से देशीय प्रौद्योगिकीय के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2010 - 11 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है।

क.वेंचर केपिटल फंड में भागीदारी (वी सी एफ)

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यिकरण अथवा व्यापक घरेलू उपयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाइयों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी नवोन्मेा और नवोन्मेी उत्पादों/ सेवाएं रखने वाले प्रारंभिक अवस्था उद्यमों के लिए सहायता प्रदान करके अपने कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने के उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मेी व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने हेतु प्रौद्योगिकी केन्द्रित वेंचर केपिटल फंड (वी सी एफ) में भाग लेता है।

टी डी बी द्वारा वेंचर केपिटल फंड (वी सी एफ) में भागीदारी करने के मुद्दे पर बोर्ड बैठकों में बहुत से अवसरों पर विचार किया गया। बोर्ड ने वी सी एफ में टी डी बी की भागीदारी को भौगोलिक एवं प्रौद्योगिकीय रूप से विस्तार करने के लिए एक उत्कृट माध्यम माना और यह निर्णय लिया कि टी डी बी उच्च जोखिम, उच्च रिटर्न प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं में चयनात्मक आधार पर वी सी एफ में गहनता से सहायता प्रदान करना जारी रखे चूंकि वी सी एफ मार्ग के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुखी परियोजनाओं के वित्तपोण ने बड़ी अच्छी सफलता दर्शाई है और काफी संख्या में परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memoranda of Understanding (MoUs) with select foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board approved the following initiatives during the year 2010-11.

(a) Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct financial assistance to industrial concern attempting development and commercialization of indigenous technologies or adapting imported technology for wider domestic application, TDB participates in the technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures having innovation and innovative products / services.

The issue of participation in Venture Capital Funds (VCFs) by TDB was discussed on several occasions in Board Meetings. The Board considered TDB's participation in VCFs as an excellent tool for increasing geographical and technological spread and decided that TDB may continue to support the VCFs rigorously on the selective basis in high risk, high return technology

बोर्ड ने दिनांक 17 मार्च, 2010 को अपनी 44 वीं बैठक में वेंचर केपिटल फंड हेतु टी डी बी द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता पर विचार करने और समीक्षा करने तथा टी डी बी द्वारा वी सी एफ को सहायता प्रदान करने में अपनाई जाने वाली कार्य पद्धति को सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने 10 मई, 2010 की अपनी 45 वीं बैठक के दौरान वेंचर केपिटल फंड में टी डी बी की भागीदारी हेतु निम्नलिखित व्यापक दिशानिर्देशों को भी अंतिम रूप प्रदान किया:

- टी डी बी की निधियां मुख्य रूप से उन वी सी एफ में लगाई जाएंगी जो नवोन्मेषी और/ अथवा प्रौद्योगिकी उन्मुख कार्य क्षेत्रों में निवेश करने की नीति रखते हो।
- लघु से मध्यम आकार की निधि में योगदान को वरीयता दी जाएगी।
- वी सी एफ के लाभार्थियों को मुख्य रूप से एस एम ई क्षेत्र से होना चाहिए।
- वी सी एफ में टी डी बी द्वारा योगदान सामान्यत निधि के आकार के 15% तक होगा। समावेशी विकास/ औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रो अथवा प्रथम पीढ़ी के लिए नवोन्मेा प्रदान करने वाले वी सी एफ के मामलों में 25% तक के उच्च योगदान के विषय पर विचार किया जा सकता है। कार्य क्षेत्र के 100% प्रौद्योगिकी उन्मुख होने के मामले में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर टी डी बी द्वारा उच्च योगदान पर भी विचार किया जा सकता है।
- निगरानी कार्य तंत्र के रूप में, प्रौद्योगिकी विषय वस्तु पर आधारित प्रस्तावों में सहयोग हेतु वी सी एफ की निवेश समिति में सदस्य के रूप में टी डी बी का एक प्रतिनिधि होगा।
- प्रतिनिधि को कार्य क्षेत्र सन्तुलन हेतु आपत्ति दर्ज करने का प्राधिकरण होगा।
- निधि प्रबंधक के पृष्ठभूमि कार्य निपादन (ट्रेक रिकॉर्ड) पर विचार किया जाएगा।
- वित्तीय सेवाओं को वरीयता नहीं दी जाएगी।

बोर्ड की इच्छा के अनुसार, अध्यक्ष द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक 27.01.2011 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। समिति ने 7 (सात) वी सी एफ प्रस्तावों की समीक्षा की और टी डी बी द्वारा भागीदारी हेतु 4 (चार) वेंचर फंड्स की सिफारिश की।

बोर्ड ने दिनांक 22.03.2011 को अपनी 47 वीं बैठक में समिति की सिफारिशों पर विचार किया तथा वेंचर कैपिटल पर समिति द्वारा संस्तुत 4 प्रस्तावों में से 3 को अनुमोदित किया जो निम्नानुसार है:-

oriented projects, as funding to technology oriented projects through VCF route has shown remarkable success and supported large number of projects.
The Board in its 44th meeting dated 17th March, 2010 decided to constitute a committee to consider and review the support provided by the TDB to Venture Capital Funds and suggest the methodology/ to be adopted for supporting the VCFs by TDB. The Board also finalized the following broad guidelines for participation of TDB in Venture Capital Funds during its 45th meeting dated 10th May, 2010:

- TDB funds will primarily be deployed in VCFs which have policy to invest in innovative and/or technology oriented portfolio.
- Contribution in small to medium size fund would be preferred.
- The beneficiaries of the VCFs should be primarily from SMEs sector.
- The contribution by TDB in the VCF will normally be upto 15% of the fund size. Higher contribution can be considered in case of VCFs serving innovation for inclusive growth / industrially backward regions or first generation entrepreneur's upto 25%. In case the portfolio is 100% technology oriented even higher contribution by TDB can be considered based on Board approval.
- As an over sight mechanism, TDB representative will be a member of the Investment Committee of the VCF, to concur in proposals based on technology content.
- The representative will be authorized to make exceptions to balance the portfolio.
- Track record of the Fund Manager to be considered.
- Financial services are not preferred.

As desired by the Board, the first meeting of Expert Committee constituted by Chairperson, TDB was held on 27.01.2011 at New Delhi. The committee reviewed 7 (seven) VCF proposals and recommended 4 (four) Venture Funds for participation by TDB.

The Board in its 47th meeting dated 22.03.2011 deliberated on the recommendation of the committee and approved 3 out of 4 proposals recommended by the committee on venture capital as follows.

क्रम संख्या	निधि	निधि प्रबंधक	प्रतिबद्धता राशि
1.	इंडिया अपॉच्यूनिटी फंड	सिडबी वैंचर कैपिटल लिमिटेड, मुम्बई	25 करोड़ रू.
2.	इंडिया क्लीनटेक केटेलिस्ट फंड	सी आई आई ई, आई आई एम अहमदाबाद	निधि राशि को 70 से 75 करोड़ रू बढ़ाने हेतू 5 करोड़+5 करोड़रू.
	फनिटी इन्नोवेशन फंड	इंडियन इन्नोवेशन	25 करोड़ रू.

(ख) भारत - स्पेन नवोन्मेा कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाएं

वर्ष 2010 - 11 के दौरान, संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/ अन्तरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्तपोषित करने तथा दोनों देशों के लिए आर्थिक लाभ सृजित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी अन्तरण एवं नवोन्मेा के माध्यम से एस एम ई विकास को सहायता प्रदान करने हेतु सी डी टी आई स्पेन और टी डी बी के बीच आइ एस आई पी के अन्तर्गत दो द्विपक्षीय परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया। अनुमोदित परियोजनाएं निम्नानुसार हैः-

1. एस के आई डी एस - एक स्पेनिश भागीदार (मैसर्स आई एन ओ एस x पी ए एस ए, गेरोना, स्पेन) और एक भारतीय भागीदार (मैसर्स आई एन ओ एस x आई पी ए इंडिया प्रा. लि., पुणे, भारत) के साथ एक 60 महीनों की अवधि वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो उन क्षेत्रों के लिए नए स्किड्स के विकास के लक्ष्य के साथ सहयोग करेगी जिनमें इन दोनों कम्पनियों की मुख्य उपस्थिति मौजूद है ताकि टर्नकी मिनी प्लांट की तरह एकल इकाई में विभिन्न प्रक्रिया को समेकित करके ये व्यापक समाधन बन सकें।

   इस परियोजना का कार्यान्वयन मुख्य बाजार को शामिल करने तथा ऐसे समाधान के प्रकारों को बढ़ाने में स्पेनिश कम्पनियों के लिए आर्थिक लाभ सृजित करेगा जो प्रदान किए जा सकते हों और इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार हिस्से को बढ़ा सकते हो।

2. सेइक्लांइबर इंडिया - एक स्पेनिश भागीदार (मैसर्स सिस्टेमस डी ऑटोएलेवेसिऑन एस एल, स्पेन) और एक भारतीय भागीदार (मैसर्स इंटरनेशनल हरसाधन, मुम्बई, भारत) के साथ एक 18 महीनों की अवधि वाली सहयोगात्मक परियोजना जो विकासशील देशों की निर्माण कार्य आवश्यकताओं के अनुकूल उत्पादों की एक श्रृंखला के विकास करने के उद्देश्य से सहयोग करेगी जहां उच्च वाल्यूम उपकरणों और अधिक ऊचाई वाली इमारतों की मांग अधिक है।

S. No.	Fund	Fund Manager	Commitment Amount
1.	India Opportunities Fund	SIDBI Venture Capital Ltd., Mumbai	₹ 25 Cr.
2.	India Cleantech Catalyst Fund	CIIE, IIM Ahmedabad	₹ 5 Cr. + ₹ 5 cr. to raise fund size from 70 to 75 Cr.
3.	Infinity Innovation Fund New Delhi	Indian Innovation Holding MESM Pvt. Ltd.,	₹ 25 Cr.

(b) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISIP)

During the year 2010-11, TDB has approved two bilateral projects under ISIP between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries. The projects approved are as follows:-

1. **SKIDS-** A collaborative 60 months duration project with one Spanish partner (M/s INOXPA S.A., Gerona, Spain) and one Indian partner (M/s INOXIPA India Pvt. Ltd., Pune, India.), that will collaborate with the aim of development of new skids for the sectors in which these companies have major presence, so that they could become comprehensive solutions integrating various process stages into a single unit like a turnkey mini plant.

   The implementation of this project will generate economic benefits for the Spanish Company to cover a market niche and increase the range of solutions that can be provided, increase its competitiveness and gain market share.

2. **SAECLIMBER INDIA-** A collaborative 18 months duration project with one Spanish partner (M/s SISTEMAS DE AUTOELEVACION S.L., Spain) and one Indian partner (M/s International Harsadhan, Mumbai, India) that will collaborate with the aim to develop a product line to fit the needs on construction on the developing countries, where the needs are on high volume equipment and high rise buildings.

(ग) इक्यूबेटर्स में शुरूआत कर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टी डी बी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों को फलदायक स्थिति तक लाने और अंततः बाजार तक उन्हें पहुचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरूआती/ आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी विचारों/ प्रौद्योगिकीयों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टी डी बी/ एफ आई एस माध्यमों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अतः प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकीयों के विकास एवं वाणिज्यकरण के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

टी डी बी ने वर्ष 2005 - 06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर में शुरूआत करने वालों के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत पांच प्रौद्योगिकीय व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया है और वर्ष 2007 - 08 में दूसरे चरण में प्रत्येक को 100 लाख रूपये सहित अन्य पांच इन्क्यूबेटर्स को सहायत प्रदान की है।

वर्ष 2010 - 11 के दौरान सीड सहायता स्कीम के चौथे चरण के अन्तर्गत प्रत्येक को 100 लाख रू. की अनुदान सहायता के साथ निम्नलिखित 9 नए एस टी ई पी/ टी बी आई एस को भी सहायता प्रदान की गई है।

1. मणिपाल विश्वविद्यालय - टी बी आई, मणिपाल कर्नाटक
2. एन डी बी आई, एन आई डी, अहमदाबाद
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी), कालीकट
4. टेक्नोपार्क - टी बी आई, केरल
5. आई के पी नोलेज पार्क, सिकन्दराबाद
6. एफ आई टी टी, आई आई टी, दिल्ली, नई दिल्ली
7. विलग्रो इन्नोवेशंस फाउंडेशन, चेन्नई
8. एस आई डी बी आई, आई आई टी, कानपुर
9. जे एस एस ए टी ई - एस टी ई पी, नोएडा

(c) Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another five incubators for ₹ 100 lakh each in the second round in 2007-08. The additional 5 STEP/ TBI's have been provided Seed Support fund of ₹ 100 lakh in the third round of the scheme in 2009-10.

During 2010-11, following 9 STEP/ TBI's have been provided Seed Support fund of ₹ 100 lakh in the fourth round of the scheme.

1. Manipal University - TBI, Manipal, Karnataka
2. National Design Business Incubator, National Institute of Design, Ahmadabad
3. National Institute of Technology, Calicut
4. Technopark -Technology Business Incubator, Kerala
5. IKP Knowledge Park, Secunderabad
6. Foundation for Innovation and Technology Transfer (FITT), IIT Delhi
7. Villgro Innovations Foundation, Chennai
8. SIDBI, Indian Institute of Technology, Kanpur
9. JSSATE-STEP, Noida

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टी डी बी ने 15 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और एस टी ई पी को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 62 इन्क्यूबेटीज़ कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 15 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to 62 Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment , pharma , food , solar, textile and biotechnology etc.

प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार के घटक शामिल है। (i) वे औद्योगिक इकाइयाँ जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया जाता है। (ii) ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकास/ प्रदानकर्ता। प्रत्येक में 10 लाख रूपए का नगद पुरस्कार और ट्राफी होती है। 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रथम बार राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया और इसके पश्चात प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर अर्थात 11 मई को प्रत्येक वर्ा राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

एस एस आई इकाईयों के लिए पुरस्कार

टी डी बी ने अगस्त, 2000 में उन एस एस आई इकाई को जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यिकरण किया, के लिए 2 लाख रूपए नकद और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। पहला एस एस आई पुरस्कार 11 मई, 2001 को दिया गया और इसके पश्चात प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर अर्थात 11 मई को प्रत्येक वर्ा एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2010

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने अप्रैल, 2005 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यिकरण किया वे राष्ट्रीय पुरस्कार 2010 के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रति उत्तर में टी डी बी को 86 आवेदन प्राप्त हुए - 36 आवेदन 10 लाख रूपए के पुरस्कार के लिए और 9 आवेदन 2 लाख रूपए और 41 आवेदन दोनों पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए।

प्रोफेसर एस. के. जोशी, भूत पूर्व महानिदेशक, सी एस आई आर, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2010 के लिए गठित की गई चयन समिति की अध्यक्षता की यह समिति सदस्य के रूप में डॉ. ए. बी. रामा राव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स ए वी आर ए लेबोरेट्रीज़ प्रा. लि. हैदराबाद; डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, भूतपूर्व अध्यक्ष, नेसकॉम, श्री सोमनाथ घोष, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एन आर डी सी, नई दिल्ली और श्री निरंकार सक्सेना, निदेशक, फिक्की, नई दिल्ली से मिलकर बनी थी।

चयन समिति ने अल्ट्रा - लो सल्फर डीजल (सर्वो - एल आई) के लिए प्रीमियम ग्रेड डीजल (सर्वो - डी एम एफ ए) और लुब्रीसिटी एडिटिटस के लिए बहु कार्यात्मक एडिटिव्स के वाणिज्यिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार 2010 के लिए मैसर्स इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, आर एण्ड डी सेंटर, फरीदाबाद,

Promotional Activities

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/ provider of such technology. Each component carries a cash award of ₹ 10 lakh and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

National Award 2010

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2005 were eligible to apply for the National Award 2010. In response to the advertisements, TDB received 86 applications - 36 applications for the award of ₹ 10 lakh; 9 applications for the award of ₹ 2 lakh and 41 applications for the both awards.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2010, chaired by Prof. S. K. Joshi, Ex-DG, CSIR, New Delhi, consisted of Dr. A.V. Rama Rao, Chairman & Managing Director, M/s AVRA Laboratories Pvt. Ltd., Hyderabad; Dr. Sourabh Srivastava, Former Chairman, NASSCOM, Shri Somenath Ghosh, Chairman & Managing Director NRDC, New Delhi and Shri Nirankar Saxena, Director, FICCI, New Delhi as members.

The Selection Committee selected 'M/s Indian Oil Corporation Limited, R&D Centre, Faridabad, Haryana' for National Award 2010 for commercializing Multifunctional Additives for Premium Grade Diesel (SERVO-DMFA) & Lubricity Additives for Ultra-Low Sulphur Diesel (SERVO-LI). SERVO-DMFA,

हरियाणा का चयन किया। प्रीमियम ग्रेड डीजल के लिए एक उच्च कार्य निपादक, सर्वो - डी एम एफ ए को पारम्परिक पी आई बी एस आई डिटेरजेंट की सहक्रिया में उत्कृट डिटरजेंसी/ डिसपर्सेंसी के साथ विकसित किया गया।

अल्ट्रा लो सल्फर डीजल के भारत स्टेज - III और IV की लुब्रिसिटी विशिष्टताओं को पूरा करने के लिए उच्च कार्य निपादक लुब्रिसिटी एडिटिव्स के रूप में सर्वो - एल 1 को विकसित किया गया है। यह इंजन ऑयल के अनुकूल है और यह उत्कृट जंग निरोधक विशेषताओं के साथ विभिन्न तरह के अल्ट्रा लो सल्फर डीजल में प्रभावी लुब्रिसिटी संवर्धक है।

एस एस आई यूनिट पुरस्कार - 2010

चयन समिति ने एस एस आई श्रेणी में पुरस्कार हेतु 'मैसर्स पेनाका मेडिकल टेक्नोलोजीज प्रा. लिमिटेड बंगलौर' का चयन किया।

चिकित्सा उपकरण निर्देश 93/42/ई एफ सी के अनुसार तथा आई ई सी, ए ई आर बी के मानकों को पूरा करते हुए भाभा परमाणु ऊर्जा केन्द्र (बी ए आर सी) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित कैंसर चिकित्सा पद्धति में रेडिएशन उपचार हेतु आन्तरिक सुरक्षा विशेषताओं युक्त भाभा ट्रोन - II - कोबाल्ट टेलीथेरेपी युनिट को कम्पनी ने विकसित और वाणिज्यिकृत किया है।

कोबाल्ट - 60 के 250 आर एम एम (15000 करिज़) तक सुरक्षित एवं भविय के लिए तैयार सोर्स हेड क्षमता युक्त भाभा ट्रोन - II सम्पूर्ण युनिट के लिए आठ घंटों के प्रचुर पावर बैक - अप के साथ एक वास्तविक - समय कम्प्यूटरीकृत्त नियंत्रण कंसोल से सुसज्जित है इससे निर्बाध उपचार सुनिश्चित होता है और इसके कारण यह इसे आयात विकल्प के रूप में विशेषकर विकासशील देशों के लिए किफायती और उपयुक्त विकल्प बनाता है।

पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए बोर्ड चयन समिति के सदस्यों को आभार प्रकट करता है।

पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 2010 - 11 मई, 2010 को मनाया गया और भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा. ए पी जे अब्दुल कलाम ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान श्री अरूण मैरा, सदस्य, योजना आयोग द्वारा दिया गया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टी डी बी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टी डी बी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

a high performance additive for Premium Grade Diesel has been developed with excellent detergency/dispersancy characteristics in synergy with conventional PIBSI detergents. It exhibits improved fuel economy, excellent anti-corrosion & water repellant properties thereby providing longer engine life, low maintenance & lower emissions when blended with Premium Grade Diesel.

SERVO-LI has been developed as high performance lubricity additive required to meet lubricity specification of Bharat Stage – III and IV of ultra low sulphur diesel It is compatible with engine oil and an effective lubricity enhancer across a wide range of ultra low sulphur diesel with excellent rust inhibition characteristics.

Award for SSI Unit – 2010

The Selection Committee selected 'M/s Panacea Medical Technologies Pvt. Ltd., Bangalore' for the award in SSI category.

The company has developed and commercialized BHABHATRON-II – Cobalt Teletherapy Unit within built safety features for radiation treatment in Cancer Therapy, based on technology developed by Bhabha Atomic Research Centre (BARC) meeting standards of IEC, AERB and as per Medical Device Directive 93/42/EEC .

BHABHATRON-II with safe and future ready Source Head Capacity up to 250 RMM (15000 curies) of Cobalt-60 is equipped with a real-time computerized control console with redundant power backup of eight hours for the entire unit ensuring uninterrupted treatment thereby making it affordable and suitable as import substitute especially for developing countries.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the Awards

The Technology Day Function 2010 celebrated on 11th May 2010 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Shri Arun Maira, Member, Planning Commission.

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

इन बहुविध प्लेटफार्मों के माध्यम से टी डी बी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहातया की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत भारत और विदेशों में अहमदाबाद, बेंगलोर, बीजिंग (चीन), ब्रसल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), कैरो (इजीप्ट), चंडीगढ़, चैन्ने, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली - देवणैरे, गुजरात, गुड़गांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हैनोओवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्तमबुल (टर्की), जयपुर, जम्मू, जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), कानपुर, केरल, कोच्ची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैट्रिड (स्पेन), मदुरै, मुम्बई, मैसूर, नोएडा, नागपुर, ऑक्सफोर्ड (यू. के.) पुणे, राजामुंदरी, राजापालायम, राजकोट, रूड़की, रूद्रपुर, साओ पोलो (ब्राजील), शिलांग, शिमला, तमिलनाडु, तिरूवनंतपुरम, तिरूचिरापल्ली, दरयपुर, वाणी, वेल्लोर और विजयवाड़ा में सितम्बर, 1996 से आयोजित की गई है।

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यिक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

टी डी बी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोशिएशन और संस्थानों के घनिठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टी डी बी के अधिकारियों ने वर्ष 2009 - 10 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों और संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठकें आयोजित की। इनकी सूची निम्नलिखित हैं :-

29 - 30 मई, 2010

टी डी बी ने फ्रेंडस एक्जीबीशन्स एण्ड प्रोमोशन प्रा. लि. नई दिल्ली द्वारा आयोजित नई दिल्ली में प्रगति मैदान में 29 - 30 मई, 2010 को सम्पन्न 8 वें इन्फ्रा एजुका - 2010 में भाग लिया। इस कार्यक्रम का निम्नलिखित कार्य श्रेणियों पर थिमेटिक रूप से मुख्य बल था:

- स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके उपयुक्त ग्रामीण प्रौद्योगिकी के विकास और अनुप्रयोग के माध्यम से रोजगार क्षमताओं द्वारा हमारे ग्रामीण लोगों क जीवन यापन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग।
- भारत द्वारा अर्जित प्रौद्योगिकीय प्रगति को समझने और आत्मसात करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छात्रों को अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों के बीच उच्च शिक्षा का सृजन करने के लिए सरकारी स्कीमे और नीतियां

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Nainital, Oxford (UK), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada, since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2010-11. These are listed below.

May 29-30, 2010

TDB participated in 8th Infra Educa-2010 held on 29-30th May, 2010 at Pragati Maidan, New Delhi organized by Friendz Exhibitions and Promotions Pvt. Ltd., New Delhi. The event had special thematic thrust on the following segment:

- Application of S&T for improving the standard of living of our rural people by employment potential through the development and application of appropriate rural technology utilising local resources.
- Exposure of the students on science & technology to understand and imbibe the technological advancements India has received.
- Govt. Schemes and policies to generate the higher education amongst students.

- उच्चतर शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के संदेश का प्रसार करने के लिए विश्वविद्यालय एवं कॉलेज।
- छात्रों को उनके कैरिअर के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का चयन करने हेतु एक मंच प्रदान करना।
- बैंक और विभिन्न वित्तीय कम्पनियों तथा अन्य के माध्यम से उभरते हुए व्यावसायिकों को वित्तीय सहायता।
- समसामयिक औद्योगिक मांग के अनुकूल पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए संस्थानों एवं उद्योगों के बीच सहक्रिया को प्रभावी बनाना।

2 - 4 जून, 2010

टी डी बी ने सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कर्नाट क सरकार; विजन ग्रुप ऑन बायोटेक्नोलोजी एण्ड एम एम एक्टिव साइ - टेक कम्यूनिकेशन कोर्पोरेशन द्वारा आयोजित ललित होटल बंगलौर में 2 - 4 जून, 2010 को सम्पन्न बैंगलोर इंडिया बायो में भाग लिया। इन तीन दिवसीय कार्यक्रम में मल्टी ट्रेक कॉन्फ्रेंस एन इंटरनेशनल ट्रेडशां, बायोटेक विजन 2015 लीडरशिप सीरीज, बायोपार्टनिंग इडिया टी एम, सी ई ओ कॉन्क्लेव, बायो - आई पी जोन एन बायो - एक्सीलेंस अवार्ड शामिल थे।

4 - 6 जून, 2010

टी डी बी ने 'उत्तराखण्ड के धारणीय विकास हेतु सफल विज्ञान और प्रौद्योगिकी मॉडलों का प्रदर्शन' विषय के साथ नैनीताल में 4 - 6 जून, 2010 को सम्पन्न विज्ञान एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी एक्सपो - 2010 में भाग लिया। प्रदर्शित की गई प्रौद्योगिकियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य कार्ड, कृषि, पृथ्वी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी आई टी और संचार, अन्तरिक्ष और परमाणु ऊर्जा, नई एवं नवीकरण योग्य ऊर्जा तथा रक्षा अनुसंधान आदि के क्षेत्रों को शामिल किया।

14 - 27 नवम्बर, 2010

टी डी बी ने नई दिल्ली में प्रगति मैदान में 14 - 27 नवम्बर, 2010 को आयोजित 30 वें भारत अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेले - 2010 में भाग लिया। व्यवसाय से व्यवसाय और व्यवसाय से उपभोक्ता घटक के साथ यह सबसे बड़ा व्यापार मेला है। यह एकल मंच पर विनिर्माताओं, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा कारीगरों एवं कलाकारों से विभिन्न क्षेत्रों में विविध तरह के समस्त उत्पादों को प्रस्तुत करता है। प्रौद्योगिकी/ व्यवसाय उन्मुखीकरण पर बल इस मेले का विाय था और इसने संसाधनीकरण, आपूर्ति एवं व्यवसाय अन्तरक्रिया के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया।

- Universities and colleges to spread the message of higher education, technical education.
- Provide a platform for the students to select the professional courses for their careers.
- Financial Assistance to the budding professionals through banks and various financial companies and many others.
- To effect a synergy between Institutes and Industries to align the curriculum to suit the contemporary industrial demand.

June 2-4, 2010

TDB participated in Bangalore India Bio held on 2-4th June, 2010 at The Lalit Hotel, Bangalore, organized by Department of Information Technology, Biotechnology and Science & Technology, Government of Karnataka; Vision Group on Biotechnology and MM Active Sci-Tech Communications Co. The three day event was consist of Multi-Track conference an International Tradeshow, Biotech Vision 2015 Leadership Series, BioPartnering IndiaTM, CEO Conclave, Bio-IP Zone an Bio-Excellence Awards.

June 4-6, 2010

TDB participated in Science & Rural Technology Expo-2010 held on 4-6th June, 2010 at Nainital with the theme "Showcasing successful S&T Models for sustainable development of Uttarakhand. The Technologies on display covered the sectors of Science & Technology, Horticulture & Food Processing, Health Card, Agriculture, Earth Sciences, Biotechnology, IT and Communications, Space & Atomic Energy, New & Renewable Energy and Defence Researches etc.

November 14-27, 2010

TDB participated in 30th India International Trade Fair-2010 held on 14-27th November, 2010 at Pragati Maidan, New Delhi. It is the largest trade fair with business to business and business to consumer components. It presents a complete range of products from diverse sectors from major manufacturers, small and medium enterprises as well as craftsmen & artisans in a single platform. The theme of the fare was focus on Technology/business orientation and it provided a great platform for trade and industry for sourcing, supply and business interactions.

22 - 23 नवम्बर, 2010

टी डी बी ने न्यू वेंचर इंडिया - एन वी आई (सी आई आई और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट की पहल) और सी आई आई - सोहराबजी गोदरेज ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा आयोजित मुम्बई में 22 और 23 नवम्बर, 2010 को सम्पन्न मार्ग दर्शन कार्यशाला और निवेशक मंच - 2010 (ग्रीन बिजनेस समिट) में भाग लिया। श्री शंशांक सिन्हा, परियोजना समन्वयक, टी डी बी ने कार्यक्रम ने भाग लिया और टी डी बी की वित्त पोषण स्कीम के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया। इस भागीदारी ने उद्योग से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों तक पहुंच बनाने और जागरूकता सृजन में सहायता की।

9 दिसम्बर, 2010

टी डी बी ने हैदराबाद में 9 दिसम्बर, 2010 को सम्पन्न 'धारणीय आजीविका और सामुदायिक विकास हेतु प्रौद्योगिकी' पर सेमिनार में भाग लिया। आंध्र प्रदेश प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रोन्नयन केन्द्र (ए पी टी डी सी), सी आई आई हैदराबाद द्वारा इस सम्मेलन/ कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री शशांक सिन्हा, परियोजना समन्वयक - टी डी बी ने कार्यक्रम में भाग लिया और टी डी बी की वित्त पोषण स्कीम पर एक प्रस्तुतिकरण पेश किया और प्रतिभागियों के साथ विचार - विमर्श किया।

19 - 21 दिसम्बर, 2010

टी डी बी ने 19 - 21 दिसम्बर, 2010 को शिमला में सम्पन्न श्री साई क्रिएटिव इवेंट्स एण्ड प्रोमोशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम विजन हिमाचल में भाग लिया। इसका मुख्य बल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास, स्वास्थ्य और तदुरूस्ती की देख रेख, आई टी एवं संचार, विद्युत, कृषि, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा पर्यटन एवं विरासत, हस्तकरघा और हस्तकला, लौह एवं इस्पात तथा बांस पर जानकारी का प्रसार करने का है।

4 फरवरी, 2011

टी डी बी सेवाओं पर 14 जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित करने के सी आई आई प्रस्ताव को अनुमोदित किया। 15 अक्तूबर, 2010 को उन्हें एक अनुमोदन पत्र जारी किया गया। तत्पश्चात, सी आई आई ने 4 फरवरी, 2011 को पूना में प्रथम कार्यक्रम आयोजित किया। श्री चन्द्र प्रकाश, परियोजना समन्वयक ने समारोह में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया और वित्त पोषण स्कीम पर प्रस्तुतिकरण दिया तथा प्रतिभागियों के साथ परस्पर वार्तालाप किया।

August 6-8, 2009

Dr. Mahendra Pal attended the 4th Asia Pacific Conference on Business Incubation (APIN) at PSG College, Coimbatore during **6-8 August 2009**. Dr Pal made a presentation on TDB financial support to industrial concern/ Seed Support. Dr. Pal interacted with about 100 delegates who attended the conference and apprised them about the funding guidelines of TDB and the Seed Support Scheme.

November 22-23, 2010

TDB participated in the Mentoring Workshop and the Investor Forum – 2010 (Green Business Summit) held on 22nd to 23rd November 2010 at Mumbai, organized by New Ventures India – NVI (initiative of CII and World Resources Institute) and CII – Sohrabji Godrej Green Business Centre. More than 200 participants from industry/ institutes/ venture fund agencies attended the programme. Shri Shashank Sinha, Project Coordinator, TDB participated in the programme and made a presentation on TDB funding scheme. The participation helped to outreach a large number of participants from industry and awareness creation.

December 09, 2010

TDB participated in the seminar 'Technology for Sustainable Livelihood and Community Development' held on 9th December 2010 at Hyderabad. The conference / workshop was organized by Andhra Pradesh Technology Development and Promotion Centre (APTDC), CII Hyderabad. Shri Shashank Sinha, Project Coordinator-TDB participated in the programme and made a presentation on TDB funding scheme and interacted with the participants.

December 19-21, 2010

TDB participated in 1st Vision Himachal held on 19-21st December, 2010 at Shimla organized by Sai Creative Events and Promotions, New Delhi. The focus was to spread information on Science and Technology & Research and Development, Health & Wellness Care, IT & Communications, Power, Agriculture, Horticulture & Food Processing, Energy, Tourism and Heritage, Handloom and Handicrafts, Iron & Steel and Banboo.

February 4, 2011

The Board had approved a CII proposal to organize 14 awareness events on TDB services. A sanction letter was issued to them on Oct 15, 2010. Subsequently, CII organized first event in Pune on 4th February, 2011. Shri Chander Parkash, Project Coordinator represented TDB in the event and made a presentation on TDB funding scheme and interacted with the participants.

3 - 6 फरवरी, 2011

श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' को ई ई पी सी, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत प्रदर्शनी (इंडिया शो) में टी डी बी का प्रतिनिधित्व करने का कार्य सौंपा गया। पहली बार, स्टॉल पर आने वाले के लिए वितरण हेतु टी डी बी फ्लायर को तैयार एवं मुद्रित किया गया। पहली बार, टी डी बी ने अन्तरराष्ट्री आकार एवं श्रेणी के पोस्टर बनाए। स्टाल ने प्रदर्शनी में टी डी बी भागीदारी के लिए नए मानक स्थापित किए। टी डी बी ने इंडिया शो में बैठक हेतु तुर्की प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए काफी आमंत्रण प्रेषित किए। अगली बार से और अधिक विस्तृत एवं लक्षित निमंत्रण भेजे जाएंगे। मेले और भारत पवेलियन का उद्घाटन करने के तुरन्त पश्चात श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, माननीय वाणिज्य राज्य मंत्री, भारत सरकार ने 3 फरवरी, 2011 को टी डी बी/ डी एस टी का दौरा किया। उन्होंने स्टाल के मुख्य बल दिए जाने वाले क्षेत्र के बारे में पूछा और प्रदर्शन सामग्री की सराहना की।

15 - 16 फरवरी, 2011

सी आई आई ने 15 - 16 फरवरी, 2011 को पुणे में टी डी बी सेवाओं पर अपना दूसरा कार्यक्रम आयोजित किया। श्री चंद्र प्रकाश, ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

वेब साइट

टी डी बी के लिए वेबसाइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है:

(i) www.tdb.gov.in

February 3-6, 2011

Shri Sanjay Chavre, Scientist 'E' was deputed to represent TDB in the India Show, organized by EEPC, Department of Commerce, Government of India. For the first time, a TDB flyer was designed and printed for distribution to the stall visitors. For the first time TDB made posters of international size and class. The stall set new standards for TDB participation in the exhibitions. TDB sent a number of invites to Turkey Technology Institutes for a meeting at the India Show. From next time a more elaborate and targeted invitations will be sent. Hon'ble Shri Jyotiraditya Scindia, Minister of State for Commerce, Govt. of India visited TDB / DST stall on Feb 3, 2011 immediately after inaugurating the Fair and the India Pavilion. He enquired about the focus of the stall and admired the display.

February 15-16, 2011

The CII organized its second event on TDB services in Pune on 15-16th February, 2011. Shri Chander Parkash, Project Coordinator represented TDB in the event.

Web site

The web-site for TDB is available on the following address:

i) www.tdb.gov.in

अनुसंधान एवं विकास उपकर

अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 की प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयाँ जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिक आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रूप से घरेलू प्रयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के द्वारा प्रशासित की जाती है।

उपकर, समाहरण और भुगतान (1997 - 2011)

निम्नलिखित सारणी 1996 - 97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) के वर्षवार उपकर समाहरण, टी डी बी को आबंटन तथा टी डी बी के भुगतान को दर्शाती है।

अनुसंधान एवं विकास उपकर एकत्रण और वितरण

(करोड़ रू. में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.जी.ए. के आंकड़े)	आवंटन ..... अनुमानित बजट	टी डी बी ..... संशोधित आकलन	सरकार द्वारा टी डी बी को भुगतान	टी डी बी द्वारा प्राप्त उपकर समाहरण प्रतिशत
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97	37.40
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93	61.33
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00	34.52

Research And Development Cess

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments (1997-11)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess Collections and Disbursements

(₹ in crore)

Year	Cess Collection (CGA's Figures)	Allocation to TDB		Actual Payments to TDB by Govt.	Percentage (%) of Cess Collection Received by TDB
		Budget Estimate	Revised Estimate		
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97	37.40
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93	61.33
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00	34.52

1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00	56.22
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79	63.48
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00	59.81
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00	56.30
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65	40.11
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10	30.64
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66	24.15
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32	2.31
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00	7.47
2008-09	310.33	20.80	4.67	-	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00	0.84
कुल	2854.02	780.80	609.90	506.42	17.74

वर्ष 1996 - 2011 के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 2854.02 करोड़ रूपए में से सरकार ने 15 वर्षों (1996 - 2011) के दौरान टी डी बी को 506.42 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई। यह 15 वर्षों में एकत्रित अनुसंधान एवं विकास उपकर का 17.74% है।

1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00	56.22
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79	63.48
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00	59.81
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00	56.30
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65	40.11
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10	30.64
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66	24.15
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32	2.31
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00	7.47
2008-09	310.33	20.80	4.67	-	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00	0.84
Total	**2854.02**	**780.80**	**609.90**	**506.42**	**17.74**

Of the total of ₹ 2854.02 crore from R&D cess collection during the year 1996-2011, the Government has made available to TDB a cumulative sum of ₹ 506.42 crore over the period of 15 years (1996-2011). This works out to 17.74 % of the R&D cess collections made in 15 years.

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 मे यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा।

टी डी बी की वर्ष 2009 - 10 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति राज्य सभा और लोक सभा में क्रमशः दिनांक 8 अगस्त, 2011 और 11 अगस्त, 2011 को पटल पर रख दी गई थी।

टी डी बी सचिवालय

नई नियुक्तियां

(i) श्री राजीव श्रीवास्तव ने दिनांक 29 अप्रैल, 2010 से उप विधिक सलाहकार के रूप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यभार ग्रहण किया है।

(ii) श्री वाई एस यादव ने दिनांक 1 जून, 2010 से अवर सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

(iii) श्री हरकेश मित्तल, वैज्ञानिक जी एवं प्रमुख राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी), डी एस टी ने दिनांक 18 नवम्बर, 2010 से सचिव, टी डी बी (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टी डी बी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10/ 23सी (iv) के तहत आकलन वर्ष 2000 - 01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 के एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/ 2007 के तहत छूट प्रदान की है।

Administration

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2009-10 was laid before Rajya Sabha and Lok Sabha on 8th August, 2011 and 11th August, 2011 respectively.

TDB Secretariat

New Incumbent

(i) Shri Rajiva Srivastava has joined the Technology Development Board as Deputy Legal Advisor with effect from 29th April, 2010.

(ii) Shri Y.S. Yadav joined as Under Secretary w.e.f. 1st June, 2010.

(iii) Shri Harkesh Mittal, Scientist 'G' & Head, National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB), DST has taken over as Secretary, TDB (additional charge) w.e.f. 18th November, 2010.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

राजभाषा कार्यान्वयन

टी डी बी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना फंडिंग गाइडलाइन्स, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रूप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं/ पैनलों को हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अभयंकर आर. आर.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
आचार्य पी एस	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
आलम नीलिमा डॉ.	वैज्ञानिक - सी, डी एस टी
अस्थाना प्रवीर डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
बगई जी. एम.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
बंधोपाध्याय ए. के.	निदेशक - डी आई टी, एम ओ सी एण्ड आई, भारत सरकार
बनर्जी सुजित	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
भास्कर इंदू	वैज्ञानिक - ई, डी एस आई आर
वाजपयी संजय	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
चैनलु ए. वी.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
देशपांडे एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
द्विवेदी के. के. डॉ.	प्रमुख, एन सी एस टी सी, डी एस टी
गुप्ता अनिता डॉ.	वैज्ञानिक - ई, एन एस टी ई डी बी, डी एस टी
कमल के. डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
खान एस एन (श्रीमती) डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
कोहली एस एस डॉ. (एस एस)	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी (एस ई आर सी)
कुलकर्णी एम आर	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
मुरलीमोहन के. आर. डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
प्रसाद लक्ष्मण डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
प्रकाश चन्द्र	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
राव ए एस डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
समाथानम जी जे डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
सरकार बी. एन.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
सिंह एस. आर.	डी जी एम - आर एण्ड डी, इंजीनियर्स इंडिया
तायल आर के	वैज्ञानिक - एफ, एस ई आर सी
वरूण विमल कुमार	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर, डी एस टी

Members For The Initial Screening Committees

Abhyankar R.R.	Scientist-G, DSIR
Acharya P.S.	Scientist-F, DST
Alam Neelima Dr.	Scientist 'C', DST
Asthana Praveer Dr.	Scientist-F, DST
Bagai G.M.	Scientist 'F', DSIR
Bandyopadhyay A. K.	Director, DIT, MoC & IT, GoI,
Banerjee Sujit	Scientist-F, DST
Bhaskar Indu	Scientist-E, DSIR
Bajpai Sanjay	Scientist 'F', DST
Chainulu A.V.	Scientist- F, DSIR
Deshpande S.K. Dr.	Scientist-F, DSIR
Dwivedi K. K. Dr.	Head- NCSTC, DST
Gupta Anita Dr.	Scientist- E, NSTEDB, DST,
Kamal K. Dr.	Scientist-G, DSIR
Khan S. N. (Smt.) Dr.	Scientist -F, DST
Kohli S.S. Dr.(S.S.)	Scientist-F- DST (SERC)
Kulkarni M. R.	Scientist-F, DST
Murlimohan K. R. Dr.	Scientist-F, DST
Prasad Laxman Dr.	Scientist-G, DST
Prakash Chander	Scientist-F, DST
Rao A.S. Dr.	Scientist-G, DSIR
Samathanam, G.J. Dr.	Scientist-F, DST
Sarkar B.N.	Scientist-'F', DST
Singh S. R.	DGM-R&D, Engineers India
Tayal R.K.	Scientist-F, SERC
Varun Vimal Kumar	Scientist-F, DSIR,DST

परियोजना मूल्यांकन समितियों एवं परियोजना अनुवीक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अदसुले पी. जी. डा.	निदेशक, नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर ग्रेप्स, पुणे
अग्रवाल आर. एम.	डी डी जी (एस ए) दूरसंचार इंजीनियरी केन्द्र, दिल्ली
आहुजा ए. सी.	पूर्व, सी एम डी, आई वी सी एफ - नई दिल्ली
अमरनाथ सी. प्रो.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
अम्बरदार एस. के.	ग्रुप डायरेक्टर, टी एस एस जी, सेमी-कंडक्टर लेबोरेट्री, अन्तरिक्ष विभाग (भारत सरकार) एस ए एस नगर (पंजाब)
अंशुल कुमार डॉ.	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
आर्य कवि प्रो.	कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बोम्बे
बंधोपाध्याय टी	पूर्व - जी एम, आई ओ सी एल
भाटिया ए. के. डॉ.	पूर्व सलाहकार, सी एस आई आर एवं परामर्शदाता एफ ए ओ, नई दिल्ली
भट्टाचार्य एस. के. डॉ.	निदेशक, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूढ़की
भवानी ए. शंकर	महा प्रबंधक, सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी - डॉट) बंगलौर
मिरूद्ध राजीव डॉ.	डी जी एम - आर एण्ड डी, हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्रा. लि. मुम्बई

Experts For The Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

Adsule P. G. Dr.	Director, National Research Centre For Grapes, Pune
Agarwal R.M.	DDG (SA), Telecommunication Engineering Centre, Delhi
Ahuja A.C.	Former CMD, IVCF- New Delhi
Amarnath C. Prof.	Indian Institute of Technology, Mumbai
Ambardar S. K. Laboratory,	Group Director, TSSG, Semi-Conductor Department of Space (GOI)S.A.S. Nagar (Punjab)
Anshul Kumar Dr.	Prof. Dept. of Computer Science & Engineering, IIT, Delhi
Arya Kavi Prof.	Computer Science & Engineering Department Indian Institute of Technology Bombay
Bandyopadhyay T.	Ex-GM, IOCL
Bhatia A. K. Dr.	Ex- Advisor CSIR & Consultant FAO, New Delhi
Bhattacharya S.K. Dr.	Director, Central Building Research Institute Roorkee
Bhavani A. Shankar	General Manager, Centre for Development of Telematics (C-DOT), Bangalore
Bhirud Rajiv Dr.	DGM-R&DHygienic Research Institute Pvt. Ltd. Mumbai.

भुवनेश्वर जी. एस. डॉ.	अध्यक्ष, जैव चिकित्सा विंग, श्री चित्रा तिरूनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, सेटलमोंड पैलेस, पूजाप्पुरा, तिरूवनंतपुरम, केरल
बिस्वास कंचन	एसोसिएट डायरेक्टर (एयरक्राफ्ट), सेंटर फॉर मिलट्री एयरवर्दीनेस एण्ड सर्टिफिकेशन (सी ई एम आई एल ए सी), बंगलौर
बिस्वास गौतम डॉ.	निदेशक, सेंट्रल मकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सी एम ई आर आई), दुर्गापुर एवं मेराडो, दुर्गापुर
चंदोरकर मुकुल डॉ.	वैद्युत इंजीनियरी विभाग, आई आई टी, बोम्बे, मुम्बई
चन्द्रा आलोक	वाइन इंडस्ट्री विशेषज्ञ 102 गोल्डन थ्रैशहोल्ड, 13 एलेक्सेन्ड्रिया स्ट्रीट, बंगलौर
चन्द्रशेखर एम. प्रो.	डीन ऑफ रिसर्च एण्ड कंसल्टेंसी, एडमिनिसट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद
चन्द्रशेखर एम	निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलोजी, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद
चन्द्रशेखर वी. एस.	वैज्ञानिक 'जी', एयरोनोटिकल डवलपमेंट एसटेब्लिशमेंट, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, बंगलौर
चौधरी जे. ए.	सह - अध्यक्ष, फिक्की, हैदराबाद
चौधरी एम. सी.	पूर्व निदेशक (तकनीकी) टी सी आई एल, नई दिल्ली
चेकेर ए. के.	मुख्य परामर्शदाता, उत्पादन, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), चांदीपुर, बालासोर, उड़ीसा
दरबारी हेमंत डॉ.	निदेशक, सेंटर फॉर डवलमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी - डेक), पुणे
देसाई योगेश एम. डा.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरी विभाग आई आई टी, बोम्बे

Bhuvaneshwar G. S. Dr.	Head, Biomedical Technology Wing, Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology Sattlemond Palace,Poojappura, Thiruvananthapuram, Kerala
Biswas Kanchan	Associate Director (Aircraft) Center for Military Airworthiness & Certification (CEMILAC), Bangalore
Biswas Gautam Dr.	Director, Central Mechanical Engineering Research Institute (CMERI), Durgapur and MERADO, Durgapur
Chandorkar Mukul Dr.	Department of Electrical Engineering, IIT-Bombay, Mumbai
Chandra Alok	Expert on Wine Industry, 102 Golden Threshold, 13, Alexandria Shreet, Bangalore
Chandrasekhar M. Prof.	Dean of Research & Consultancy, Administrative Staff College of India, Hyderabad
Chandrasekhar M.	Director, Center for innovation & Technology, Administrative Staff College of India, Hyderabad
Chandrashekhar V.S.	Scientist `G', Aeronautical Development Establishment, Defence Research Development Organization, Bangalore
Chowdhary J.A.	Co- Chairman, FICCI, Hyderabad
Chaudhary M.C.	Former Director (Technical)TCIL, New Delhi
Checker A.K.	Chief Consultant Production, Brahmos Aerospace, Defence Research & Development Laboratory (DRDL), Chandipur, Balasor, Orissa
Darbari Hemant Dr.	Director, Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune
Desai Yogesh M. Dr.	Professor & Head, Department of Civil Engineering, IIT Bombay

धुस्सा ए. के.	निदेशक, नव एवं नवीकरण योग्य ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली
गांगुली एन. के. डॉ.	प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अध्येता एवं सलाहकार टी एच एस टी आई, एन आई आई, नई दिल्ली
गंतायेत एल एम डॉ.	प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं निदेशक बीम टेक्नोलोजी डवलपमेंट ग्रुप, भाभा एटोमिक सेंटर, ट्रामबे, मुम्बई
गनाराज लायनेल डॉ.	चिकित्सा अधीक्षक, क्रिश्चयन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
गोयल वी. के.	पूर्व तकनीकी सलाहकार, डी आई पी पी, फरीदाबाद
गोपालन एस	पूर्व कार्यकारी निदेशक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, चेन्नई
गुप्ता एन. के.	महा प्रबंधक (आई टी), भारत संचार निगम लिमिटेड, नई दिल्ली
गुप्ता एस. के. प्रो.	पूर्व निदेशक, न्यूरोलॉजीकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, लखनऊ
हुसैन एस प्रो.	कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद
इश्तिआक एस. एम. डॉ.	प्रोफेसर, वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
जैन के. के. डॉ.	अध्यक्ष, फिजिको - मकेनिकल स्टैंड्र्डस, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, (एन पी एल), नई दिल्ली
जयारमन एन प्रो.	एसोसिएट प्रोफेसर, जैविक रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
झुनझुनवाल अशोक प्रो.	प्रोफेसर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरी विभाग, आई आई टी, मद्रास, चेन्नई
कांडपाल एच. सी. डा.	वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली
खाती एस. बी. डॉ.	वैज्ञानिक, औषधि रसायन प्रभाग, केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

Dhussa A.K.	Director, Ministry of New & Renewable Energy, Delhi
Ganguly N.K. Dr.	Distinguished Biotechnology Fellow & Advisor, THSTI, NII, New Delhi
Gantayet L.M. Dr.	Distinguished Scientist and Director, Beam Technology Development Group, Bhabha Atormic Research Center, Tromaby, Mumbai
Gnanaraj Lionel Dr.	Medical Superintendent, Christian Medical College,Vellore
Goel V. K.	Former Technical Advisor DIPP, Faridabad
Gopalan S.	Former Executive Director, Industrial Development Bank of India, Chennai
Gupta N. K.	General Manager (IT), Bharat Sanchar Nigam Limited, New Delhi
Gupta S.K. Prof.	Former Director, Neurological Society of India, Lucknow
Husnain S. Prof.	Vice chancellor, Central University Hyderabad
Ishtiaque S.M. Dr.	Professor, Department of Textile Technology, Indian Institute of Technology, Delhi
Jain K.K. Dr.	Head, Physico-Mechanical Standards, National Physical Laboratory (NPL), New Delhi
Jayaraman N. Prof.	Associate Professor, epartment of Organic Chemistry , Indian Institute of Science, Bangalore
Jhunjhunwal Ashok Prof.	Professor, Department of Electrical Engineering, IIT madras, Chennai
Kandpal H. C. Dr.	Scientist 'G',National Physical Laboratory, New Delhi
Katti S.B. Dr.	Scientist, Medicinal Chemistry Division, Central Drug Research Institute, Lucknow

खन्ना पी. के. डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सी ई ई आर आई), पिलानी (राजस्थान)
खरे वी सी ले. कर्नल (सेवानिवृत्त)	तकनीकी सलाहकार, ब्रोडकास्ट इंजीनियरिंग कंसलटेंट (आई) लि. (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली)
कोहली ए. के. डॉ.	मुख्य कार्यकारी, बोर्ड ऑफ रेडिएशन एण्ड आइसोटॉप टेक्नोलोजी, नवी मुम्बई
कोंदय्या पी प्रो.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
कोहली एस एस	वैज्ञानिक - एफ, एस ई आर सी प्रभाग, डी एस टी, नई दिल्ली
कोटवाल पी. पी. प्रो.	प्रोफेसर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
कृणन आर	उपाध्यक्ष, इंजीनियरिंग टेक्नोलोजी लाइजनिंग, बंगलौर
कृणन एस. बी.	पूर्व सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
कृणन एस रामा डॉ.	भूतपूर्व महानिदेशक, सी - डैक, पुणे
कुमार पी. श्रीनिवास प्रो.	प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई
मैती एस एन प्रो.	प्रोफेसर, पालीमर विज्ञान और इंजीनियरी केन्द्र
मैया वाई. एस.	सी एम डी, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
मंडल ए. एस. डॉ.	वैज्ञानिक एफ, आई सी डिजाइन ग्रुप, सीरी, पिलानी
मार्या राकेश	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड, एन बी सी सी प्लेस, भीष्म पितामह मार्ग, प्रगति विहार, नई दिल्ली
मैथ्यू एस राजन	महानिदेशक, सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

Khanna P. K. Dr.	Scientist 'F', Central Electronics Engineering Research Institute (CEERI), Pilani (Rajasthan)
Khare V. C. Lt. Col. (Retd.)	Technical Advisor, Broadcast Engineering Consultants (I) Ltd (Ministry of Information & Broadcasting) New Delhi
Kohli A. K. Dr.	Chief Executive, Board of Radiation & Isotope Technology, Navi Mumbai
Kondaiah P. Prof.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Kohli S. S.	Scientist-F, SERC Division, DST, New Delhi
Kotwal P. P. Prof.	Professor, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi
Krishnan R.	Vice President, Engg. Technology Liasoning, Bangalore
Krishnan S.B. Board,	Former Secretary, Technology Development Deptt. of Science & Technology, Delhi
Krishnan S Rama Dr.	Former Director General, C-DAC, Pune
Kumar P. Sreenivasa Prof.	Professor, Indian Institute of Technology, Chennai
Maiti S. N. Prof.	Professor, Centre for Polymer Science & Engineering
Maiya Y.S.	CMD, Electronics Corporation of India Limited, Hyderabad
Mandal A. S. Dr.	Scientist F, IC Design Group, CEERI Pilani
Marya Rakesh	Executive Director National Building Construction Corp. Ltd, NBCC Place, Bhishma Pitamah Marg Pragati Vihar, New Delhi
Mathews S. Rajan	Director General, Cellular Operators Association of India, New Delhi

मैनन ए. एस.	पूर्व उपाध्यक्ष (दक्षिण क्षेत्र) विदेश संचार निगम लिमिटेड, कोचिन
मित्तल एम. एल. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी' दूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (सी आर एस ए), नई दिल्ली
मित्तर आर. आर.	डी डी जी (एन जी एन) दूरसंचार इंजीनियरी केन्द्र, नई दिल्ली
मोहनराम पी. वी. डॉ.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, मकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, पी एस जी कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी, कोयम्बतूर
मुखर्जी के. जे. प्रो.	अतिथि प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी मद्रास, चेन्नई
मुरलीधरन आर डॉ.	निदेशक, सोलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेट्री (डी आर डी ओ) लखनऊ रोड, तिमारपुर, नई दिल्ली
मूर्ति वी एस आर	ग्रुप डायरेक्टर, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज़, हैदराबाद
मुत्थू एम. वी.	पूर्व कार्यकारी निदेशक, आई एफ सी आई वेंचर फंड लिमिटेड, बंगलौर
मूर्ति एस एस डॉ.	प्रोफेसर, विद्युत इंजीनियरी विभाग
मुथूस्वामी वसंता डॉ.	भूतपूर्व डी डी जी, आई सी एम आर, चेन्नई
निलकनंदन के एस प्रो.	श्री उतरदम तिरूनल सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल, पालरॉम जंक्शन, तिरूवनंतपुरम
नेरकर डी. पी. डॉ.	अनुसंधान, निदेशक, पूना कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पुणे
पदम श्री पुपागंधन पी डॉ.	भूतपूर्व निदेशक, एन बी आर आई एवं महानिदेशक, एमिटी इंस्टीट्यूट हर्बल एण्ड बायोटेक प्रोडक्ट डवलपमेंट तिरूवनंतपुरम

Menon A.S.	Former Vice President (Southern Region)-Videsh Sanchar Nigam Limited, Cochin
Mittal M.L. Dr.	Scientist 'G', Centre for Remote Sensing Applications (CRSA), New Delhi.
Mittar R.R.	DDG (NGN) Telecom Engineering Centre, New Delhi
Mohanram P.V. Dr.	Professor & Head, Mechanical Engineering Department, PSG College of Technology, Coimbatore
Mukherjee K.J. Prof	Visiting Professor, Department of Biotechnology, IIT- Madras, Chennai
Muralidharan R. Dr.	Director, Solid State Physics Laboratory (DRDO), Lucknow Road, Timarpur, New Delhi
Murthy V.S.R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Hyderabad
Muthu M.V.	Former Executive Director, IFCI Venture Fund Ltd., Bangalore
Murthy S.S. Dr.	Professor, Dept. of Electrical Engineering, IIT Delhi
Muthuswamy Vasantha Dr.	Former DDG, ICMR, Chennai
Neelakandan K.S. Prof.	Sri Uttradam Tirunal Super Specialty Hospital , Paltom Junction, Tiruvananthapuram
Nerkar D. P. Dr.	Director Research, Poona College of Pharmacy, Pune
Padma Shree Pushpangadan P. Dr.	Former Director, NBRI & Director General, Amity Institute for Herbal and Biotech Product Development, Thiruvananthapuram

पाल सुरेन्द्र डॉ.	प्रोफेसर सतीश धवन प्रोफेसर एवं वरिष्ठ सलाहकार (सेटेलाइट नेवीगेशन) इसरो सेटेलाइट सेंटर, बंगलौर
पटने आर. के. डॉ.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, इलेक्ट्रिक इंजीनियरी प्रभाग भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
पीताम्बरम सी. के. प्रो.	अनुसंधान निदेशक (सेवानिवृत्त) केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम
प्रहलाद डॉ.	प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक आर एण्ड डी (एस आई) डी आर डी ओ, नई दिल्ली
प्रसाद आर. एन. डॉ.	उप निदेशक एवं अध्यक्ष, गुणवत्ता नियंत्रण, एन आई बी, नोएडा
प्रसन्नराज पी डॉ.	संयुक्त सचिव, भारतीय आयुर्विज्ञान परिद, नई दिल्ली
काजी जी एन डॉ.	कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
रघुनाथ एस	वैज्ञानिक 'जी' (सेवानिवृत) केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी, राजस्थान
राघवन के. वी. डॉ.	आई एन ए ई प्रतिष्ठित प्रोफेसर, भारतीय रसायनिक प्रौद्योगिक संस्थान (आई आई सी टी), हैदराबाद
रामा राव पी. डॉ.	निदेशक, राष्ट्रीय भेषज शिक्षा संस्थान, पंजाब
रामचन्द्रन के. वी. डॉ.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास चेन्नई
रामकृणन के. आर. प्रो.	विद्युत इंजीनियरी प्रभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
रामकृणन डॉ.	महानिदेशक, सेंटर फॉर डवलपमेंट आफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी - डी ए सी), पुणे
रामटेके ए बी	ज्वाइंट ड्रग्स कंट्रोलर, डी सी जी आई कार्यालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली

Pal Surendra Dr.	Prof. Satish Dhawan Professor & Sr. Advisor (Satellite Navigation), ISRO Satellite Centre, Bangalore
Patney R. K. Dr.	Professor and Head, Department of Electrical Engineering, Indian Institute of Technology, Delhi
Peethambaram C.K. Prof.	Director of Research (Retd), Kerala Agricultural University, Trivandrum
Prahlada Dr.	Distinguished Scientist & Chief Controller R&D (SI), DRDO, New Delhi
Prasad R. N. Dr.	Dy. Director & Head, Quality Control, NIB, Noida
Prasannaraj P. Dr.	Joint Secretary, Medical Council of India, New Delhi
Qazi G.N. Dr.	Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi
Raghunath S.	Scientist 'G' (Retd), Central Electronics Engineering Research Institute (CEERI), Pilani, Rajasthan
Raghvan K.V. Dr.	INAE Distinguished Professor, Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Hyderabad.
Rama Rao P. Dr.	Director, National Institute of Pharmaceutical Education, Punjab
Ramachandran K.B. Dr.	Prof. and Head, Department of Biotechnology, Indian Institute of Technology Madras, Chennai
Ramakrishnan K. R. Prof.	Dept. of Electrical Engg, Indian Institute of Science, Bangalore
Ramkrishnan Dr.	Director General, Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune
Ramteke A. B.	Joint Drugs Controller, Office of DCGI, Nirman Bhavan, New Delhi

रंगानाथन वी टी डॉ.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
राव ए. जी. अप्पू डॉ.	अध्यक्ष प्रोटीन रसायन एवं प्रौद्योगिकी विभाग, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान, मैसूर
राव पी जी डॉ.	निदेशक, एन ई आई एस टी, जोइहाट, असम
राव वी सुंदरशन डॉ.	वैज्ञानिक 'सी' नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिद), हैदराबाद
रतनम राजा डॉ.	वैज्ञानिक 'जी' अध्यक्ष, फ्रूट एण्ड वेजिटेबल टेक्नोलोजी, सी एफ टी आर आई, मैसूर
राउत के. जी.	वैज्ञानिक एफ पालीमर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग डिवीजन, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे
रे डी.	पूर्व मुख्य अभियंता सेंट्रल प्रोडक्शन केन्द्र (सी पी सी) दूरदर्शन, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)
रेड्डी पी. कृणा प्रो.	प्रोफेसर, अन्तरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई आई टी) हैदराबाद
रेवारी बी बी डॉ.	वरिष्ठ फिजिशियन, डॉ. आर एम एल हास्पीटल एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम अधिकारी (ए आर टी), नई दिल्ली
सदागोपन एस. प्रो.	निदेशक भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर
सलुंके संदीप	निदेशक, सुरक्षा, पार्लियामेंट हाऊस, दिल्ली
सम्पत एस प्रो.	एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ इनऑर्गेनिक एण्ड फिजिकल कैमिस्ट्री, भारतीय विज्ञान संस्थान (आई आई एस ई), बंगलौर
शास्त्री सी वी एस	वैज्ञानिक 'जी' रक्षा इलेक्ट्रोनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर डी ओ), हैदराबाद
सत्यमूर्ति एल एस	निदेशक, एंट्रिक्स, एण्ड कार्यक्रम समन्वयक, टेलीमेडिसिन, इसरो, एंट्रिक्स कार्पोरेशन लि. बंगलौर

Ranganathan V.T. Dr.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Rao A.G. Appu Dr.	Head Department of Protein Chemistry and Technology, Central Food Technological Research Institute, Mysore
Rao P.G. Dr.	Director, NEIST, Johrat, ASSAM
Rao. V. Sundershan Dr.	Scientist 'C' National Institute of Nutrition (Indian Council of Medical Research), Hyderabad
Ratnam Raja Dr.	Scientist G, Head, Fruit & Vegetable Technology, CFTRI, Mysore
Raut K.G.	Scientist 'F' Polymer Science & Engineering Division, National Chemical Laboratory, Pune
Ray D.	Former Chief Engineer Central Production Centre(CPC), Doordarshan, Greater Noida (UP)
Reddy P. Krishna Prof.	Professor, International Institute of Information Technology (IIIT), Hyderabad
Rewari B. B. Dr.	Sr. Physician, Dr RML Hospital & National Programme Officer (ART), New Delhi
Sadagopan S. Prof.	Director, Indian Institute of Information Technology, Bangalore
Salunke Sandeep	Director-Security, Parliament House, Delhi
Sampath S Prof.	Associate Professor Department of Inorganic and Physical Chemistry Indian Institute of Science (IISE), Bangalore.
Sastry C.V.S.	Scientist 'G' Defence Electronics Research Laboratory (DRDO), Hyderabad
Satyamurthy L.S.	Director, ANTRIX and Programme Coordinator, Telemedicine, ISRO, Antrix corporation Ltd, Bangalore.

सत्यनारायण वी	अध्यक्ष, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
श्रीनेत वी	उप निदेशक, इलैक्ट्रिकल रिसर्च एण्ड डवलपमेंट एसोसिएशन (ई आर डी ए), वडोदरा
सिन्हा एस. के. प्रो.	सेंटर फॉर इलैक्ट्रोनिक्स डिजाइन एण्ड टेक्नोलोजी भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
सिंह, रविन्द्र मेजर जनरल	सेवानिवृत्त, चीफ सिग्नल ऑफिसर, उत्तरी कमांड, उधमपुर
श्रीनिवास ए. वी. डॉ.	प्रोफेसर, इलेकट्रिकल संचार इंजीनियरी विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
श्रीवास्तव यू. के.	डी डी जी, टी ई सी, टेलिकॉम इंजीनियरी सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली
वार्णेय के. सी. डॉ.	भूतपूर्व ई. डी., आई डी बी आई, नई दिल्ली
वरधराजुलू ए. डा.	वरिष्ठ वैज्ञानिक, पावर सिस्टम डिवीजन, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
वर्मा वासुदेवा प्रो.	एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
वेंकटेशन एस पी डॉ.	अध्यक्ष, मकेडिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई
वर्मा इंद्रा प्रोफेसर	भूतपूर्व प्रोफेसर, पॉलीमर केमिस्ट्री, आई आई टी दिल्ली
वर्मा राहुल डॉ.	वैज्ञानिक, सेंट्रल इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सी ई ई आर आई), पिलानी
वाघमारे प्रशान्त	नगर अभियन्ता, पुणे नगर, शिवाजी नगर, पुणे
वाडिया सुरेश डॉ.	अध्यक्ष, कृषि रसायन प्रभाग, पूसा, आई ए आर आई, नई दिल्ली
यादव जी. डी.	प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल टेक्नोलोजी, मुम्बई

Satyanarayana V.	Head, Electronics Corporation of India Ltd., Hyderabad
Shrinet. V	Dy. Director Electrical Research & Development Association (ERDA), Vadodara
Sinha S. K. Prof.	Centre for Electronics Design & Technology Indian Institute of Science, Bangalore
Singh. Ravindra Maj. Gen	Retd. Chief Signal Officer Northern Command, Udhampur
Sreenivas T. V. Dr.	Professor, Department of Electrical Communication Engineering, Indian Institute of Science, Bangalore
Srivastava U.K.	DDG, TEC, Telecom Engineering Centre, Janpath, New Delhi
Varsheny K.C. Dr.	Former ED, IDBI, New Delhi
Varadharajulu A. Dr.	Senior Scientist, Power Systems Division, Institute of Plasma Research, Gandhinagar
Varma Vasudeva Prof.	Associate Professor, Indian Institute of Information Technology (IIIT), Hyderabad
Venkateshan S.P. Dr.	Head, Mechanical Engg. Department, Indian Institute of Technology Madras, Chennai
Verma Indra Prof.	Former Professor Polymer Chemistry, IIT Delhi,
Verma Rahul Dr.	Scientist, Central Electronics Engineering Research Institute (CEERI), Pilani
Waghmare Prashant	City Engineer, Pune Municipal Corporation, Shivaji Nagar, Pune
Walia Suresh Dr.	Head, Division of Agricultural Chemicals, Pusa, IARI, New Delhi
Yadav G.D.	Professor, University Institute of Chemical Technology, Mumbai

वर्ष 2010 - 11 के लिए

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं

का

लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण

Audited Annual Statement of Accounts of the Technology Development Board for the Year 2010-2011

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 की स्थितिनुसार तुलन–पत्र

राशि रूपए में

कॉरपस/कैपिटल फंड और दायित्व	योजना	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
कॉरपस/कैपिटल फंड	1	7,04,02,23,833	6,62,73,03,474
रिजर्व और सरपलस	2	–	–
निर्धारित/इनडॉवमेंड फंड	3	1,93,28,26,989	1,81,83,80,675
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	–	–
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	–	–
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6	–	–
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	15,99,654	3,966,470
कुल		**8,97,46,50,476**	**8,449,650,619**
परिसम्पत्तियाँ			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	68,82,064	7,356,446
निर्धारित/इंडोवमेंट फंड से निवेश	9	1,93,28,26,989	1,818,380,675
निवेश–अन्य	10	1,24,64,46,001	1,234,843,141
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	5,78,84,95,422	5,389,070,357
विविध खर्चे (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		–	–
कुल		**8,97,46,50,476**	**8,449,650,619**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	–	–
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25	–	–

(डॉ. पी. एस. राजू)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(हरकेश मित्तल)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामसामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Balance Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

Corpus/ Capital Fund and Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	7,04,02,23,833	6,62,73,03,474
Reserves And Surplus	2	-	-
Earmarked/endowment Funds	3	1,93,28,26,989	1,81,83,80,675
Secured Loans And Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans And Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liablities	6	-	-
Current Liabilities And Provisions	7	15,99,654	39,66,470
TOTAL		**8,97,46,50,476**	**8,44,96,50,619**
ASSETS			
Fixed Assets	8	68,82,064	73,56,446
Investments- From Earmarked/endowment Funds	9	1,93,28,26,989	1,81,83,80,675
Investments- Others	10	1,24,64,46,001	1,23,48,43,141
Current Assets, Loans, Advances Etc.	11	5,78,84,95,422	5,38,90,70,357
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		**8,97,46,50,476**	**8,44,96,50,619**
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liablities And Notes On Accounts	25	-	-

(DR.P.S RAJU)
DIRECTOR
Technology Development Board

(Harkesh Mittal)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. Ramasami)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे

राशि रूपए में

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री / सेवाओं से आय	12	–	–
अनुदान / सब्सिडी	13	5,00,00,000	–
फीस / अंशदान	14	–	–
विदेश(निवेश पर आय,निर्धारित इनडोव) से आय	15	–	–
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	58,20,551	2,050,552
अर्जित ब्याज	17	45,21,63,582	205,207,890
अन्य आय	18	27,03,972	14,784,913
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि / गिरावट	19		
कुल (क)		**51,06,88,105**	**222,043,355**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	1,48,01,296	18,584,879
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	4,30,40,169	101,616,959
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	3,91,90,629	98,000,000
ब्याज	23		
मूल्यह्रास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		7,35,652	834,396
कुल (ख)		**9,77,67,746**	**219,036,234**

Technology Development Board

Income and Expenditure Accounts For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/ Services	12	-	-
Grants / Subsidies	13	5,00,00,000	-
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	58,20,551	20,50,552
Interest Earned	17	45,21,63,582	20,52,07,890
Other Income	18	27,03,972	1,47,84,913
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		**51,06,88,105**	**22,20,43,355**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	1,48,01,296	1,85,84,879
Other Administrative Expenses etc.	21	4,30,40,169	10,16,16,959
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	3,91,90,629	9,80,00,000
Interest	23		
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedue -8)		7,35,652	8,34,396
TOTAL (B)		**9,77,67,746**	**21,90,36,234**

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख)		**41,29,20,359**	**30,07,121**
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण			
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		**41,29,20,259**	**30,07,121**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियां	25		

(डॉ. पी. एस. राजू)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(हरकेश मित्तल)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामसामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

	Schedule	Current Year	Previous Year
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		41,29,20,359	30,07,121
Transfer to General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS CARRIED TO CORPUS FUND		**41,29,20,259**	**30,07,121**
SINGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	**24**		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	**25**		

(DR. P.S RAJU)
DIRECTOR
Technology Development Board

(HARKESH MITTAL)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान के लेखे

राशि रुपए में

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रू.)	पिछला वर्ष (रू.)
अथ शेष			
	लघु अवधि जमा में निवेश	1,03,60,00,000	958,700,000
	सुलभ नकद	76,877	35,799
	बैंक में नकद	3,52,70,239	28,229,678
	फ्लैक्सी अकाउंट	63,53,358	5,938,583
प्रौद्योगिकी विकास और आवेदन के लिए फंड			
i)	टी डी फंड	5,00,00,000	–
ii)	लघु अवधि जमा पर ब्याज	6,19,52,290	120,761,392
iii)	ऋण पर ब्याज	7,66,46,807	68,004,792
iv)	रॉयल्टी पर ब्याज	41,860	534,293
v)	अनुदान पर ब्याज	7,82,805	3,958,267
vi)	ऋण की अदायगी	34,95,86,631	411,687,966
vii)	रॉयल्टी	58,17,551	2,050,552
viii)	अनुदान	–	
ix)	आईडीबीआई के वीसीएफ का स्थानांतरण	–	–
x)	विविध प्राप्तियां	58,942	102,047
xi)	सिक्यूरिटी / अग्रिम का रिफंड	20,130	78,619
xii)	स्त्रोत पर आयकर कटौती की वसूली	16,07,015	2,311,160

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2011

Amount in ₹

RECEIPT		Current Year	Previous Year
Opening Balance :			
	Investment in short term deposits	1,03,60,00,000	95,87,00,000
	Cash in hand	76,877	35,799
	Cash at bank	3,52,70,239	2,82,29,678
	Flexi Account	63,53,358	59,38,583
Fund for Technology Development & Application			
i)	TD Fund	5,00,00,000	-
ii)	Interest on short term deposits	6,19,52,290	12,07,61,392
iii)	Interest on loans	7,66,46,807	6,80,04,792
iv)	Interest on royalty	41,860	5,34,293
v)	Interest on grants	7,82,805	39,58,267
vi)	Repayment of loans	34,95,86,631	41,16,87,966
vii)	Royalty	58,17,551	20,50,552
viii)	Donations	-	
ix)	Transfer from VCF of IDBI	-	-
x)	Miscellaneous receipts	58,942	1,02,047
xi)	Refund of Security/ Advance	20,130	78,619
xii)	Recoveries towards Income Tax deducted at source	16,07,015	23,11,160

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रू.)	पिछला वर्ष (रू.)
xiii)	वेतन से वसूली	8,32,056	10,67,884
xiv)	आईटीवीयू (यू. टी आई)		
xv)	यू टी आई एसेन्ट इंडियन फंड	6,48,77,964	66,535,474
xvi)	आर वी सी एफ	98,18,376	
xvi)	अन्य प्राप्तियाँ	26,45,030	1,46,82,867
	कुल	**1,702,387,931**	**1,868,679,373**

(डॉ. पी. एस. राजू)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(हरकेश मित्तल)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामसामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

RECEIPT		Current Year	Previous Year
xiii)	Recoveries from salaries	8,32,056	10,67,884
xiv)	ITVUS(UTI)		
xv)	UTI_Ascent Indian Fund	6,48,77,964	6,65,35,474
xvi)	RVCF	98,18,376	-
xvi)	Other receipts	26,45,030	1,46,82,867
	TOTAL	**1,702,387,931**	**1,868,679,373**

(DR. P.S RAJU)
DIRECTOR
Technology Development Board

(HARKESH MITTAL)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान

राशि रुपए में

भुगतान		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
i)	वेतन	1,33,65,246	14,773,159
ii)	मज़दूरी	–	–
iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	35,44,125	4,138,155
iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	47,972	45,562
v)	पारिश्रमिक	1,93,500	152,000
vi)	समयोपरि भत्ता	32,032	40,511
vii)	चिकित्सा व्यय	3,43,173	556,885
viii)	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अनुदान	26,34,312	646,532
ix)	वर्दी एवं लिवरीज़		
कार्यालय व्यय			
i)	टेलीफोन / टेलेक्स	5,13,850	571,401
ii)	डाक टिकट	1,39,943	95,499
iii)	पेट्रोल, तेल, लुब्रीकेंटस	1,35,264	157,899
iv)	मरम्मत एवं रख–रखाव	4,16,483	732,222
v)	उपभोज्य स्टोर एवं प्रिन्टिंग	22,73,696	2,182,547
vi)	न्यूज पेपर एवं मैगज़ीन	8,962	21,455
vii)	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	2,36,753	263,943
viii)	परिवहन	–	–
ix)	विज्ञापन और प्रचार	1,20,90,487	9,485,045
x)	किराया (कार्यालय)	–	–
xi)	विविध व्यय	12,21,037	558,576

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2011

Amount in ₹

PAYMENTS		Current Year	Previous Year
ESTABLISHMENT EXPENSES			
i)	Salaries	1,33,65,246	1,47,73,159
ii)	Wages	-	-
iii)	Travel Expenses (Domestic)	35,44,125	41,38,155
iv)	Travel Expenses (Abroad)	47,972	45,562
v)	Honorarium	1,93,500	1,52,000
vi)	Over Time Allowance	32,032	40,511
vii)	Medical Expenses	3,43,173	5,56,885
viii)	Pension Contribution for Deputationists	26,34,312	6,76,532
xviii)	Liveries & Uniform	-	-
OFFICE EXPENSES			
i)	Telephone / Telex	5,13,850	5,71,401
ii)	Postage stamps	1,39,943	95,499
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	1,35,264	1,57,899
iv)	Repairs & Maintenance	4,16,483	7,32,222
v)	Consumable Stores & Printing	22,73,696	21,82,547
vi)	Newspapers & Magazines	8,962	21,455
vii)	Entertainment & Hospitality	2,36,753	2,63,943
viii)	Conveyance	-	-
ix)	Advertisement & Publicity	1,20,90,487	94,85,045
x)	Rent (Office)	-	
xi)	Miscellaneous Expenses	12,21,037	5,58,576

xii)	सिक्यूरिटी जमा	–	–
xiii)	राष्ट्रीय पुरस्कार	36,00,000	–
xiv)	पुस्तकालय किताबें एवं जनरल	3,273	825
xv)	पेशगी जमा राशि का पुनः भुगतान	–	–
xvi)	विधि प्रभार	12,83,126	2,722,346
xvii)	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	1,22,39,179	14,810,824
xviii)	कोर्ट शुल्क	–	–
xix)	लेखा परीक्षा शुल्क	2,27,266	–
xx)	स्टाफ सदस्यों को अग्रिम	–	–
xxi)	वसूल की गई राशि	–	20
xxii)	वापस की एयी सिक्यूरिटी	–	2000

बोर्ड व्यय			
i)	सदस्यों का टी.ए/डी.ए.	44,300	10,000
ii)	व्यावसायिक शुल्क / पारिश्रमिक	8,34,500	692,800
iii)	बैठक व्यय	17,832	9,338
iv)	विशेषज्ञों के लिए टीए/डीए	14,51,115	571,647
पूंजीगत व्यय			
i)	उपस्कर/उपकरण/मशीनरी	1,98,882	289,877
ii)	फर्नीचर और फिक्सचर	69,163	372,932
iii)	वाहन	–	–
	स्रोत से आयकर कटोती का प्रेषण	20,46,864	1,607,015
	अन्य विभागों की रिकवरी का प्रेषण	8,32,056	1,067,884
टी डी एफ से वितरण			
i)	ऋण	51,63,69,000	414,500,000
ii)	अनुदान	3,91,90,629	98,000,000
	ख) अन्य एजेंसियां	–	–
iii)	इक्विटी	–	–
iv)	आई आई वी यू एस (यू टी आई)	–	–
v)	एसेन्ट इंडिया फंड (यू टी आई वी एफ एम)	–	–

xii)	Security Deposits	-	-
xiii)	National Award	36,00,000	-
xiv)	Library Books & Journals	3,273	825
xv)	Refund of earnest money Deposit	-	-
xvi)	Legal Charges	12,83,126	27,22,346
xvii)	Asset Management Charges	1,22,39,179	1,48,10,824
xviii)	Court fee	-	-
xix)	Audit Fee	2,27,266	-
xx)	Advance to staff members	-	-
xxi)	Amount recoverable	-	20
xxii)	Security refunded	-	2000

BOARD EXPENSES			
i)	TA / DA to Members	44,300	10,000
ii)	Honorarium Experts	8,34,500	6,92,800
iii)	Board Meeting Expenses	17,832	9,338
iv)	TA / DA to Experts	14,51,115	5,71,647
Capital Expenditure			
i)	Equipment / Apparatus / Machinery	1,98,882	2,89,877
ii)	Furniture & Fixtures	69,163	3,72,932
iii)	Vehicle	-	-
	Remittance of Income Tax deducted at source	20,46,864	16,07,015
	Remittance of recoveries to other deptts.	8,32,056	10,67,884
DISBURSEMENTS FROM TDF			
i)	Loans	51,63,69,000	41,45,00,000
ii)	Grants	3,91,90,629	9,80,00,000
	(b) Other Agenices	-	-
iii)	Equity	-	-
iv)	ITVUS (UTI)	-	-
v)	Ascent India Fund(UTI VFM)	-	-

vi)	एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल फंड	–	–
vii)	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	4,87,99,200	15,400,000
viii)	जीवीएफएल वेंचर फंड		22,500,000
ix)	आर वी सी एफ	3,75,00,000	–
अंतशेष			
i)	सुलभ नकद	32,103	76,877
ii)	बैंक में लघु अवधि जमा	87,95,00,000	1,036,000,000
iii)	बचत खाता में	11,41,67,847	35,270,239
iv)	फ्लेक्सी खाता में	67,84,561	6,353,358
	कुल	**1,702,387,931**	**1,684,679,373**

(डॉ. पी. एस. राजू)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(हरकेश मित्तल)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामसामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

vi	APIDC Venture Capital Fund		-
vii)	Venture East TeNet Fund II	4,87,99,200	1,54,00,000
viii)	GVFL Venture Fund		2,25,00,000
xi)	RVCF	3,75,00,000	-
CLOSING BALANCE			
i)	Cash in hand	32,103	76,877
ii)	Short term deposits with banks	87,95,00,000	1,03,60,00,000
iii)	In Saving Account	11,41,67,847	3,52,70,239
iv)	In Flexi Account	67,84,561	63,53,358
	TOTAL	**1,70,23,87,931**	**1,68,46,79,373**

(DR. P.S. RAJU)
DIRECTOR
Technology Development Board

(HARKESH MITTAL)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–1–कॉरपस/कैपिटल फंड.				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,62,73,03,474		6,62,42,96,353	
जमाः कॉरपस/कैपिटल फंड में अनुदान	–		–	
जमाः आय और व्यय लेखे से स्थानांतरिक सकल आय का शेष	41,29,20,359		30,07,121	
		7,04,02,23,833		6,62,73,03,474
वर्ष के अंत तक शेष		**7,04,02,23,833**		**6,62,73,03,474**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–2 रिजर्व और आपूर्ति				
1. कैपिटल रिजर्वः				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटाः वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
3. विशेष रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
4. सामान्य रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
कुल योग				

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND :				
Balance as at the beginning of the year	6,62,73,03,474	-	6,62,42,96,353	-
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-	-	-	-
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	41,29,20,359	-	30,07,121	-
		7,04,02,23,833	-	6,62,73,03,474
BALANCE AS AT THE YEAR- END		**7,04,02,23,833**	-	**6,62,73,03,474**

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
1. Capital Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addtion during the year	-	-	-	-
Less: Deductions during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
3. Special Reserves:				
As per last Account	-	-	-	-
Additon during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
4. General Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–3 निर्धारित/इनडोवमेंट फंड				
आई डी बी आई का वीसीएफ				
दायित्व				
भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		27,84,00,000		27,84,00,000
निवेश से आय				
क) ब्याज	130,852,144		130852144	
ख) रॉयल्टी	55,197,900		55197900	
ग) लाभांश	8,185,794		7986794	
घ) उपार्जित आय	1,808,405,723		1673269391	
ङ) लम्बित प्राप्तियाँ	20,968,231		21018231	
	2,023,609,792		**1888324460**	
घटा : टी डी बी को दी गयी राशि	212,500,000		212500000	
	1,811,109,792		**1675824460**	
घटाः वसूली गई अत्यधिक रॉयल्टी पूर्व में समायोजित	11,250,000		11250000	
	1,799,859,792		**1664574460**	
घटाः माफ किया गया ऋण	38,446,094		32349981	
घटाः निवेश को बिक्री से घाटा	3,676,250		3226250	
	1,757,737,448		**1628998229**	
घटाः प्रबंधन शुल्क	101,500,000		87580000	
घटाः ऑडिट शुल्क और अन्य व्यय	1,810,459		1437554	
	1,65,44,26,989	**1,65,44,26,989**	**1,53,99,80,675**	**1,53,99,80,675**
कुल		1,93,28,26,989		1,81,83,80,675

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
VCF of IDBI				
Liabilities				
Contribution received by IDBI from Government of India		27,84,00,000		27,84,00,000
Income from Investment				
a. Interest	130,852,144		130852144	
b. Royalty	55,197,900		55197900	
c. Dividend	8,185,794		7986794	
d. Accrued income Less waivers	1,808,405,723		1673269391	
e. Receipt pending appropriation	20,968,231		21018231	
	2,023,609,792		**1888324460**	
Less : Amount paid to TDB	212,500,000		212500000	
	1,811,109,792		**1675824460**	
Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted towards principal	11,250,000		11250000	
	1,799,859,792		**1664574460**	
Less : Loans written off	38,446,094		32349981	
Less : Loss on sale of Investment	3,676,250		3226250	
	1,757,737,448		**1628998229**	
Less : Paid to IDBI towards Management fees	101,500,000		87580000	
Less: Audit Fees & other Expenses	1,810,459		1437554	
	1,65,44,26,989	**1,65,44,26,989**	**1,53,99,80,675**	**1,53,99,80,675**
TOTAL			**1,93,28,26,989**	**1,81,83,80,675**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 4– प्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	-	-	-	-
3. वित्तिय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (विशिष्ट)				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेन्चर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 4- SECURED LAONS AND BORROWINGS:				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	-	-	-	-
b) Interest accured and due	-	-	-	-
4. Banks: -				
a) Term Loans	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Instituitons and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	**-**	**-**	**-**	**-**

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–5– अप्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	–	–	–	–
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	–	–	–	–
3. वित्तिय संस्थाएं	–	–	–	–
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	–	–	–	–
ख) अन्य ऋण	–	–	–	–
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	–	–	–	–
6. डिबेन्चर्स एवं बॉन्डस	–	–	–	–
7. अचल जमा	–	–	–	–
8. अन्य (विशिष्ट)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 6– आस्थगित ऋण देयताएं				
क. कैपिटल उपस्करों और अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	–	–	–	–
ख. अन्य	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Instituitons and Agencies	-	-	-	-
6. Debendtures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL -	-	-	-	

Note : Amounts due within one year

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES				
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Others -	-	-	-	
TOTAL				

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 7– चालू देयताएं और प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. सहमति				
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य				
3. प्राप्त प्रतिभूत	–	–		
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन देय नहीं				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य		2,64,297	704,146	704,146
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	7,97,284		26,02,251	
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	40,000	8,37,284	20,000	2,802,251
कुल (क)		**11,01,581**		**35,06,397**
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी		4,98,073		460,073
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. एकत्र अवकाश नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
6. अन्य (विशिष्ट)				
कुल (ख)				
कुल (कख)		**15,99,654**		**3,966,470**

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 7- CURRENT LAIBILITIES AND PROVISIONS				
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others				
3. Security Received	-	-		
4. Interest accured but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue	-	2,64,297	7,04,146	7,04,146
b) Others			-	-
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputationts	7,97,284		26,02,251	
b) Audit fee payable	40,000	8,37,284	20,000	28,02,251
TOTAL (A)		**11,01,581**		**35,06,397**
B. PROVISIONS				
1. For Taxation				
2. Gratuity		4,98,073		4,60,073
3. Superannuation/Pension				
4. Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
TOTAL (B)				
TOTAL (A+B)		**15,99,654**	-	**39,66,470**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
अनुसूची 8– स्थायी परिसंपत्ति										
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2. बिल्डिंग	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ख) लीज़होल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग) स्वामित्वधारी फ्लैट/ परिसर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
घ) जमीन पर अधिरचना अस्तित्व से संबद्ध नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3. प्लांट मशीनरी एवं उपस्कर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4. वाहन	3,80,081	–	–	3,80,081	1,53,629	22,645	–	1,76,274	2,03,807	2,26,452
5. फर्नीचर/ फिक्सर	35,13,148	69,163	11,475	35,70,836	12,35,403	2,27,780	4,700	14,58,483	21,12,353	22,77,745

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
SCHEDULE 8- FIXED ASSETS										
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freeehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT										
4. VEHICLES	3,80,081	-	-	3,80,081	1,53,629	22,645	-	1,76,274	2,03,807	2,26,452
5. FURNITURE, FIXTURES	35,13,148	69,163	11,475	35,70,836	12,35,403	2,27,780	4,700	14,58,483	21,12,353	22,77,745

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
6. कार्यालय उपस्कर	43,34,578	92,848	–	44,27,426	13,54,045	2,98,055	–	16,52,100	27,75,326	29,80,533
7. कंप्यूटर/ पैरीफिरलरस	24,19,258	1,06,034	–	25,25,292	5,47,542	1,87,172	–	7,34,714	17,90,578	81,71,716
8. इलैक्ट्रिक अधिष्ठापन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
9. पुस्तकालय की किताबें	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10. ट्यूबवैल और वाटर सप्लाई	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
11. अन्य अचल परिसंपत्तियां	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
चालू वर्ष का कुल	1,06,47,065	2,68,045	11,475	1,09,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446
पिछला वर्ष	99,84,255	6,62,810	–	1,06,47,065	24,56,223	8,34,396	–	32,90,619	73,56,446	75,28,032
ख. कैपिटल चल रहा कार्य	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल	1,06,47,065	2,68,045	11,475	1,09,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446

उपर्युक्त को शामिल करते हुए किराए पर लिए गए परिसंपत्तियों की लागत पर दी जाने वाली टिप्पणियां

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
6. OFFICE EQUIPMENT	43,34,578	92,848	-	44,27,426	13,54,045	2,98,055	-	16,52,100	27,75,326	29,80,533
7. COMPUTER/ PERIPHERALS	24,19,258	1,06,034	-	25,25,292	5,47,542	1,87,172	-	7,34,714	17,90,578	81,71,716
8. ELECTRIC INSTALLATIONS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. LIBRARY BOOKS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. TUBEWELLS & W. SUPPLY	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. OTHER FIXED ASSETS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	1,06,47,065	2,68,045	11,475	1,09,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446
PREVIOUS YEAR	99,84,255	6,62,810	-	1,06,47,065	24,56,223	8,34,396	-	32,90,619	73,56,446	75,28,032
B.CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL	1,06,47,065	2,68,045	11,475	1,09,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446

(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 9– निर्धारित/इनडोवमेंट फंडों से निवेश			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ			
3. शेयर			
4. डिबेन्चर्स और बॉन्डस			
5. सब्सिडिज और संयुक्त उद्यम			
6. आई डी बी आई परिसंपत्ति का वीसीएफ			
निवेश			
(1) ऋण	10,94,10,088		115,325,204
(2) इक्विटी	1,02,25,000		10,725,000
		11,96,35,088	
वसूली योग्य			
(1) निवेश	29,97,49,137		307,434,476
(2) अन्य	1,50,86,56,586		1,365,834,915
		1,80,84,05,723	
आई डी बी आई के साथ नकद	47,86,178		19,061,080
		47,86,178	
कुल		**1,93,28,26,989**	**1,81,83,80,675**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 9 - INVESTMETNS FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			
1. In Government Securities	-		-
2. Other approved Securitites	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI (Assets)	-		-
Investment			
(i) Loan	10,94,10,088		11,53,25,204
(ii) Equity	1,02,25,000		1,07,25,000
		11,96,35,088	
Receivables			
(i) Interest	29,97,49,137		30,74,34,476
(ii) Others	1,50,86,56,586		1,36,58,34,915
		1,80,84,05,723	
Cash with IDBI 19,061,080	47,86,178		1,90,61,080
		47,86,178	
TOTAL		**1,93,28,26,989**	**1,81,83,80,675**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

			वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 10– निवेश–अन्य					
1.	सरकारी प्रतिभूति में				
2.	अन्य अनुमोदित प्रतिभूति				
3.	शेयर– इक्विटी भागीदारी		25,92,18,000	25,92,18,000	25,92,18,000
4.	डिबेन्चर्स एवं बॉंड्स				
5.	सब्सिडियरीज एवं संयुक्त उद्यम				
6.	वेन्चर फंड				
	क) आई टी वी यू एस यू टी आई	25,00,000			
	घटा: पूर्व अदायगी	0	25,00,000		25,00,000
	ख) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)	46,07,25,144			
	घटा: पूर्व अदायगी	(6,48,77,964)	39,58,47,177		46,07,25,141
	ग) ए पी आई डी सी वेन्चर फंड		30,00,00,000		30,00,00,000
	घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड		11,41,99,200		6,54,00,000
	ङ) जी वी एफ एल		9,75,00,000		9,75,00,000
	च) आर वी सी एफ	4,95,00,000	7,71,81,624	98,72,28,001	4,95,00,000
	छ) जमा :	37,500,000			
	ज) घटा :	(98,18,376)	77,181,624	987,228,001	
	कुल			1,246,446,001	1,234,843,141

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

			Current Year		Previous Year
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS					
1.	In Government Securities		-	-	-
2.	Other approved Securitites		-	-	-
3.	Shares-Equity participation		25,92,18,000	25,92,18,000	25,92,18,000
4.	Debentures and Bonds		-	-	-
5.	Subsidiaries and Joint Ventures				
6.	Venture Funds				
	a) UTI ITVUS	25,00,000			
	Less: Redemption	0	25,00,000		25,00,000
	b) UTI Ascent India Fund	46,07,25,141			
	Less : Redemption	(6,48,77,964)	39,58,47,177		46,07,25,141
	c) APIDC Venture Funds		30,00,00,000		30,00,00,000
	d) Venture East TeNet Fund		11,41,99,200		6,54,00,000
	e) GVFL		9,75,00,000		9,75,00,000
	f) RVCF	4,95,00,000			4,95,00,000,
	Add	37,500,000			
	Less : Redemption	(98,18,376)	7,71,81,624	98,72,28,001	
	TOTAL			**1,24,64,46,001**	**1,23,48,43,141**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि			
क. चालू परिसंपत्ति			
1. **सामान सूची**			
क) स्टोर्स एंड स्पेयर्स			
ख) लूज टूल			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
i) समाप्त माल			
ii) चल रहा कार्य			
iii) कच्ची सामग्री			
2. **विविध देनदार**			
क) छः महीनों से अधिक अवधि की लंबित			
ख) अन्य			
3. **हाथ में नकद शेष** (चैक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	32,103	32,103	76,877
4. **बैंक शेष**			
क) **अनुसूची बैंक सहित**			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	87,95,00,000		1,03,60,00,000
– बचत खातों पर	11,41,67,847		3,52,70,239
– फ्लैक्सी खातों पर	67,84,561	1,00,04,52,408	63,53,358
ख) **गैर अनुसूचित बैंक** :			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)			
– बचत खातों पर			
5. **डाक घर– बचत खाता**			
कुल (क)		**1,000,484,511**	**1,077,700,474**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.			
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material			
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			
3. Cash balance in hand (including cheques/ drafts and imprest)	32,103	32,103	76,877
4. Bank Balances:			
a) With Schedules Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	67,95,00,000		1,03,60,00,000
- On Savings Accounts	11,41,67,847		3,52,70,239
- On Flexi Account	67,84,561	1,00,04,52,408	63,53,358
b) With non- Scheduled Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts			
- On Savings Accounts			
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		**1,000,484,511**	**1,077,700,474**

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि (जारी)			
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां			
1. ऋण:			
क) स्टॉफ			
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों/उद्देश्यों में सम्मिलित			
ग) ऋण: शुरू हुए औद्योगिक ईकाइ को सहायता	3,34,27,99,359		3,339,987,325
जमा: वर्ष के दौरान	51,63,69,000		414,500,000
घटा: ऋण की अदायगी	34,95,86,631		411,687,966
घटा: ऋण माफी			
		3,509,581,728	
2. नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसकी कीमत में वसूली			
क) स्टॉफ सदस्यों को अग्रिम	63,970		84,100
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	1,59,18,288		15,918,286
ग) अन्य– प्रतिभूति जमा	13,64,270		1,364,270
घ) अन्य	5,714		5,714
		17,352,242	
3. प्राप्त आय			
क) निर्धारित/इनडोवमेंट फंड से निवेश पर	19,882,730		
ख) निवेश– अन्य पर 1,244,055,242			10,108,909
ग) ऋण और अग्रिम पर 2,861,031			941,089,243
घटा: ऋण माफी	1,24,11,94,211		
घटा: इक्विटी में परिवर्तित			
(गैर वसूली देय से आय सहित .....रुपए)		1,26,10,76,941	
4. वसूलीयोग्य दावा			
कुल (ख)		4,788,010,911	4,311,369,883
कुल (क+ख)		5,788,495,422	5,389,070,357

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
B. LOANS,ADVANCES AND OTHER ASSETS:			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity			
c) Loan : Assistance to industrial concerns Opening	3,34,27,99,359		3,339,987,325
Add: During the year	51,63,69,000		414,500,000
Less: Repayment of loan	34,95,86,631		411,687,966
Less: Written Off			
		3,50,95,81,728	
2. Advnances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	63,970		84,100
b) Recov.from Other Govt.deptts	1,59,18,288		1,59,18,286
c) Others - Security Deposit	13,64,270		13,64,270
d) Others	5,714		5,714
		1,73,52,242	
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endow.Funds	1,98,82,730		
b) On Investments - Others 1,244,055,242			1,01,06,909
c) On Loans and Advances 2,661,031			94,10,89,243
Less: written off	1,24,11,94,211	-	-
Less: Converted into equity			
		1,26,10,76,941	
4. Claims Receivable			
TOTAL (B)		**4,78,80,10,911**	**4,31,13,69,883**
TOTAL (A +B)		**5,78,84,95,422**	**5,38,90,70,357**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 12– बिक्री/सेवाओं से आय			
1. बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री			
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायिक /परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/संपत्ति)			
ङ) अन्य (विशिष्ट)			
कुल			

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 13– अनुदान/ सब्सिडी (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
1) केन्द्र सरकार	5,00,00,000		–
2) राज्य सरकार (रों)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान/ कल्याण बोर्ड			
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (विशिष्ट)			
कुल	5,00,00,000		

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES			
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods	-	-	-
b) Sale of Raw Material	-	-	-
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges	-	-	-
b) Professional/Consultancy Services	-	-	-
c) Agency Commission and Brokerage	-	-	-
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-	-
e) Others (Specify)			
TOTAL	-	-	-

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 13 - GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1) Central Government	5,00,00,000	-	-
2) State Government(s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions/Welfare Bodies			
5) International Organisation			
6) Others (Specify)			
TOTAL	**5,00,00,000**	-	-

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 14– शुल्क / अंशदान			
1) प्रवेश शुल्क			
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान			
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क			
4) परामर्शी शुल्क			
5) दान			
कुल			

टिप्पणी: प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेष

निवेश–अन्य	निर्धारित फंड से निवेश		
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 15– निवेश से आय (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉंडस / डिबेन्चर			
2. लाभांश			
क) शेयर पर			
ख) म्यूचल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए			
4. अन्य (विशिष्ट)			
कुल			
निर्धारित / इनडोवमेंट फंड को स्थानांतरित			

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions	-	-	-
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees			
TOTAL	-	-	-

Note - Accounting Policies towards each item are to be disclosed

Investment	Fund		Others
	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)			
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents			
4) Other (Specify)			
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 16– रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
1) रॉयल्टी से आय		58,20,551	20,50,552
2) प्रकाशन से आय			
3) अन्य (विशिष्ट)			
कुल		**58,20,551**	**20,50,552**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 17– अर्जित ब्याज			
1) आवधिक जमा पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	7,01,67,086		8,29,66,034
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ			
ग) संस्थाओं के साथ			
घ) अन्य		7,01,67,086	
2) बचत खातों पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	15,59,025		24,49,358
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ,			
ग) डाक घर बचत खाता			
घ) अन्य		15,59,025	
3) ऋण पर:			
क) कर्मचारी / स्टॉफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता		37,96,12,806	11,52,99,936
4) रॉयल्टी पर ब्याज		41,860	5,34,293
5) अनुदान पर ब्याज		7,82,805	3,958,267
कुल		**45,21,63,582**	**20,52,07,890**

टिप्पणी: स्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.			
1) Income from Royalty		58,20,551	20,50,552
2) Income from Publications			
3) Others (Specify)			
TOTAL		58,20,551	20,50,552

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	7,01,67,086		8,29,66,034
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
d) Others	-	7,01,67,086	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	15,59,025		24,49,358
b) With Non- Scheduled Banks			
c) Post Office Savings Accounts			
d) Others	-	15,59,025	
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		37,96,12,806	11,52,99,936
4) Interest on royalty		41,860	5,34,293
5) Interest on grant		7,82,805	3,958,267
TOTAL		45,21,63,562	20,52,07,890

Note - Tax Deducted at source to be indicated

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 18– अन्य आय			
1. संपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ			
क) प्राप्त संपत्ति– यूटीआई की यूनिटें			
ख) अनुदान से प्राप्त संपत्ति, अथवा निःशुल्क प्राप्त			
2. यूटीआई–आईटीवीयूएस से लाभांश		23,09,921	14,682,866
3. लाभांश		335,109	
4. विविध सेवाओं का शुल्क		58,942	102,047
5. विविध आय			
6. दान			
कुल		**27,03,972**	**1,47,84,913**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 19– तैयार माल और चल रहे कार्य की वृद्धि / घटाव			
क) बंद स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
ख) घटाः ओपनिंग स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
निवल वृद्धि / (घटाव) (क–ख)			

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME			
1) Profit on Sale/disposal of Assets:			
a) Owned assets - UTI	-		-
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	-		-
2) Profits on redemption of units of UTI-AIF		23,09,921	1,46,82,866
3) Dividend	-	3,35,109	-
4) Miscellaneous Income		58,942	1,02,047
5) Fees for Miscellaneous Services	-		-
6) Donations	-		
TOTAL		**27,03,972**	**1,47,84,913**

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS &WORK IN PROGRESS			
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 20–स्थापना व्यय			
क) वेतन और मजदूरी	1,25,33,190		13,705,275
ख) भत्ते और बोनस	32,032		40,511
ग) भविष्य निधि में अंशदान	8,32,056		1,067,884
घ) अन्य फंड में अंशदान			
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	1,93,500		152,000
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभों पर व्यय	8,29,345		2,602,251
छ) चिकित्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	3,43,173		556,885
ज) ग्रेच्यूटी	38,000		460,073
कुल		**1,48,01,296**	**18,584,879**

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 21–अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि		
क) राष्ट्रीय पुरस्कार	36,00,000	
ख) विधि प्रभार	12,83,126	27,22,346
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	1,22,39,379	1,48,10,824
घ) बिजली और पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) टूट फूट और रख–रखाव	4,16,483	7,32,222
ज) डाक एवं टिकट	1,39,943	95,499
झ) किराया, दर और कर		
ण) वाहन और रखरखाव	1,35,264	1,57,899
ट) टेलीफोन और संचार प्रभार	5,13,850	5,71,401

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPRENSES			
a) Salaries and Wages	1,25,33,190		1,37,05,275
b) Allowances and Bonus	32,032		40,511
c) Contribution to Provident Fund	8,32,056		10,67,884
d) Contribution to Other Fund			
e) Staff Welfare Expenses	1,93,500		1,52,000
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	8,29,345		26,02,251
g) Reimbursement of medical charges	3,43,173		5,56,885
h) Gratuity	38,000		4,60,073
TOTAL		**1,48,01,296**	**1,85,84,879**

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.		
a) National Award	36,00,000	
b) Legal charges	12,83,126	27,22,346
c) Assets Management Fees	1,22,39,379	1,48,10,824
d) Electricity and power	-	-
e) Water charges	-	-
f) Insurance	-	-
g) Repairs and maintenance	4,16,483	7,32,222
h) Postage & stamps	1,39,943	95,499
i) Rent, Rates and Taxes	-	-
j) Vehicles Running and Maintenance	1,35,264	1,57,899
k) Telephone and Communication Charges	5,13,850	5,71,401

			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ठ) प्रिंटिंग,स्टेशनरी एवं उपभोज्य			22,73,696	21,82,547
ड) यात्रा और वाहन भत्ता	क) घरेलू	35,44,125		
	ख) विदेशी	47,972		
	ग) विषेशज्ञ	14,51,115	50,43,212	47,55,364
त) सेमिनार/ कार्यशालाओं पर व्यय				
थ) पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक			3,273	825
द) लेखा परीक्षा शुल्क			44,300	10,000
ध) आवभगत व्यय			2,36,753	2,63,943
न) व्यवसायिक प्रभार			8,34,500	6,92,800
प) क) ब्याज की माफी			28,61,031	6,45,06,875
ख) ऋण की माफी			3,000	
फ) राशि की माफी			6,775	
घटाः वसूली				
भ) विविध व्यय			12,21,037	558,576
म) अखबार एवं पत्रिका			8,962	21,455
य) विज्ञापन एवं प्रचार			1,20,90,487	9,485,045
र) घटाः अन्य सरकारी विभागों से वसूली योग्य				
ल) बोर्ड के खर्चे			17,832	9,338
कुल			**4,30,40,169**	**10,16,16,959**

			Current Year	Previous Year
l) Printing , Stationary & Consumables			22,73,696	21,82,547
m) Travelling and Conveyance Expenses	a) Domestic	35,44,125	-	-
	b) Abroad	47,972	-	-
	c) Experts	14,51,115	50,43,212	47,55,364
n) Expenses on Seminar/ Workshops			-	-
o) Library books & periodical			3,273	825
q) Auditors Remuneration			44,300	10,000
r) Hospitality Expenses			2,36,753	2,63,943
s) Professional Charges			8,34,500	6,92,800
t) a) Interest written off			28,61,031	6,45,06,875
b) Loan written off			3,000	-
u) Aseets Written-off			6,775	-
Less: Recovery			-	-
w) Misc. Expenses			12,21,037	5,58,576
x) Newspaper & Magazine			8,962	21,455
y) Advertisement and Publicity			1,20,90,487	94,85,045
Less: Recoverable from other govt. deptts.				
z) Board Expenses			17,832	9,338
TOTAL			**4,30,40,169**	**10,16,16,959**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2011 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 22– अनुदान पर व्यय		
क) संस्थाओं / संगठनों को दिया गया दान		
1) इन्क्यूबेटर्स		
2) अन्य एजेंसियां	39,190,629	9,80,00,000
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी		
कुल	**39,190,629**	**9,80,00,000**

टिप्पणी: सत्ताओं का नाम, अनुदान की राशि सहित उनकी गतिविधियों को बताया जाना है।

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 23–ब्याज		
क) अचल ऋण		
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (विशिष्ट)		
कुल		

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2011

Amount in ₹

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 22- Expenditure on Grants		
a) Grants given to Institutions/ Organisations		
(i) Incubators		
(ii) Other agencies	39,190,629	9,80,00,000
b) Subsidies given to Instituions / Organisations		
TOTAL	**39,190,629**	**9,80,00,000**

Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/ Subsidies are to be disclosed

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 23 - INTEREST		
a) On Fixed Loans	-	-
b) On Other Loans (Including Bank Charges)	-	-
c) Others (Specify)	-	-
TOTAL	-	-

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां और लेखाओं पर टिप्पण - 2010-11

क. लेखा संबंधी नीतियां

1. पावतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन - देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकार्ड रखा जाता है।

2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकार्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई है।

3. अवमूल्यन को डिमिनिशिंग (ह्रासमान) बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष के समय निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) के आरंभिक जमा (ओपनिंग बैलेंस) पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। केवल कार्यालय परिसर में, यहां पर टूट - फूट को 25 प्रतिशत लागत मूल्य पर प्रदान किया गया है, के आंतरिक कार्य को छोड़कर वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/ बेची गई/ स्थानांतरिक/ अलग की गई निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता है। निर्धारित परिसंपत्तियों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।

4. रायल्टी संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते है।

5. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।

Schedule – 24

Technology Development Board

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2010-11

A. Significant Accounting Policies

1 Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Depreciation is quantified at the rate of 10% on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition.

4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली,ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, रायल्टी, अनुदानों और किसी अन्नू स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस शीट) तैयार किया गया है।

7. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित निर्धारित/ स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन - पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है:-

   (क) रॉयल्टी, प्रबंधन शुल्क और उस पर पेनल ब्याज के संबंध में आय/ परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों/ भुगतान के रूप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोदभवन आधार पर तैयार किया गया है।

   (ख) तुलन - पत्र में नकद और बैंक बैलेंस आई डी बी आई के पास रखी अप्रयुक्त निधियों, जो लेखा समाधान के अध्यधीन हैं, को दर्शाते हैं।

8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को आवतियों एवं भुगतानों से संबधित लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए है।

10. स्टॉक का सत्यापन (बरेफिकेशन) वार्षिक आधार पर किया जाता है।

11. आंकड़ों को निकटतम रूपए में पूर्वांकित (राउंडेड ऑफ) किया जाता है।

6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-

   a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/ expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.

   b) Cash and bank balance in the balance sheet represents unutilized funds lying with IDBI which is subject to reconciliation.

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

लेखाओं पर टिप्पणी

1. वित्तीय वर्ष 2010 - 11 के दौरान टी डी बी को अनुदान के रूप में 5.00 करोड़ की राशि प्राप्त हुई।

2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की 31 मार्च, 2011 तक 11,250.83 लाख (8215.44 लाख) रू. तक की अतिदेय ऋण भुगतान राशि (राशि जो देय है पर प्राप्त नहीं हुई) है। इसके अतिरिक्त, 2088.48 लाख (रूपये 2022.70 लाख) का साधारण ब्याज, रू. 5,792.11 लाख (रू. 4498.53 लाख) के बराबर ऋण पर अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में रू. 799.05 लाख (रू. 654.13 लाख) भी देय हैं।

3. (i) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड, (यू टी आई पी एफ), बंगलौर द्वारा प्रशासित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम (आई टी वी यू एस) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2011 तक रू. 0.25 करोड़ है। निधि का लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2011 तक 100/- रू. की 2272.55 प्रति यूनिट था।

(ii) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा प्रशासित ऐसेंट इंडिया फंड (ए आई एफ) में बकाया निवेश 31.03.2011 तक 39.58 करोड़ रू. है। यू टी आई - एसेंट इंडिया फंड की यूनिटों के विमोचन से रू. 6.65 करोड़ रू. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2011 तक 100 रू. के 97.89 /- रू. प्रति यूनिट थी।

(iii) वेंचर ईस्ट फंड एडवाइज़र प्रा. लि., चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरेस्ट टीनेट फंड II, चेन्नई में बकाया निवेश 31.3.2011 तक रू. 11.42 करोड़ है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2011 को रू. 761/- प्रति यूनिट की आंशिक भुगतान की गई पूंजी के रू. 946 प्रति यूनिट की (1000/- प्रति यूनिट की अंकित मूल्य)

(iv) टी डी बी ने दिनांक 16.08.2004 के सह - निवेश करार के अनुसार ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रबंधित ए पी आई डी सी के साथ 'टी डी बी ट्रस्ट' (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह - निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2011 तक 30 करोड़ रू. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रूप से भुगतान की गई 3000 यूनिटे) निवेश किए हैं।

(v) मैसर्स गुजरात वेंचर फाइनेंस लिमिटेड (जी वी एफ एल), अहमदाबाद एस एम ई प्रौद्योगिकी उद्यम निधि में 31.03.2011 तक 9.75 करोड़ रू. का बकाया निवेश है।

Schedule – 25

Notes on Accounts

1. TDB received ₹ 5.00 crore as grant during the financial year 2010-11.

2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to ₹ 11,250.83 lakhs (₹ 8215.44 lakhs) as on 31st March, 2011. In addition, simple interest of ₹ 2088.48 lakhs (₹ 2022.70 lakhs), additional interest on loan amounting to ₹ 5792.11 lakhs (₹ 4498.53 lakhs) and ₹ 997.07 lakhs (₹ 799.05 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due.

3. The outstanding investment in the India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore is ₹ 0.25 crores as on 31st March 2011. The audited NAV of the fund was ₹ 2272.55 per unit of ₹ 100/- on 31st March 2011.

(ii) The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is ₹ 39.58 crores as on 31.03.2011. An amount of ₹ 6.49 crores has been received towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund. The audited NAV of the fund was ₹ 97.89/- per unit of ₹ 100/- on 31st March 2011.

(iii) The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, Chennai operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is ₹ 11.42 crores up to 31.3.2011. The audited NAV of the fund was Rs. 946 per unit of the partially paid up capital of ₹ 761/- per unit (face value of Rs. 1000/- per unit) on 31st March 2011.

(iv) TDB has invested in ₹ 30 crore (3000 fully paid units of Face ₹ 1, 00,000/- per units) up to 31.3.2011 in "TDB trust" (Co-Investment Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004.

(v) The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is ₹ 9.75 crores up to 31st March 2011. The audited NAV of the fund was ₹ 134,860/- of partially paid up unit

निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2011 तक 134,860/- प्रति यूनिट (अंकित मूल्य 100000) थी।

(vi) मैसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आर वी सी एफ), जयपुर 'एस एम ई प्रौद्योगिकी उद्यम निधि में दिनांक 31.03.2011 तक रू. 8.70 करोड़ रू. बकाया निवेश है। यूनिटो के विमोचन से 0.98 करोड़ रू. की राशि तथा निधि से लाभ वितरण से 0.26 करोड़ रू. की राशि प्राप्त हुई निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2011 को 100/- रू. की रू. 101.98 प्रति यूनिट थी।

4. मैसर्स श्रीपत इंडस्ट्रीज एण्ड मैसर्स एस आई डी डी लाइफ साइंसेस के मामले में ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज और रायल्टी की 28,61,031 रू. की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

5. मैसर्स टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर कोंगू, मैसर्स आई आई एम, मैसर्स आई आई टी कानपुर, मैसर्स पी एस जी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैसर्स इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट को अनुदान के रूप में प्रत्येक को 30.00 लाख रू. की राशि जारी की गई। मैसर्स टेक्नोपार्क टेक्नोलोजी बिजनेश इंक्यूबेटर, मैसर्स मणिपाल यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी, मैसर्स लाइफ साइंसेज इन्क्यूबेटर, मैसर्स नेशनल डिजाइन बिजनेस इन्क्यूबेटर, अहमदाबाद और मैसर्स विलेज इन्नोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई को सीड सहायता स्कीम के अन्तर्गत अनुदान के रूप में प्रत्येक को 40.00 लाख रू. की राशि जारी की गई।

6. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन - देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास के अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर, 1996 के अनुसार बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के साथ निहित आई डी बी आई की उद्यम पूंजी निधि का तुलन - पत्र (बैलेंस सीट) इस वर्ष के तुलन - पत्र में शामिल किया गया है। तुलन - पत्र में आई डी बी आई के वी सी एफ से संबंधित पिछले वर्ा के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

7. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित विनिर्धारित/ स्थायी निधियों के तुलन पत्र वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान 0.019 करोड़ रूपये के लाभांश की प्राप्ति दर्शाते और इक्विटी के विक्रय पर 0.005 करोड़ रू. का लाभ दर्शाते हैं।

(डॉ. पी. एस. राजू)	(हरकेश मित्तल)	(डॉ. टी रामसामी)
निदेशक	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

of 65000 (fare value 100000) on 31st March 2011.

(vi) The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is ₹ 8.70 crores as on 31.03.2011. An amount of ₹ 0.98 crores have been received towards redemption of units and ₹ 0.26 crores towards profit distribution from the fund. The audited NAV of fund was ₹ 101.88 per unit of ₹ 100/- on 31st March 2011.

4. An amount of ₹ 28,61,031 is written off towards the interest and additional interest & royalty in the case of M/s SIDD Life Sciences.

5. An amount of ₹ 30.00 lakhs has been released as grant to M/s Technology Business Incubator Kongu, M/s IIM, M/s II Kanpur, M/s PSG College of Technology & M/s International Crops Research Institute. An amount of ₹ 40.00 lakhs each has been released as grant to M/s Technopark-Technology Business Incubator, M/s Manipal University-Technology Business Incubator, M/s Life Sciences Incubator, M/s National Design Business Incubator, Ahmadabad & M/s Villgro Innovation Foundations, Chennai under the Seed Support Scheme.

6. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2011 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds maintained by IDBI has indicated dividend receipt of ₹ 0.019 crore & ₹ 0.005 crore profit on sale of equity during the financial year 2010-11.

(DR. PS RAJU)	(HARKESH MITTAL)	(DR. T. RAMASAMI)
DIRECTOR	SECRETARY	CHAIRPERSON
Technology Development Board	Technology Development Board	Technology Development Board

टी डी बी, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लेखों पर भारत के महालेखा नियंत्रण की पृथक आडिट रिपोर्ट

1. हमारे भारत के महालेखा नियंत्रण सेवा अधिकार और सेवा शर्तें अधिनियम 1971 के धारा 19 (2) के पाठ पठित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 (1995 की सं. 44) के तहत टी डी बी (बोर्ड) नई दिल्ली की 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के संलग्न तुलन पत्र का उस तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखों/ प्राप्तियों एवं भुगतान लेखों का आडिट किया। यह वित्तीय विवरण बोर्ड प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व ऑडिट पर आधारित अपने विचार प्रकट करना है।

2. इस पृथक ऑडिट रिपोर्ट में भारत के महालेखा नियंत्रण (सी एंड एजी) की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सहित ऑडिट टिप्पणियाँ, नियम एवं विनियम (प्रोपराइटी और रेग्यूलेटरी) और दक्षता - सह निपादन पहलू इत्यादि यदि कोई है तो इसे निरीक्षण रिपोर्ट/ सी ए जी की ऑडिज रिपोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट किया गया।

3. हमने यह ऑडिट, भारत में सामान्यता अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम ऑडिट को इस तरह योजनागत और निपादन करें कि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। ऑडिट में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। ऑडिट में, प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा ऑडिट विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year ended 31st March 2011

1. We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board (TDB), New Delhi as at 31st March 2011 and the Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Power & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act, 1995 (No. 44 of 1995). These financial statement are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial based on our audit.

2. This separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects etc., if any, are reported through Inspections Reports/CAG's Audit Report Separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statement are free from materials misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में ऑडिट के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।

(ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा/ प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत फार्मेट में तैयार किया गया है।

(iii) हमारे विचार से प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 13 (1) में अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबधित रिकार्डों को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि यह हमारे ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।

(iv) हमने यह भी रिपोर्ट किया कि:

(क) तुलन - पत्र

1. दायित्व

1.1 वर्तमान दायित्व और प्रावधान - 16 लाख रू.

वर्ष के दौरान टी डी बी द्वारा कर्मचारियों के काटे गए भविय निधि सब्स्क्रिशन तथा 6.99 लाख रू. के बराबर के कर्मचारियों के शेयर को न तो लेखों से घटाया गया और न ही इसके लिए देयताओं को दर्शाया गया। इसके परिणाम स्वरूप 6.99 लाख रू. तक के वर्तमान देयताओं तथा स्थापना खर्चों का अल्प विवरण प्राप्त हुआ।

2. परिसम्पत्तियां

2.1 वर्तमान परिसम्पतियां, ऋण अग्रिम - 578.85 करोड़ रू.

सरकारी विभागों से उपरोक्त वसूली योग्य अग्रिम 159.18 लाख रू. दर्शाया गया जबकि सरकारी विभागों से वसूली योग्य राशि 235.51 लाख थी। इसके कारण 76.33 लाख रू. की राशि के बराबर वर्तमान परिसम्पतियों का अल्प विवरण हुआ।

2.2 सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त 5 करोड़ रू. के सहायता अनुदान में से बोर्ड ने समस्त राशि का उपयोग कर लिया।

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipt & payment Account dealt with by this report has been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance.

(iii) In our opinion proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Technology Development Board, New Delhi as required under Section 13(1) of the TDB Act, 1995, in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

(A) Balance Sheet

1. Liabilities

1.1 Current Liabilities & Provisions – ₹ 16 lakh

During the year employees subscription toward provident fund deducted by TDB as well as employees share amounting to ₹ 6.99 lakh was neither remitted to back nor any liability for the same provided in the accounts. This has resulted in understatement of Current Liabilities and Establishment expenses to the extent of ₹ 6.99 lakh.

2. Assets

2.1 Current Assets, Loans Advances – ₹ 578.85 crore

The above advances recoverable from other Government departments as ₹ 159.18 lakh, whereas, the amount recoverable from Government department was ₹ 235.51 lakh. This had resulted in understatement of Current Assets to the extent of ₹ 76.33 lakh.

2.2 Grants-in-aid

Out of Grant-in-Aid of ₹ 5 crore received during the year, the Board utilized the entire sum.